@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 24 मई 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 193 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

1991 का समझौता शांतिकाल के लिए था

नई दिल्ली, 23 मई। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के आरोपों पर कांग्रेस ने पलटवार किया है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि निशिकांत दुबे जिस 1991 के समझौते की बात कर रहे हैं, वह शांतिकाल के लिए था, लेकिन जब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को हमले की सूचना दी, उस वक्त संघर्ष के हालात थे। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत

के ऑपरेशन सिंदूर के बारे में पाकिस्तान को पहले ही जानकारी दी थी। इस पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया कि विदेश मंत्री ने 1991 के समझौते के तहत पाकिस्तान को सूचना दी और वह समझौता कांग्रेस सरकार में हुआ था। अब कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि पहली बात, निशिकांत दुबे बार-बार अपनी बेवकूफी का प्रदर्शन कर रहे हैं। पूर्व पीएम राजीव गांधी ने 6 मार्च 1991 को चंद्रशेखर सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था, जबकि 1991 का समझौता अप्रैल 1991 में हुआ था। साथ ही यह समझौता शांतिकाल के लिए था, जिसका मकसद ये सुनिश्चित करना था कि दोनों देशों की सेनाओं के बीच शांतिकाल के दौरान कोई असमंजस की स्थिति न रहे। अब हम पर आतंकी हमला हुआ था और हमने उसका आक्रामकता से जवाब दिया था। पहली बात कि भाजपा और निशिकांत दुबे ये स्वीकार कर रहे हैं कि विदेश मंत्री जयशंकर ने सूचना दी और जो राहुल गांधी कह रहे हैं, वह सच है। दूसरा समझौता शांतिकाल के लिए था, लेकिन जब जयशंकर ने सूचना दी, उस वक्त युद्ध जैसे हालात थे। एक अन्य कांग्रेस नेता मधु गौड़ यसखी ने कहा है कि राहुल गांधी ने विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर से सवाल किया था कि क्या भारत ने पाकिस्तान को हमले के बारे में सूचना दी थी।

पाकिस्तान की गोली का जवाब बीएसएफ ने गोले से दिया: अमित शाह

कौमी पत्रिका
सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 23 मई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सीमा सुरक्षा बल अलंकरण समारोह को संबोधित किया। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि जब यह निर्णय लिया गया कि एक सीमा पर एक बल सुरक्षा प्रदान करेगा, तो बीएसएफ को दो सबसे कठिन सीमाओं बांग्लादेश और पाकिस्तान बॉर्डर की रक्षा करने की जिम्मेदारी दी गई थी। आपकी क्षमताओं को देखते हुए आपने इसे बहुत अच्छी तरह से सुरक्षित किया है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ के शौर्य को भी सलाम किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की हर गोली का जवाब बीएसएफ ने गोले से दिया। उन्होंने कहा कि 1965 से लेकर 2025 तक अपने कर्तव्य के पथ पर निडर होकर सर्वोच्च बलिदान की भावना के साथ चलते हुए 2,000 से ज्यादा जिन सीमा प्रहरियों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है, मैं पूरे राष्ट्र की ओर से उन्हें प्रणाम करता हूं। देशभक्ति के आधार पर सभी कठिनाईयों को पार करके कैसे विश्व में सर्वश्रेष्ठ बल बना जा सकता है, उसका उत्तम उदाहण क्क्स्न है। केएफ रुस्तमजी बीएसएफ के संस्थापक और पहले महानिदेशक थे। यह दुनिया का सबसे बड़ा सीमा सुरक्षा बल है, जिसमें लगभग 2.75 लाख कर्मी पश्चिम में पाकिस्तान और पूर्व में बांग्लादेश के साथ भारतीय सीमाओं की रक्षा करने का काम करते हैं। बीएसएफ की स्थापना 1965 में हुई थी। अमित शाह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर तब सफल हुआ, जब हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, हमारी खुफिया एजेंसियों से सटीक जानकारी और सेना की मारक क्षमता का अद्भुत प्रदर्शन एक साथ आए। जब ये तीनों एक साथ आए तो ऑपरेशन सिंदूर बना। हमारा देश कई दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का सामना कर रहा है। पाकिस्तान ने कई बड़ी घटनाओं को वर्षों से अंजाम दिया, लेकिन उसे माकूल जवाब नहीं दिया गया। 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने, भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार बनी और पहला बड़ा हमला उरी में हमारे सैनिकों पर हुआ, उन्हें जिंदा जलाने का दुस्साहस किया और हमने उरी के तुरंत बाद सर्जिकल स्ट्राइक करके पहली बार आतंकियों के ठिकानों में घुसकर उन्हें मुंहतोड़ जवाब देने का काम किया। फिर पुलवामा में हमला हुआ,

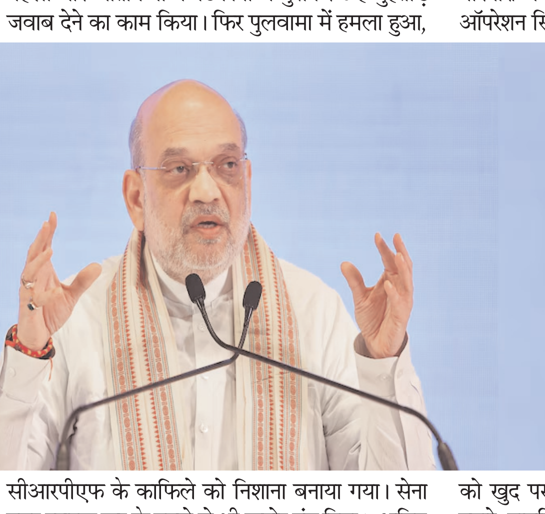

सीआरपीएफ के काफिले को निशाना बनाया गया। सेना एयर स्ट्राइक कर के पहले से भी कठोर दंड दिया। अमित शाह ने कहा, पहलगाम में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों की ओर से निर्दोष लोगों को उनके परिवारों के सामने उनका धर्म पूछकर मार दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर उस हमले का जवाब है और आज दुनिया भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी की प्रशंसा कर रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था और ऑपरेशन के कुछ ही मिनटों के भीतर हमने नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया, जिनमें से दो आतंकी मुख्यालय थे। हमने पाकिस्तानी सेना के प्रतिष्ठानों, एयरबेसों को तबाह नहीं किया। हमने केवल उन लोगों को दंडित किया, जिन्होंने भारतीय धरती पर पाप किए थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, हमें लगता था कि हमने आतंकियों पर हमला किया है, लेकिन पाकिस्तान ने साबित कर दिया कि वह आतंकवाद को प्रायोजित करता है... पाकिस्तान, आतंकियों पर हमले को खुद पर हमला मानता है... जब पाकिस्तानी सेना ने हमारे नागरिक ठिकानों और हमारे सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने की कोशिश की, तो भारतीय सेना ने कड़ा जवाब दिया।

मुख्यमंत्री ने वित्त आयोग के अध्यक्ष से की भेंट

कौमी पत्रिका
कौमी संवाददाता

शिमला, 23 मई। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को नई दिल्ली में वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगा?या से भेंट की। इस दौरान राज्य सरकार के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री की उपस्थिति में आयोग के समक्ष प्रस्तुति दी और राज्य की ओर से एक अतिरिक्त ज्ञापन भी सौंपा। मुख्यमंत्री ने राज्य के लिए निधि आवंटन ब?ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि देश के पहाड़ी राज्य भौगोलिक दृष्टि से विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हैं इसलिए उन्हें उनका उचित हक मिलना चाहिए। प्रदेश ने पर्यावरण संरक्षण और

पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए राज्य द्वारा दी जा रही सेवाओं के लिए ग्रीन बोनस की मांग भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कमी के कारण राज्य को नुकसान हुआ है और इसके लिए राज्य को उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हिमाचल प्रदेश के लिए राजस्व घाटा अनुदान को ब?ाया जाना चाहिए, न कि धीरे-धीरे समाप्त किया जाए।

भारत-पाकिस्तान ने एक दूसरे के लिए बढ़ाई एयरस्पेस पाबंदी

नई दिल्ली, 23 मई। पहलगाम हमले के बाद भारत-अमेरिका के रिश्तों में तनाव चरम पर है। इस हमले का बदला भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए लिया। तनाव के माहौल में भारत ने पाकिस्तान के लिए अपने एयरस्पेस को बंद कर दिया था। अब एक बार फिर इस पाबंदी को भारत ने एक और महीने के लिए बढ़ा दिया है। भारत ने इस बाबत नोटम भी जारी कर दिया है। नए नोटम के मुताबिक, यह 23 जून, 2025 तक प्रभावी रहेगा। वहीं, दूसरी ओर भारत की कार्रवाई से तिलमिलाए पाकिस्तान ने भी भारतीय उड़ानों के लिए अपनी हवाई क्षेत्र पाबंदी को एक और महीने तक बढ़ाने का फैसला लिया है। भारत ने पाकिस्तान की उड़ानों के लिए नोटम को एक महीने के लिए बढ़ा दिया है। यह 23 जून, 2025 तक प्रभावी रहेगा। इस बाबत नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय हवाई क्षेत्र पाकिस्तान में पंजीकृत ष्टस्न्नझ्ह्य और पाकिस्तानी एयरलाइनों/ऑपरेटरों द्वारा संचालित/स्वामित्व वाली या पट्टे पर ली गई ष्टस्न्नझ्ह्य के लिए स्वीकृत नहीं है। इसमें सैन्य उड़ानें भी शामिल हैं। पाकिस्तान ने भारतीय उड़ानों के लिए अपनी हवाई क्षेत्र पाबंदी को एक और महीने तक बढ़ाने का फैसला लिया है। इस बाबत पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी ने एक नया नोटम (नोटिस टू एयरमैन) जारी किया है। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान ने शुक्रवार को भारतीय उड़ानों के लिए अपने एयरस्पेस की बंदी को 24 जून तक बढ़ा दिया है।

धुले के सरकारी गेस्ट हाउस से करोड़ों रुपये मिलने का मामला

मुंबई, 23 मई। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने धुले के सरकारी गेस्ट हाउस से करोड़ों रुपये मिलने के मामले में सीएम फडणवीस पर सवाल उठाए हैं और पूछा कि सीएम ने इसकी जांच ईडी को क्यों नहीं सौंपी? संजय राउत ने सीएम के जांच के लिए एसआईटी गठित करने के फैसले की भी आलोचना की और कहा कि सीएम को एसआईटी गठित करने की बजाय एफआईआर दर्ज करने के निर्देश देने चाहिए थे। संजय राउत ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सीएम को एसआईटी गठित करने का आदेश देने के बजाय विधायक अर्जुन खोटकर के पीए किशोर पाटिल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश देने चाहिए थे। खोटकर, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के विधायक हैं। संजय राउत ने ये भी मांग की कि मामले की जांच के लिए बनी एसआईटी के लिए एक समयसीमा भी तय की जानी चाहिए। विपक्ष का दावा है कि गेस्ट हाउस के कमरे से पांच करोड़ रुपये बरादम हुए हैं। शिवसेना यूबीटी नेता ने कहा कि अगर खोटकर का कहना है कि उनकी छवि को बदनाम करने के लिए यह पूरी घटना प्लान की गई तो फिर किशोर पाटिल को विधान परिषद अध्यक्ष राम शिंदे ने निलंबित क्यों किया? सीएम फडणवीस को इस मामले को जांच के लिए ईडी को सौंपना चाहिए। महाराष्ट्र के धुले जिले के सरकारी गेस्ट हाउस से एक करोड़ 84 लाख रुपये बरामद हुए थे। यह पैसे ऐसे समय बरामद हुए, जब धुले जिले के विकास कार्यों का निरीक्षण करने विधान मंडल की आकलन समिति के 11 विधायक धुले पहुंचे हुए थे। समिति के सदस्यों को धुले के सरकारी गेस्ट हाउस में ठहराया गया था।

राहुल ने फिर जयशंकर से पूछे सवाल

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 23 मई। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर विदेश मंत्री एस. जयशंकर से ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कड़े सवाल किए। उन्होंने एक्स पर लिखा, क्या जेजे बताएंगे- भारत को पाकिस्तान के साथ क्यों जोड़ दिया गया है? पाकिस्तान की निंदा करने में एक भी देश ने हमारा साथ क्यों नहीं दिया? ट्रंप को भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने के लिए किसने कहा? भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो गई है। जवाब में भाजपा ने राहुल को निशान-ए-पाकिस्तान बताया। पार्टी ने कहा कि राहुल भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता को कमतर आंकना बंद करें और चल रहे ऑपरेशन सिंदूर के बारे में गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणी करके देश की सुरक्षा को खतरे में डालना बंद करें। राहुल ने 17 मई को एक्स पर एक वीडियो साझा किया। इसमें जयशंकर का बयान था। राहुल ने लिखा, हमारे हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को सूचित करना एक अपराध था। विदेश मंत्री ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि भारत सरकार ने ऐसा किया। 1. इसे किसने अधिकृत किया? 2. इसके परिणामस्वरूप हमारी वायुसेना ने कितने विमान खो दिए? इसके बाद 19 मई को राहुल ने फिर जयशंकर से सवाल किए। उन्होंने लिखा, विदेश मंत्री जयशंकर की चुप्पी सिर्फ बयानबाजी

नहीं है- यह निंदनीय है। इसलिए मैं फिर से पूछूंगा- हमने कितने भारतीय विमान खो दिए, क्योंकि पाकिस्तान को पता था? यह कोई चूक नहीं थी। यह एक अपराध था। और देश को सच्चाई जानने का हक है। दिल्ली में होंडुरास दूतावास के उद्घाटन के बाद 15 मई को पत्रकारों से बात हुए जयशंकर ने कहा था, यह स्पष्ट है कि कौन गोलीबारी बंद करना चाहता था। हमने आतंकवादी ढांचे को नष्ट करके जो लक्ष्य निर्धारित किए थे, उन्हें हासिल कर लिया है। चूंकि प्रमुख लक्ष्य हासिल कर लिए गए थे, इसलिए मुझे लगता है कि हमने उचित रूप से यह रुख अपनाया, क्योंकि हमने पाकिस्तान को यह संदेश भेज दिया था कि हम आतंकवादी ढांचे पर हमला कर रहे हैं, न कि सेना पर और सेना के पास यह विकल्प है कि वह खड़ी रहे और हस्तक्षेप न करे। राहुल गांधी की प्रतिक्रिया को विदेश मंत्रालय ने सिरे से खारिज कर दिया था। विदेश मंत्रालय ने राहुल के बयान को तथ्यों का पूरी तरह से गलत प्रस्तुतीकरण बताया था। विदेश मंत्रालय ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ओर से विदेश मंत्री एस जयशंकर के खिलाफ लगाए गए उन आरोपों का खंडन किया था कि सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से पहले पाकिस्तान को सूचित किया। विदेश मंत्रालय के एक्सपी डिवीजन के अनुसार, जयशंकर ने कहा था कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद शुरुआती चरण में ही पाकिस्तान को चेतावनी दे दी थी।

बांग्लादेश की सेना की नाराजगी से मो. यूनुस दे सकते हैं इस्तीफा

कौमी पत्रिका
तेजिन्दर कौर बब्बर

ढाका, 23 मई। बांग्लादेश में अचानक ऐसा क्या बदला है, जिससे देश में सियासी हलचल पैदा हो गई है? बांग्लादेश के सेना प्रमुख की तरफ से हाल ही में ऐसा क्या-क्या कहा गया, जिसे यूनुस सरकार के लिए अल्टीमेटम के तौर पर देखा जा रहा था? इसके अलावा हालिया समय में स्वायत्तता के किस मुद्दे पर यूनुस पूरी तरह से घिरते चले गए हैं, जिससे उनकी छवि पर भी असर पड़ा है? उनके और किन फैसलों को लेकर विवाद की स्थिति पैदा हुई है? बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस इस्तीफा देने पर विचार कर रहे हैं। बीबीसी की बांग्ला सेवा ने गुरुवार आधी रात को छात्रों के नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख एनहिद इस्लाम के हवाले से यह खबर दी। इसमें कहा गया कि यूनुस को लगता है कि राजनीतिक दलों के बीच सहमति नहीं बन पाने के कारण काम करना मुश्किल हो रहा है। नाहिद इस्लाम ने मीडिया समूह से कहा, हम आज सुबह से सर (यूनुस) के इस्तीफे की खबर सुन रहे हैं। इसलिए मैं उस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए सर से मिलने गया था। सर ने भी यही कहा कि वे इस बारे में सोच रहे हैं। उन्हें लगता है कि स्थिति ऐसी है कि वे काम नहीं कर सकते। गौरतलब है कि नाहिद इस्लाम अंतरिम सरकार में शुरुआत में खुद यूनुस के सलाहकार के तौर पर काम कर चुके हैं। हालांकि, इसी

साल उन्होंने यूनुस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाने का एलान कर दिया था। मोहम्मद यूनुस की तरफ से अपना पद छोड़ने की मंशा जाहिर करने की खबरों के बीच यह जानना अहम है कि आखिर बांग्लादेश में अचानक ऐसा क्या बदला है, जिससे देश में सियासी हलचल पैदा हो गई है? बांग्लादेश के सेना प्रमुख की तरफ से हाल ही में ऐसा क्या-क्या कहा गया, जिसे यूनुस सरकार के लिए अल्टीमेटम के तौर पर देखा जा रहा था? इसके अलावा हालिया समय में स्वायत्तता के किस मुद्दे पर यूनुस पूरी तरह से घिरते चले गए हैं, जिससे उनकी छवि पर भी असर पड़ा है? उनके और किन फैसलों को लेकर विवाद की स्थिति पैदा हुई है? आइये जानते हैं... बांग्लादेश में हाल के समय में सियासी और सैन्य स्तर पर काफी हलचल की स्थिति है। ताजा विवाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की तरफ से अपने विदेश सचिव को हटाने को लेकर उभरा है, जिसे महज आठ महीने पहले ही इस पद पर नियुक्त किया गया था। विदेश सचिव मोहम्मद जशीम उद्दीन, जिन्हें सितंबर 2024 में बांग्लादेश के 27वें विदेश सचिव के तौ पर नियुक्ति मिली थी, उन्होंने हाल ही में यूनुस सरकार के एक फैसले का विरोध किया था। यह फैसला था- रोहिंग्या शरणार्थियों को बांग्लादेश में सुरक्षित पनाह देने और उनके लिए मानवीय कॉरिडोर बनाए जाने का। बताया जाता है कि मोहम्मद यूनुस और उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) खलील-उर रहमान रोहिंग्याओं की मदद के लिए यह योजना लेकर आए थे।

शिवसेना यूबीटी से अच्छा प्रस्ताव मिलेगा, तभी गठबंधन पर विचार

मुंबई, 23 मई। महाराष्ट्र की राजनीति में बीते दिनों ये चर्चा जोरों पर थी कि शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी मनसे में गठबंधन हो सकता है। अगर ऐसा होता है तो महाराष्ट्र की राजनीति में व्यापक बदलाव हो सकते हैं, लेकिन समय के साथ गठबंधन की गर्मजोशी शायद काफूर हो गई है। मनसे के एक नेता के बयान से ऐसा ही लग रहा है। दरअसल मनसे के नेता संदीप देशपांडे ने गुरुवार को कहा कि राज ठाकरे तभी शिवसेना यूबीटी के साथ गठबंधन पर विचार करेंगे, जब शिवसेना यूबीटी की तरफ से कोई अच्छा और मजबूत प्रस्ताव दिया जाएगा। संदीप देशपांडे ने ये भी कहा कि उनकी पार्टी को पूर्व में कई धोखे मिले हैं, इसलिए अब बेहतर प्रस्ताव मिलने के बाद ही गठबंधन पर विचार किया जाएगा। बीते महीने राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे दोनों नेताओं ने ही गठबंधन के संकेत दिए थे और कहा था कि वे अपने मतभेद भुलाकर मराठी मानुस के हितों के लिए साथ आने को तैयार हैं। हाल ही में राज ठाकरे ने एक इंटरव्यू के दौरान भी संकेत दिए थे कि वे शिवसेना यूबीटी नेतृत्व से संभावित गठबंधन को लेकर बातचीत के लिए तैयार हैं। महाराष्ट्र में इस साल के अंत में मुंबई, ठाणे, नासिक, नागपुर और पुणे समेत कई अन्य शहरों में नगर पालिका चुनाव होने हैं।

राज्य स्तरीय महर्षि कश्यप जयंती समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

कौमी पत्रिका
सौरभ शर्मा

चंडीगढ, 23 मई। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश में एक सरकारी संस्थान का नाम महर्षि कश्यप के नाम पर रखा जाएगा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने तीर्थ स्थल कुरुक्षेत्र और कपाल मोचन में स्थापित कश्यप राजपूत धर्मशालाओं के विस्तार के लिए 21-21 लाख रुपये देने की भी घोषणा भी की। मुख्यमंत्री आज कुरुक्षेत्र ि?ले के लाडवा में %संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना% के तहत आयोजित राज्य स्तरीय महर्षि कश्यप जयंती समारोह में उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर श्री नायब सिंह सैनी ने लाडवा में एक चौंक का नाम महर्षि कश्यप के नाम पर रखने तथा लाडवा, कुरुक्षेत्र या इंद्री में कश्यप राजपूत धर्मशाला की स्थापना के लिए फिजिबिलिटी चेक करवा कर प्लॉट उपलब्ध करवाने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि समाज द्वारा रखी गई अन्य सभी मांगों की फिजिबिलिटी चेक करवाने के लिए सम्बंधित विभाग को भेजकर इन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा करवाने का कार्य किया जायेगा। महर्षि कश्यप को भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का प्रकाश स्तम्भ बताते हुए श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मुनिराज कश्यप ने ज्ञान, तप और अनुसंधान से मानव सभ्यता को नई दिशा दी। उन्होंने समाज को नई दिशा देने के लिए स्मृति ग्रंथ और

कश्यप संहिता जैसे महान ग्रंथों की रचना की। ऐसे महान ऋषि का प्रेरणादायक व्यक्तित्व हमेशा मानवता का मार्गदर्शन करता रहेगा। महर्षि कश्यप को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कश्यप समाज का इतिहास प्राचीन काल से ही गौरवशाली रहा है। इस समाज ने रामायण काल में निषाद जैसे शक्तिशाली राजा दिए। राजा निषाद ने ही भगवान श्री रामचंद्र जी को वनवास के दौरान आश्रय दिया था। आ?ादी के आंदोलन में भी इस समाज ने सराहनीय भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि इस समाज ने महर्षि कश्यप जी के आदर्शों और सिद्धांतों पर चलते हुए देश निर्माण में अहम योगदान दिया। हाल ही के ऑपरेशन सिन्दूर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस दुखद घटना के बाद संकल्प लेकर कहा था कि जिसने भी हमारे भोले भाले लोगों को मारने का काम किया है अब उनकी बची खुची जमीन को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। इसी संकल्प के तहत आतंकवाद के ठिकानों को ध्वस्त करने का काम किया गया। इस ऑपरेशन के दौरान आप जैसे वीरों के बलबूते भारत देश ने आतंकवादियों और उनका संरक्षण करने वाले पाकिस्तान को सबक सिखाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की साहसिक निर्णय क्षमता और आधुनिक तकनीक से लैस हमारी भारतीय सेना ने जो पराक्रम दिखाया है, उससे पूरी दुनिया अचंभित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र, विश्व गुरु और सांस्कृतिक महाशक्ति बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि इस कार्य में कश्यप समाज की भूमिका निर्णायक रहेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 'संत-महापुरुष सम्मान विचार प्रसार योजना' के माध्यम से समाज में महापुरुषों के संदेशों का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। महापुरुषों के समानता के सन्देश को साकार करने के लिए वर्तमान सरकार द्वारा गरीब से गरीब व्यक्ति का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है। गरीब और पिछ? वर्गों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने पिछले सा? 10 वर्षों में सबका साथ-सबका विकास-सबका प्रयास के मूल मंत्र पर चलते हुए गरीब से गरीब परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है। पिछ? वर्ग के विद्यार्थियों को शैक्षणिक सस्थानों में दाखिले में 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। साथ ही पिछ? वर्गों के लिए क्रीमी लेयर की आय सीमा को 6 लाख रुपए वार्षिक से बढाकर 8 लाख रुपए वार्षिक किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को केंद्र और उपराज्यपाल के खिलाफ दायर मामलों को वापस लेने की अनुमति दी

नई दिल्ली, 23 मई। सुप्रीम कोर्ट ने आप सरकार के कार्यकाल में केंद्र और उपराज्यपाल के खिलाफ दायर मामलों को वापस लेने की भाजपा सरकार को अनुमति दी है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली सरकार को उन सात मामलों को वापस लेने की अनुमति दे दी, जो पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने केंद्र सरकार और उपराज्यपाल के खिलाफ दायर किए थे। ये मामले राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं के नियंत्रण सहित कई मुद्दों से संबंधित थे। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति अगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेतृत्व वाली सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्य भाटी की दलीलों पर विचार करते हुए इस याचिका को मंजूरी दी। सुनवाई के दौरान एक वकील ने आप सरकार के कार्यकाल के दौरान नियोजित अधिवक्ताओं की लंबित फीस के भुगतान का मुद्दा उठाया। इस पर कानून अधिकारी ने आश्वासन दिया कि सभी लंबित फीस का भुगतान किया जाएगा। गौरतलब है कि 22 मई को पूर्ववर्ती आप सरकार द्वारा केंद्र और उपराज्यपाल के खिलाफ शीर्ष अदालत में दायर सात विवादित मामलों को वापस लेने की अनुमति मांगी गई थी। 22 मई को न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ के समक्ष आप सरकार द्वारा दायर सात विवादित मामलों को वापस लेने का अनुरोध किया गया था। भाटी ने कहा कि ये मामले एलजी की विभिन्न समितियों में अधिकारों को चुनौती देने से संबंधित हैं, जैसे कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, यमुना नदी की सफाई, और कई अधिनियमों और अध्यादेशों की वैधता को लेकर। उन्होंने कहा, ये मामले अब इस अदालत को परेशान न करें।

गाजा में मानवीय त्रासदीः 9,000 से अधिक बच्चे कुपोषण का शिकार, यूनिसेफ ने जताई चिंता

एजेंसी
संयुक्त राष्ट्र। यूनिसेफ ने चेतावनी दी है कि गाजा में इस वर्ष अब तक 9,000 से अधिक बच्चों का कुपोषण के कारण इलाज किया जा चुका है, और अगर हालात नहीं सुधरे, तो आने वाले महीनों में दसियों हजार नए मामले सामने आ सकते हैं। यूनिसेफ का कहना है कि क्षेत्र में युद्ध और हिंसा के कारण खराब स्वास्थ्य सेवा और खाद्य असुरक्षा की वजह से बच्चे और भी अधिक संकट में हैं। खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि अगर इजराइल अपना सैन्य अभियान जारी रखता है और गाजा पर लगा प्रतिबंध पूरी तरह नहीं हटाता है तो क्षेत्र गंभीर अकाल की स्थिति में प्रवेश कर सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) पहले ही कह चुका है कि लोग भूख से मरने की कगार पर नहीं, बल्कि वास्तव में मर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के फिलिस्तीनी क्षेत्रों के प्रतिनिधि नेस्टर ओवोमुहांगी के अनुसार, जहां भी देखो, लोग भूखे हैंज वे अपनी उंगलियों से मुंह की ओर इशारा करते हैं, यह जताने के लिए कि उन्हें खाने के लिए कुछ चाहिए। गाजा में 'सबसे बुरा' पहले ही शुरू हो चुका है। यूनिसेफ की प्रवक्ता टेस इंग्राम ने कहा है कि कई बच्चे पहले ही कुपोषण के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं। गाजा में इस समय ऐसे कई नवजात हैं जो गंभीर खतरे में हैं। अगर उन्हें शीघ्र पोषण सहायता नहीं मिली, तो उनके लिए हालात और भी घातक हो सकते हैं।

न्यायाधीश ने ट्रंप के शिक्षा विभाग को बंद करने के आदेश पर लगाई रोक, कर्मचारियों की बहाली का आदेश

बोस्टन। संघीय अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश पर रोक लगा दी है, जिसके तहत अमेरिकी शिक्षा विभाग को बंद करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। यूएस डिस्ट्रिक्ट जज म्योंग जॉन ने यह अंतरिम आदेश (प्रारंभिक निषेधाज्ञा) जारी करते हुए सरकार को बड़ी संख्या में निकाले गए कर्मचारियों की तत्काल बहाली का निर्देश दिया है। कोर्ट का यह फैसला मैसाचुसेट्स राज्य के सोमरविल और ईस्टहैम्पटन स्कूल जिलों, अमेरिकन फेडरेशन ऑफ टीचर्स तथा अन्य शिक्षा संगठनों द्वारा दायर याचिका के आधार पर आया है। याचिकाकर्ता समूहों का तर्क था कि ट्रंप प्रशासन द्वारा मार्च में घोषित योजनाएं दरअसल शिक्षा विभाग को गैरकानूनी रूप से बंद करने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि यह कदम संघीय कर्तव्यों की अनदेखी करता है, जिनमें विशेष शिक्षा का समर्थन, वित्तीय सहायता का वितरण और नागरिक अधिकार कानूनों का प्रवर्तन शामिल है। जज जॉन ने कहा कि शिक्षा विभाग की भूमिका कांग्रेस द्वारा निर्धारित महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की छंटनी से न केवल विभाग की दक्षता प्रभावित हुई है, बल्कि लाखों विद्यार्थियों के अधिकारों और सहायता सेवाओं को भी खतरा हुआ है। कोर्ट के इस निर्णय को ट्रंप प्रशासन के लिए कानूनी और राजनीतिक झटका माना जा रहा है।

उत्तर कोरिया का नया विध्वंसक युद्धपोत जलावतरण के समय दुर्घटनाग्रस्त

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के वायुसेना के सुदृढ़ीकरण कार्यक्रम को तगड़ा झटका लगा। एक नए विध्वंसक युद्धपोत के जलावतरण समारोह में खुशी मनाने के लिए मौजूद देश के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन 'दुर्घटना' देखते ही भड़क गए। उन्होंने कहा कि यह आपराधिक कृत्य है। इसके दोषियों को कठोर सजा मिलेगी। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के अनुसार पूर्वी बंदरगाह शहर चोंगजिन में एक नए 5,000 टन के युद्धपोत के जलावतरण समारोह में गंभीर दुर्घटना हुई। जलावतरण के समय युद्धपोत के निचले हिस्से में खराबी आ गई। इससे उसका संतुलन बिगड़ गया। इस वजह से जलावतरण विफल रहा। पूर्वी बंदरगाह शहर चोंगजिन रूस के व्लादिवोस्तोक बंदरगाह के नजदीक है। इस नए नौसैनिक विध्वंसक युद्धपोत की विफलता पर किम जोंग-उन आगबबूला हो गए। उन्होंने इस दुर्घटना को आपराधिक कृत्य कहा। किम जोन-उन ने विफलता को अनुभवहीन कमांड और परिचालन लापरवाही को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों को अगले महीने होने वाली पार्टी सेंट्रल कमेटी की पूर्ण बैठक में दोषी ठहराते हुए सजा की घोषणा की जाएगी।

राजतंत्र समर्थक राजनीतिक दल और संगठनों पर प्रतिबंध लगाने की सरकार ने दी चेतावनी

काठमांडू। नेपाल सरकार ने राजतंत्र समर्थक राजनीतिक दल और अन्य संगठनों पर प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी है। सरकार ने कहा है कि राजतंत्र समर्थक राजनीतिक दल 29 मई से प्रस्तावित अपने प्रदर्शन कार्यक्रम को संयमित रखें और कोई भी अराजक गतिविधि न होने दें। यदि पिछली बार की तरह इस बार भी प्रदर्शन के दौरान कोई भी अराजक गतिविधि हुई, तो सबसे पहले इन संगठनों पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। नेपाल सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरूंग ने नियमित पत्रकार सम्मेलन में कहा कि अराजक गतिविधि, तोड़फोड़, आगजनी जैसी घटनाएं हुई तो सरकार उन सबसे सख्ती से निपटेगी। आरपीपी ने 29 मई से राजतंत्र समर्थक दल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के नेतृत्व में 40 से अधिक संगठनों ने अनिश्चितकालीन प्रदर्शन की घोषणा की है। आरपीपी ने काठमांडू केन्द्रित इस प्रदर्शन में सहभागी होने के लिए सभी से अपील की है। हालांकि अभी तक सरकार ने इनके प्रदर्शन के लिए कोई भी स्थान उपलब्ध नहीं कराई है।

यूरेनियम संवर्धन बंद करने की शर्त पर अमेरिका से कोई समझौता नहीं : ईरानी विदेश मंत्री

एजेंसी
तेहरान । ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने सख्त लहजे में अपनी बात स्पष्ट कर दी है कि 'ईरान यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम रोकने की शर्त पर अमेरिका के साथ कोई भी परमाणु समझौता नहीं करेगा।' अराघची ने रोम में ईरानी और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडलों के बीच अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता के पांचवें दौर से पहले आईआरआईबी टीवी को दिए एक में अपनी बात रखी। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा, 'हमारे बीच अभी भी बुनियादी मतभेद हैं। अमेरिका ईरान में यूरेनियम संवर्धन में विश्वास नहीं करता है। यदि उनका यही उद्देश्य है, तो कोई समझौता नहीं होगा।' अराघची का यह बयान अमेरिकी अधिकारियों की उस ''मांग' के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि तेहरान अपनी धरती पर यूरेनियम संवर्धन को पूरी तरह से रोक दे। हालांकि उन्होंने कहा, अगर अमेरिका

चाहता है कि ईरान परमाणु हथियारों की ओर न बढ़े, तो ऐसा हो सकता है। हम भी परमाणु हथियार नहीं चाहते हैं। समाचार एजेंसी के मुताबिक, ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि 2015 में ईरान और कई अन्य देशों के बीच हुआ परमाणु समझौता अब प्रभावी नहीं है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि समझौता खत्म हो गया है। इसे औपचारिक रूप से संयुक्त व्यापक कार्य योजना के रूप में जाना जाता है और इसे पुनर्जीवित किया जा सकता है। अराघची ने इस बात पर जोर दिया कि ईरान यूरेनियम संवर्धन सहित अपने परमाणु कार्यक्रम को नहीं छोड़ेगा।ईरान और अमेरिका ने अप्रैल से तेहरान के परमाणु कार्यक्रम और अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाने पर चार दौर की अप्रत्यक्ष वार्ता की है। इन बैठकों के दौरान अमेरिकी अधिकारियों ने ईरान से उसके यूरेनियम संवर्धन गतिविधियों को पूरी तरह से बंद करने की मांग की है, जिसे ईरान ने ठुकरा दिया है।इससे पहले, व्हाइट हाउस की तरफ से आई खबर के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के साथ एक संभावित सौदे पर चर्चा की, जिसके बारे में राष्ट्रपति का मानना है कि यह सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। व्हाइट हाउस के मीडिया विभाग की सचिन लेविट ने कहा, जैसा कि राष्ट्रपति ने मुझे बताया, और उन्होंने आप सभी को बताया है, ईरान के साथ यह सौदा दो तरह से समाप्त हो सकता है। यह एक बहुत ही सकारात्मक कूटनीतिक समाधान में समाप्त हो सकता है, या यह ईरान के लिए बहुत ही नकारात्मक स्थिति में समाप्त हो सकता है। इसी वजह से वार्ता सप्ताह के अंत में हो रही है। 2018 में, अपने पहले कार्यकाल के दौरान, राष्ट्रपति ट्रंप ईरान और छह विश्व शक्तियों के बीच हुए 2015 के परमाणु समझौते से पीछे हट गए थे।

नेतन्याहू ने अदालत के आदेश को दरकिनार कर डेविड जिनी को शिन बेट प्रमुख नियुक्त किया

एजेंसी
तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मेजर जनरल डेविड जिनी को देश की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट का अगला प्रमुख नियुक्त करने की घोषणा की है। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब इजराइल के अटॉर्नी जनरल ने स्पष्ट किया था कि नेतन्याहू को नई नियुक्ति का अधिकार नहीं है।

नेतन्याहू की यह घोषणा सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के प्रतिकूल है, जिसमें सरकार द्वारा पूर्व शिन बेट प्रमुख रोनेन बार को हटाए जाने को अवैध बताया गया था। इसके बाद अटॉर्नी जनरल गली बहारव मियारा ने नेतन्याहू को चेतावनी दी थी कि वे इस संवेदनशील पद पर नई नियुक्ति नहीं कर सकते। मेजर जनरल डेविड जिनी फिलहाल इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के ट्रेनिंग कमांड और जनरल स्टाफ कोर के

प्रमुख हैं। सुरक्षा मामलों में उनका लंबा अनुभव रहा है, लेकिन उनकी नियुक्ति की वैधता पर अब गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

तिब्बत में महसूस किए गए भूकंप के झटके, तीव्रता 4.2

एजेंसी
तिब्बत । पड़ोसी देश तिब्बत में सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि इससे किसी भी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। तिब्बत में शुक्रवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। भारतीय समयानुसार भूकंप 9 बजकर 27 मिनट और 27 सेकंड पर आया था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.2 मापी गई। इसकी गहराई 20 किलोमीटर थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसकी जानकारी दी। रविवार को भी यहां भूकंप आया था। इसकी तीव्रता 3.8 थी। भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर थी। इसमें जानमाल की हानि नहीं पहुंची थी। यह भूकंप 12 मई को इसी क्षेत्र में आए 5.7 तीव्रता के भूकंप के बाद आया था।

तिब्बती पठार टेक्टोनिक प्लेट टकराव के कारण होने वाली भूकंपीय गतिविधि के लिए जाना जाता है। तिब्बत और नेपाल एक प्रमुख भूगर्भीय रेखा पर स्थित हैं, जहां भारतीय टेक्टोनिक प्लेट यूरेशियन प्लेट में ऊपर की ओर धकेलती है। यह हिमालय की चोटियों की ऊंचाई

को बदलने के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। इस गतिविधि के कारण ही तिब्बत में भूकंप आते रहते हैं।शुक्रवार को ही पड़ोसी देश नेपाल में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेपाल में गुरुवार की रात 10:30 बजे के आसपास भूकंप आया था। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 मापी गई और यह 10 किलोमीटर की गहराई पर आया था। नेपाल के अलावा इंडोनेशिया और ताजिकिस्तान में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। ताजिकिस्तान में आए भूकंप की तीव्रता 3.9 थी। वहीं, इंडोनेशिया के दक्षिणी सुमात्रा में धरती कांपी। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.9 मापी गई है। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के मुताबिक, भूकंप जमीन के 10 किलोमीटर अंदर था। भूकंप के इतने तेज झटके महसूस होने के बाद लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। फिलहाल किसी के घायल होने या जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

यमन से इजराइल पर दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल, तेल अवीव में बजे सायरन

एजेंसी
तेल अवीव। यमन से आज सुबह इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई। इजराइल ने इस बैलिस्टिक मिसाइल को मार गिराने का दावा किया है। इस दौरान राजधानी तेल अवीव, यरूशलम, यहूदिया और सामरिया में सायरन बजने शुरू हो गए। बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने के बाद समूचे मध्य इजराइल में काफी समय सन्नाटा पसरा रहा। द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार की खबर के अनुसार, इजराइली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) ने यमन से दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल को हवा में ही मार गिराया गया। मैगन डेविड एडोम एम्बुलेंस ने कहा कि उसे अभी तक किसी के घायल होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। आईडीएफ का कहना है कि हवाई सुरक्षा खतरे को रोकने के लिए काम किया जा रहा है। फिलिस्तीनी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तरी वेस्ट बैंक के ब्रुकिन गांव में रात भर उग्र लोगों ने तांडव कि जब तक इजराइली सैनिक पहुंचे, तब तक संदिग्ध भाग चुके थे।

किया है। पांच घरों और पांच वाहनों में आग लगा दी। इससे आठ लोग झुलस गए। इस गांव में उस आतंकवादी नाएल समारा का घर है जिसने पिछले हफ्ते गर्भवती महिला तजीला गेज की प्रसव पीड़ा के दौरान अस्पताल ले जाते समय रास्ते में हत्या कर दी थी। आईडीएफ के बयान में कहा गया है आईडीएफ ने कहा कि तजीला गेज की हत्या करने वाले आतंकवादी के दो कथित साथियों के घरों को तबाह कर दिया गया है। आतंकवादी के दो साथियों की पहचान माहेर समाराह और जाबिल समाराह के रूप में की गई है। आईडीएफ ने पुष्टि की कि नाएल समारा को मार गिराया गया है।

पाकिस्तानी सेना फिर बेनकाब, बोल रही आतंकी हाफिज सईद की ही जुबान, सिंधु जल समझौते पर दिया विवादित बयान

एजेंसी
इस्लामाबाद । पाकिस्तानी सेना ने एक बार फिर जाहिर कर दिया है कि वो आतंकियों की बोली बोलती है। सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने लश्कर ए तैयबा (एलईटी) के आतंकी हाफिज सईद की ही तरह सिंधु जल समझौते को लेकर भारत के खिलाफ जहर उगला है। चौधरी ने एक सार्वजनिक सभा में सिंधु जल संधि स्थगित करने के फैसले पर चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि यदि आप हमारा पानी रोकेंगे, तो हम आपकी सांसें रोक देंगे। ये अंदाज और बोल ठीक वैसे ही हैं जैसे हाफिज सईद ने हाल ही में उगले थे। शरीफ चौधरी सिंधु जल संधि को तब तक स्थगित रखने के भारत के फैसले पर बोल रहे थे। दरअसल, भारत पहले ही कह चुका है कि जब तक इस्लामाबाद आतंकवाद को समाप्त नहीं कर देता और अपनी धरती से उत्पन्न होने वाले आतंकवादी समूहों को सहायता, वित्त पोषण और समर्थन बंद नहीं कर देता, तब तक सिंधु जल संधि स्थगित ही रहेगी। चौधरी ने कथित तौर पर पाकिस्तान के एक विश्वविद्यालय में भाषण के दौरान यह टिप्पणी की। उनका बयान लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद द्वारा इस्तेमाल की गई बयानबाजी से हूबहू मेल खाता है। सईद 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों का मास्टरमाइंड है। वह भारत और अमेरिका के खिलाफ अपने भड़काऊ भाषणों के लिए जाना जाता है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में हाफिज सईद को यही शब्द कहते हुए सुना जा सकता है। ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब भारत ने 23 अप्रैल को सिंधु जल संधि के कुछ हिस्सों को निलंबित कर दिया था। यह संधि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के एक दिन बाद की है जिसमें 26 लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। 1960 में हस्ताक्षरित और विश्व बैंक द्वारा मध्यस्थता की गई यह संधि सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के जल के बंटवारे को दोनों देशों के बीच नियंत्रित करती है। इस बीच, नई दिल्ली ने बार-बार कहा है कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते; बातचीत और आतंक एक साथ नहीं चल सकते, जो सीमा पार आतंकवाद के लिए पाकिस्तान के कथित समर्थन पर सख्त रुख का संकेत देता है। निलंबन इस्लामाबाद के खिलाफ उठाए गए जवाबी उपायों का एक हिस्सा था, जिसमें 7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' भी शामिल था, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था।

भारत के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि पाकिस्तान के साथ भविष्य की कोई भी बातचीत केवल जम्मू और कश्मीर में अवैध रूप से कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र को खाली करने पर केंद्रित होगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दृढ़ता से कहा कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं हो सकते, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत केवल वांछित आतंकवादियों के प्रत्यर्पण पर चर्चा को तैयार है, जिन्हें पहले से ही सूचीबद्ध किया गया है और इस्लामाबाद के साथ साझा किया गया है। कश्मीर मुद्दे पर भारत के रुख को स्पष्ट करते हुए, जायसवाल ने रेखांकित किया, कोई भी द्विपक्षीय चर्चा केवल पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करने पर होगी।

ईरान का अमेरिका को कड़ा संदेश, न्यूक्लियर ठिकानों पर इजरायली हमले के लिए अमेरिका होगा जिम्मेदार

एजेंसी
तेहरान। ईरान ने चेतावनी दी है कि यदि उसके परमाणु ठिकानों पर इजराइल हमला करता है, तो वह अमेरिका को इसके लिए पूरी तरह जिम्मेदार ठहराएगा। यह सख्त बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच ईरानी परमाणु कार्यक्रम को लेकर बेहद अहम पांचवें दौर की बातचीत होने वाली है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने संयुक्त राष्ट्र को भेजे पत्र में कहा, ईरान ज़ायोनिस्ट शासन (इजराइल) की किसी भी दुस्साहसी कार्रवाई के खिलाफ सख्त चेतावनी देता है और किसी भी अवैध या उकसाने वाले कदम का निर्णायक जवाब देगा।

अमेरिकी मीडिया में हाल ही में आई रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका की खुफिया एजेंसियों को पता चला है कि इजराइल, बातचीत विफल होने की स्थिति में, अमेरिका की सहमति हो या न हो, ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करने की योजना बना रहा है। वैसे इजरायल पहले भी कई मौकों पर सार्वजनिक रूप से कह चुका है कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को किसी भी कीमत पर रोकने के लिए सैन्य कार्रवाई कर सकता है।इस रिपोर्ट के मद्देनजर ही अरागची ने कहा कि तेहरान अमेरिका को ऐसे किसी भी हमले में सहभागी मानेगा, और अपनी परमाणु सामग्री और ठिकानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष कदम उठाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इन उपायों की जानकारी संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए को बाद में दी जाएगी।

कान्स फिल्म फेस्टिवल में एक बार फिर छाईं ऐश्वर्या राय, नए लुक ने खींचा सबका ध्यान

एजेंसी
कान्स । कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में ऐश्वर्या राय बच्चन ने एक बार फिर अपने अनोखे और सांस्कृतिक अंदाज़ से सबका ध्यान खींचा। पहले दिन उन्होंने सफेद साड़ी और मांग में सिंदूर लगाकर भारतीय पारंपरिकता को गर्व से प्रस्तुत किया। लेकिन असली चर्चा का विषय बना उनका दूसरा दिन, जब उन्होंने एक शानदार गाउन पहना, जिस पर भगवद गीता का एक श्लोक उकेरा गया था। ऐश्वर्या की ड्रेस को लेकर चर्चाकान्स फिल्म फेस्टिवल में ऐश्वर्या राय बच्चन जब अपने शानदार अंदाज़ में पहुंचीं, तो अगले ही दिन उनके आउटफिट डिज़ाइनर गौरव गुप्ता ने सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट साझा की। इस पोस्ट में उन्होंने ऐश्वर्या की ड्रेस के पीछे की सोच और डिज़ाइन की बारीकियों का

ज़िक्र किया। खास बात यह रही कि ऐश्वर्या के गाउन पर भगवद गीता का एक प्रेरणादायक श्लोक उकेरा गया था। श्लोक के ज़रिए न सिर्फ़ आध्यात्मिकता और भारतीय दर्शन को सम्मान मिला, बल्कि ऐश्वर्या ने एक बार फिर ग्लोबल मंच पर भारतीय संस्कृति की गरिमा को बखूबी पेश किया। उनके इस पारंपरिक मॉडर्न लुक ने यह साफ़ कर दिया कि फैशन और संस्कृति एक साथ कैसे आगे बढ़ सकते हैं। ऐश्वर्या राय बच्चन ने एक बार फिर अपनी शाही मौजूदगी से सभी का ध्यान खींच लिया। वह गौरव गुप्ता द्वारा डिज़ाइन की गई खास कस्टम कॉउचर ड्रेस में नज़र आईं, जिसे हेरिस ऑफ क्लैम थीम पर तैयार किया गया था। इस खास आउटफिट की सबसे आकर्षक बात थी उसका ब्रोकेड केप, जिस पर बारीकी से सोने और चांदी के धागों से कढ़ाई की गई थी, जो पारंपरिक भारतीय शिल्पकला का शानदार उदाहरण पेश करता है। इस मौके पर ऐश्वर्या के साथ उनकी बेटी आराध्या बच्चन भी मौजूद रहीं, जिन्होंने अपनी मां के इस खास लम्हे को और भी खास बना दिया। कुल मिलाकर, ऐश्वर्या ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सिर्फ एक अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि भारतीय सौंदर्य और परंपरा की ग्लोबल एंबेसडर भी हैं।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने फ्रांस के साथ वैश्विक व्यवस्था बनाए रखने की अपील की

एजेंसी
बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ टेलीफोन पर बातचीत में कहा कि चीन और फ्रांस को अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने, वैश्विक विकास को प्रोत्साहित करने और बहुपक्षीय सहयोग को दिशा देने वाली भरोसेमंद शक्तियों के रूप में काम करना चाहिए।शी ने संयुक्त राष्ट्र की सर्वोच्चता और स्थिति की संयुक्त रूप से रक्षा करने, अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों और वैश्विक आर्थिक व्यवस्था को बनाए रखने तथा सच्चे बहुपक्षवाद को अपनाने की अपील की। उन्होंने याद दिलाया कि मई 2024 में अपनी फ्रांस यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने चीन-फ्रांस संबंधों की उस भावना को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया था, जो स्वतंत्रता, पारस्परिक समझ, रणनीतिक दृष्टिकोण और 'विन-विन' सहयोग पर आधारित है। शी ने कहा कि तब से लेकर अब तक द्विपक्षीय सहयोग में कई नए आयाम जुड़े हैं। राष्ट्रपति शी ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक संवाद को और गहन करने और पारंपरिक क्षेत्रों जैसे निवेश, एयरोस्पेस और परमाणु ऊर्जा में सहयोग को गहरा करने के साथ-साथ डिजिटल अर्थव्यवस्था, हरित विकास, जैव चिकित्सा और वरिष्ठ नागरिकों की अर्थव्यवस्था जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने जन-संपर्क और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की भी वकालत की, जिससे दोनों देशों के लोगों के बीच मित्रता और समझ और मजबूत हो सके। शी जिनपिंग ने कहा कि इस वर्ष द्वितीय विश्व युद्ध में विजय और संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की 80वीं वर्षगांठ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देश (संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य होने के नाते) द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के निर्माता और संरक्षक हैं। ऐसे में दोनों देशों को वैश्विक एकजुटता और सहयोग को मजबूत करना चाहिए। शी ने कहा, जितनी जटिल अंतरराष्ट्रीय स्थिति होती जा रही है, उतनी ही अधिक आवश्यकता है कि चीन और फ्रांस सही रणनीतिक विकल्प अपनाएं।राष्ट्रपति शी ने कहा कि चीन हमेशा से यूरोप को बहुध्रुवीय विश्व में एक स्वतंत्र ध्रुव के रूप में देखता है और यूरोपीय संघ की रणनीतिक स्वायत्तता बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय मामलों में उसकी अधिक सक्रिय भूमिका का समर्थन करता है।

नेतन्याहू का तीखा हमलाः फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा के नेता इतिहास के गलत पक्ष पर हैं

एजेंसी
जेरूसलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक वीडियो बयान में फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा के नेताओं पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि वे इतिहास, न्याय और मानवता के गलत पक्ष पर खड़े हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब इन देशों ने गाजा में तुरंत युद्धविराम की मांग की है और इजराइल पर संभावित प्रतिबंधों की चेतावनी दी है। नेतन्याहू ने वाशिंगटन में हुई एक भीषण गोलीबारी की घटना का हवाला देते हुए बताया कि एक निर्दयी आतंकवादी ने एक यहूदी जोड़े यारोन लिशिंस्की और सारा मिलग्रम की हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि यह आतंकवादी सिर्फ इसलिए मार रहा था

हार्वर्ड विवि में अब नहीं पढ़ सकेंगे विदेशी छात्र, ट्रंप प्रशासन ने प्रवेश देने का अधिकार छीना

एजेंसी
वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के बाहर के देशों के युवाओं का अब उच्च शिक्षा के लिए हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ने का सपना पूरा नहीं हो पाएगा। कुछ समय से चल रहे टकराव के बाद आखिरकार ट्रंप प्रशासन ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय छात्रों को दाखिला देने की पात्रता को रद्द कर दिया। इससे अमेरिका का सबसे पुराना यह शिक्षण संस्थान सकते में है। सीएनएन चैनल की खबर के अनुसार, हार्वर्ड विश्वविद्यालय को ट्रंप प्रशासन की नीतिगत मांगों के आगे झुकने से इनकार करने की कड़ी सजा मिली है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने बयान में कहा, हार्वर्ड अब विदेशी छात्रों को दाखिला नहीं दे सकता है और मौजूदा विदेशी छात्रों को स्थानांतरित होना होगा या अपनी कानूनी स्थिति खोनी होगी। गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने अपने विभाग को हार्वर्ड विश्वविद्यालय के छात्र और विनिमय आगंतुक कार्यक्रम प्रमाणन को समाप्त करने का आदेश दिया है। दरअसल गृह सुरक्षा विभाग ने पिछले महीने हार्वर्ड से अनुरोध कर विदेशी छात्रों के आचरण का रिकॉर्ड तलब किया था। हार्वर्ड ने यह रिकार्ड विभाग को सौंपने से इनकार कर दिया था। ट्रंप प्रशासन के फैसले पर यहां के प्रोफेसर्स ने कहा कि हार्वर्ड इस समय अपनी वैचारिक स्वायत्तता के लिए प्रशासन से सीधी लड़ाई लड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि विदेशी छात्रों के बड़े पैमाने पर पलायन से संस्थान की शैक्षणिक क्षमता को नुकसान पहुंचने का खतरा है। व्हाइट हाउस ने ट्रंप प्रशासन के फैसले का बचाव करते हुए कहा, विदेशी छात्रों का नामांकन एक विशेषाधिकार है। वह अधिकार नहीं है। साथ ही हार्वर्ड अपनी महानता खो

चुका है। परिसर अमेरिका विरोधी, यहूदी विरोधी और आतंकवाद समर्थक आंदोलनकारियों का अड्डा बन गया है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता अबीगैल जैक्सन ने बयान में कहा, हार्वर्ड देश के छात्रों पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाली गतिविधियों को बंद नहीं करा पाया है। अब उसे इस ढिलाई की कीमत तो चुकानी ही होगी। उल्लेखनीय है कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय और ट्रंप प्रशासन के अधिकारी महीनों से टकराव में उलझे हुए हैं। प्रशासन ने विश्वविद्यालय से कई बार कहा कि वह कैंपस प्रोग्रामिंग, नीतियों, भर्ती और प्रवेश प्रक्रिया में बदलाव करे, जिससे कैंपस में यहूदी विरोधी भावना को जड़ से खत्म किया जा सके।प्रशासन का दावा है कि इजराइल-हमास युद्ध पर परिसर में विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला थम नहीं सका है। विश्वविद्यालय के नेतृत्व का तर्क है कि उसके छात्रों और कर्मचारियों के दृष्टिकोण का मूल्यांकन संघीय सरकार की भूमिका से बहुत आगे हैं। हार्वर्ड के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन कोई नहीं कर सकता। हार्वर्ड अपनी अकादमिक स्वतंत्रता की रक्षा हर हाल में करेगा। हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने ट्रंप प्रशासन की तीखी आलोचना की है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता जेसन न्यूटन ने इस फैसले को गैरकानूनी बताया। उन्होंने बयान में कहा कि विश्वविद्यालय 140 से अधिक देशों से आने वाले छात्रों और विद्वानों की मेजबानी करने के लिए प्रतिबद्ध है। ट्रंप प्रशासन की प्रतिशोधात्मक कार्रवाई हार्वर्ड समुदाय और अमेरिका को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। उन्होंने कहा कि इस समय विश्वविद्यालय में 9,970 विदेशी छात्र पढ़ रहे हैं। 2024-25 शैक्षणिक वर्ष में 6,793 अंतरराष्ट्रीय छात्रों का नामांकन हुआ है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का नागरिक अभिनंदन समारोह 25 मई को

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का नागरिक अभिनंदन समारोह 25 मई को रांची के डंगरा टोली स्थित स्वर्ण भूमि बैंक्वेट हॉल में आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम शाम 5 बजे से शुरू होगा। राजस्थान फाउंडेशन, रांची चैप्टर की ओर से इसका आयोजन किया जा रहा है। दरअसल, लोकसभा अध्यक्ष 25 मई को जमशेदपुर में चैंबर ऑफ कॉमर्स के 75वें वर्षगांठ समारोह में भी शामिल होंगे। इसके बाद वे रांची आएंगे, जहां उनका नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। 26 मई को वे दिल्ली के लिए रवाना होंगे। राजस्थान फाउंडेशन के अध्यक्ष अजय मारू और संयोजक मुकेश काबरा ने रांची के लोगों से आग्रह किया है कि वे 25 मई को शाम 5 बजे स्वर्ण भूमि सभागार में आयोजित स्वागत अभिनंदन समारोह में पहुंचकर इस ऐतिहासिक क्षण को स्मरणीय बनाएं।

गृह मंत्री शाह ने यमुना सफाई की समीक्षा की, दिल्ली में सीवेज प्रणाली में सुधार के दिए निर्देश

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 32 रियल-टाइम जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों की स्थापना की प्रगति की समीक्षा के बाद कहा कि यमुना सिर्फ एक नदी नहीं है, बल्कि हमारे लिए आस्था का प्रतीक भी है और इसीलिए इसकी सफाई प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्राथमिकता है। एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए गृह मंत्री शाह ने यमुना की सफाई, पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा दिल्ली में सीवेज प्रणाली में सुधार के निर्देश दिए। एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि 10 जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशन स्थापित किए जाएंगे, जबकि शेष 22 स्टेशन नदी में गिरने वाले प्रमुख नालों में जल गुणवत्ता की निगरानी करेंगे। नदी के लिए जल निगरानी स्टेशन स्थलों में ओखला बैराज, आईटीओ ब्रिज, पल्ला, आईएसबीटी ब्रिज और निजामुद्दीन ब्रिज शामिल होंगे। गृह मंत्री शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक में केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय गृह सचिव, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय के सचिव, दिल्ली के मुख्य सचिव और केंद्र तथा दिल्ली सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

सुप्रीम कोर्ट से जमानत के बाद सोनीपत जेल से रिहा हुए प्रोफेसर अली

नई दिल्ली /सोनीपत। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विवादित पोस्ट डालकर सुर्खियों में आए अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान सोनीपत जेल से बाहर आ गए। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी जमानत मंजूर की थी। जेल से बाहर आने के बाद प्रो. खान ने मीडिया से किसी तरह की बात नहीं की। गुरुवार की शाम अचानक जेल के बाहर चहल-पहल बढ़ गई और आरोपित अली खान को रिहा कर दियागया। उनके वकील कोर्ट से जारी जमानत आदेश के दस्तावेज लेकर जेल पहंचे तो 56 मिनट के बाद प्रोफेसर अली खान जेल से बाहर निकले और यूपी नंबर की ब्रेजा गाड़ी में बैठाकर तुरंत रवाना हो गए। जेल गेट से निकलते ही गाड़ी इतनी तेज़ रफ्तार में थी कि उनकी कार एक दोपहिया वाहन से टक्कर लग गई। गनीमत यह रही कि स्कूटी सवार महिला को कोई गंभीर चोट नहीं आई। प्रोफेसर अली के वकील ने कोर्ट में यह दलील दी कि उनकी टिप्पणी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में आती है। कई मानवाधिकार संगठनों और शिक्षाविदों ने भी अली के समर्थन में आवाज़ उठाई। अंततः सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका को स्वीकारते हुए यह स्पष्ट किया कि गिरफ्तारी उचित नहीं थी और उन्हें सशर्त जमानत दे दी गई।

केंद्र सरकार ने सरकारी आवास परियोजनाओं में दिव्यांगजनों के लिए 4 फीसदी आरक्षण की घोषणा की

नई दिल्ली। आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने समावेशी शासन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए केंद्र सरकार के आवास योजना में दिव्यांगजनों के लिए 4 फीसदी आरक्षण की घोषणा की है। यह पहल दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप है और इसका उद्देश्य सार्वजनिक सेवाओं में समानता, सम्मान और पहुंच सुनिश्चित करना है।मंत्रालय की ओर से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्र सरकार के आवास के आवंटन में विकलांग व्यक्तियों को 4 प्रतिशत का आरक्षण प्रदान किया जाएगा, जो सार्वजनिक सेवाओं में समानता, सम्मान और पहुंच की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। यह निर्णय दिव्यांगजनों के लिए न केवल आवासीय सुविधाओं तक पहुंच को आसान बनाएगा, बल्कि उनके जीवन स्तर को बेहतर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मदरसों की असेंबली में ऑपरेशन सिंदूर की दी जाएगी जानकारी

देहरादून। उत्तराखंड के मदरसों की असेंबली में ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी जाएगी। इस विषय को पढ़ाने की व्यवस्था भी नए शैक्षणिक सत्र में होगी। यह कहना है उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी का। उन्होंने कहा कि राज्य में उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड से 450 मदरसे पंजीकृत हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर यूएई में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने किया नेतृत्व और मीडिया से संवाद

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के कूटनीतिक संवाद के तहत शिवसेना सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में वहां के नेतृत्व और मीडिया से संवाद किया। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' की महत्ता पर प्रकाश डाला और सीमा-पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की मजबूत नीति को स्पष्ट किया। प्रतिनिधिमंडल आज अबूधाबी पहुंचा। यूएई प्रतिनिधिमंडल के चार देशों की यात्रा का पहला पड़ाव रहा। यूएई स्थित भारतीय दूतावास ने इस संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी की। इसके अनुसार, प्रतिनिधिमंडल ने यूएई के नेतृत्व और मीडिया के साथ मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में शिंदे के अलावा सांसद बांसुरी स्वराज, मोहम्मद बशीर, अतुल गर्ग, सस्मित पात्र, मनन कुमार मिश्रा, सुरेंद्रजीत

सिंह अहलूवालिया और पूर्व राजदूत सुजन चिनॉय शामिल हैं।प्रतिनिधिमंडल ने यूएई के सहिष्णुता और सह-अस्तित्व मंत्री शेख नहयान मबारक अल नहयान से मुलाकात की। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले पर गहरी संवेदना प्रकट की। बैठक में प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि पाकिस्तान भारत में आतंकवाद प्रायोजित कर रहा है और समाज में विघटन फैलाने की साजिशें रच रहा है। वहीं नहयान मबारक ने कहा कि भारत और यूएई मिलकर आतंकवाद का सामना करेंगे। यूएई हमेशा भारत के साथ खड़ा रहेगा। इसके अलावा प्रतिनिधिमंडल ने संघीय राष्ट्रीय परिषद की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष डॉ. अली राशिद अल नुआइमी और अन्य अमीरात के अन्य सांसदों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने ऑपरेशन सिंदूर' की सटीक, संयमित और गैर-उत्तेजक प्रकृति को रेखांकित किया। वहीं नुआईमी ने कहा कि भारत और यूएई का संबंध व्यापार और संस्कृति से आगे निकलकर सुरक्षा और रणनीतिक मुद्दों तक विस्तृत है। आतंकवाद मानवता के खिलाफ है और वैश्विक समुदाय को इसपर तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

अंतिम सुनवाई के बाद भी लगे कि वक्फ कानून असंवैधानिक है तो कोर्ट इसे रद्द कर सकता है : सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में भी नए वक्फ कानून को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच के सामने केंद्र सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलीलें रखीं।सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने किसी भी तरह के अंतरिम आदेश का विरोध करते हुए दलील दी कि अगर अंतिम सुनवाई के बाद कोर्ट को लगता है कि कानून असंवैधानिक है तो कोर्ट इसे रद्द कर सकता है। लेकिन, अगर कोर्ट अंतरिम आदेश से कानून पर रोक लगाता है और इस दौरान कोई संपत्ति वक्फ को चली जाती है, तो उसे वापस पाना मुश्किल हो जाएगा, क्योंकि वक्फ अल्लाह का होता है और एक बार जो वक्फ हो गया, उसे पाना आसान नहीं होगा। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा, ÷वक्फ बनाना और वक्फ को दान देना दोनों अलग हैं। यही कारण है कि मुसलमानों के लिए 5 साल की प्रैक्टिस की जरूरत रखी गई है, ताकि वक्फ का इस्तेमाल किसी को धोखा देने के लिए न किया जाए। तुषार मेहता ने सर्वोच्च अदालत को बताया कि मान लीजिए कि मैं हिंदू हूं और मैं वक्फ के लिए दान करना चाहता हूं, तो भी वक्फ को दान दिया जा सकता है। सॉलिसिटर जनरल ने ट्राइबल एरिया का जिक्र करते हुए कहा, ट्राइबल इलाकों में वक्फ संपत्तियों के बढ़ने के मामले में कोई आम व्यक्ति वहां जमीन नहीं खरीद सकता, क्योंकि राज्य का कानून इसकी अनुमति नहीं देता। लेकिन, अगर वही व्यक्ति वक्फ करना चाहे तो वक्फ करने के बाद मुतवल्ली (ट्रस्टी या देखभाल करने वाला) जो चाहे कर सकता है। यह व्यवस्था इतनी खतरनाक है।

भारत ने तुर्की और चीन से कहा, संबंध परस्पर संवेदनशीलता और सम्मान पर आधारित

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद पाकिस्तान के साथ खड़े तुर्कीये और चीन को स्पष्ट संदेश दिया है कि संबंध परस्पर संवेदनशीलता और सम्मान पर आधारित होते हैं। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने 10 मई को चीन के विदेश मंत्री और सीमा मुद्दों पर विशेष प्रतिनिधि वांग यी से टेलीफोन पर वार्ता की। इस बातचीत के दौरान भारत ने पाकिस्तान से उत्पन्न होने वाले सीमा-पार आतंकवाद पर अपना कड़ा रुख स्पष्ट किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने वांग यी को स्पष्ट रूप से बताया कि भारत सीमा-पार आतंकवाद को किसी भी रूप में स्वीकार नहीं करता और इस संबंध में भारत का रुख पूरी तरह अडिग है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत-चीन संबंध आपसी विश्वास, संवेदनशीलता और सम्मान की नींव पर आधारित हैं और इन मूल्यों के बिना संबंधों में

प्रगति संभव नहीं है। दूसरी ओर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में एक प्रश्न के उत्तर में तुर्कीये को भी यही संदेश दिया। प्रवक्ता ने कहा, हम अपेक्षा करते हैं कि तुर्की पाकिस्तान से सीमा-पार आतंकवाद का समर्थन बंद करने और दशकों से पाले गए 'आतंकवाद पारिस्थितिकी तंत्र' के विरुद्ध विश्वसनीय और प्रमाणिक कार्रवाई करने का आग्रह करेगा। सीमापार आतंकवाद जिसे पाकिस्तान ने दशकों से अपने यहां आश्रय दिया है। जैसा कि आप जानते हैं, रिश्ते एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता के आधार पर बनते हैं।

प्रवक्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि तुर्की के 'सेलेबी' कंपनी से जुड़े मामले को भारत स्थित तुर्की दूतावास के साथ उठाया गया है। उन्होंने कहा कि इस विशेष निर्णय को 'नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो' द्वारा लिया गया है। भारत सरकार ने 15 मई 2025 को राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए 'सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' और उसकी संबद्ध कंपनियों की 'सुरक्षा मंजूरी' रद्द कर दी। यह निर्णय 'नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो' द्वारा लिया गया।

रेलवे ने पिछले 11 वर्षों में अभूतपूर्व सुधार देखे हैं : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राजस्थान के बीकानेर में एक कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे ने पिछले 11 वर्षों में अभूतपूर्व सुधार देखे हैं। इन सुधारों के तहत 34,000 किलोमीटर से अधिक नई रेल पटरियों का निर्माण किया गया है और 47,000 किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत जैसी नई जनरेशन की ट्रेनें शुरू की हैं। इसके अलावा, पुराने आईसीएफ कोच को एलएचबी कोच में बदलने का काम मिशन मोड में किया गया है और 42,000 नए एलएचबी कोच बनाए गए हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने रेलवे स्टेशनों के नवनिर्माण पर विशेष ध्यान दिया है। पिछले अगस्त में 1062 स्टेशनों की नींव रखी गई थी और अब 103 स्टेशनों का उद्घाटन

किया जा रहा है। अगले 8 महीनों में 100 और स्टेशनों का निर्माण पूरा हो जाएगा। 2027 तक 500 स्टेशनों का काम पूरा करने का लक्ष्य है। वैष्णव ने प्रधानमंत्री मोदी के प्रेरणादायी नेतृत्व की प्रशंसा की और कहा कि उनके नेतृत्व में रेलवे ने गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए एक अच्छा और सुगम साधन बन गया है।

अंतरिक्ष स्टेशन, गगनयान और चंद्र अभियानों की तैयारियों में जुटा भारतः इसरो प्रमुख

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसआरओ) के प्रमुख वी. नारायणन ने बताया कि भारत अपने पहले स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन की दिशा में तेज़ी से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह कदम देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा और भारत को वैश्विक स्तर पर अग्रणी अंतरिक्ष शक्तियों की श्रेणी में और मजबूत करेगा। कोलकाता के राममोहन मिशन में आयोजित एक कार्यक्रम के मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए नारायणन ने बताया कि देश की सुरक्षा और नागरिकों की भलाई के लिए अंतरिक्ष तकनीक का सक्रिय रूप से उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हमारे देश की समुद्री सीमा 11 हजार 500 किलोमीटर से भी अधिक है और साथ ही उत्तरी सीमा भी बेहद संवेदनशील है। इन सीमाओं की निगरानी के लिए सरकार

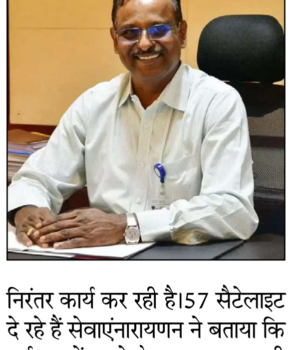

निरंतर कार्य कर रही है।57 सैटेलाइट दे रहे हैं सेवाएंनारायणन ने बताया कि वर्तमान में इसरो के 57 उपग्रह पृथ्वी की कक्षा में कार्यरत हैं, जो मौसम पूर्वानुमान से लेकर सुदूर क्षेत्रों में टेली-एजुकेशन तक विभिन्न सेवाएं दे रहे हैं। इन उपग्रहों की मदद से नागरिकों को समय पर जानकारी मिल रही है, जिससे कई क्षेत्रों में लाभ हो रहा है। 50 टन से अधिक वजनी होगा भारत का अंतरिक्ष स्टेशनइसरो प्रमुख ने बताया कि भारत द्वारा प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन का वजन 50 टन से अधिक होगा। यह परियोजना भारत की वैज्ञानिक क्षमता और वैश्विक स्पेस पावर बनने की महत्वाकांक्षा को दर्शाती है। हाल ही में पीएसएलवी-सी61/ईओएस-09 मिशन की विफलता पर नारायणन ने कहा कि यह इसरो के शानदार रिकॉर्ड में एक दुर्लभ अपवाद है और इससे भविष्य की योजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा।जल्द लांच होगा गगनयाननारायणन ने बताया कि भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' जल्द ही बिना किसी यात्री के परीक्षण उड़ान के रूप में प्रक्षेपित किया जाएगा। इसके बाद दो मानवयुक्त मिशन भी जल्द ही प्रक्षेपित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 'चंद्रयान-4' मिशन अगले ढाई वर्षों में प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य चंद्रमा से सैंपल लाना है। वहीं, 'चंद्रयान-5' मिशन जापान के साथ मिलकर संचालित किया जाएगा। इसमें 6,400 किलोग्राम वजनी लैंडर और 350 किलोग्राम का रोवर शामिल होगा, जिसकी उम्र 100 दिन होगी। इसकी तुलना में चंद्रयान-3 का लैंडर 1,600 किलोग्राम और रोवर 25 किलोग्राम का था।

PUBLIC NOTICE

This is to inform all stakeholders and the general public that Bharatage Innovations Private Limited intends to surrender its SEBI registration certificate as an Investment Adviser, bearing Registration Number: INA000018568 and BSE IA Enlistment Number: 2093 If any person or entity has any grievances or objections regarding this surrender, they are requested to lodge their complaints or grievances on the SEBI Complaints Redress System (SCORES) portal at https://scores.gov.in/ within 30 days from the date of this notice. This notice is issued in compliance with SEBI regulations governing Investment Advisers.

NAME CHANGE

I, SITABAI is legally mother of No. JC 462044N Rank-SUB Name-PATANE NITIN RAMCHANDRA, R/O VILL-HARIPUR, POST-KHANDALA, TEH-KHANDALA, DIST-SATARA, STATE-MAHARASHTRA, PIN-412802, have changed my name from SITABAI to SITABAI RAMCHANDRA PATANE and date of birth from 20/09/1962 to 01/01/1949 for all future purposes. Vide affidavit dated 22.05.2025 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that **Mrs. Neena Ratta** is in possession of Flat no. 13 (S/R), area measuring 502 Sq. ft., situated at Krishna Market, Lajpat Nagar-I, New Delhi 110024 through Relinquishment Deed dated 25.03.2022 as doc no. 1317 executed by Mrs. Kanchan Kataria, Sourabh Ratta, Mrs. Sawti Balihar in favour of Mrs. Neena Ratta in respect of said Flat.

Mrs. Neena Ratta intends to transfer the ownership of Upper Ground Floor, Front Side, without roof right, area measuring 60 Sq. Yds of above-mentioned Property by way of Sale Deed to **Mr. Sahib Singh Sethi.** Subsequently, **Mr. Sahib Singh Sethi** is in the process of mortgaging the said Unit with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 15 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 15-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 15-days period by contacting

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

NAME CHANGE

I, VAISHALI SAGAR AHER is Spouse of No NO-2808746Y Rank-NK Name-AHER SAGAR VASANT, R/O VILL - PIMPRI, POST-BHAUSAHEB NAGAR, TEH- NIPHAD, DIST NASHIK, STATE MAHARASHTRA, PIN- 422301,have changed my date of birth from 24/04/1991 to 25/04/1991 for all future purposes. Vide affidavit dated 22.05.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-GS191665W Rank-MTDVR-1 Name- SOMVEER SWAMI UNIT ADD.-HQ DGBR SEEMA SADAK BHAWAN, RING ROAD DELHI CANTT, NEW DELHI-110010, R/o AJARI KALAN JHUNJHUNUN, RAJASTHAN, 333021 have changed my daughter & son name from NISA & ABISEKH to NISHA KUMARI & ABHISHEK respectively for all future purpose. Vide affidavit dated 12.05.2025 before Sub Divisional Magistrate JHUNJHUNUN, RAJASTHAN.

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my clients namely (1) KAMTA PARSHAD S/O SHRI RAM SARAN TIWARI and (2) SHANTI DEVI W/O SHRI KAMTA PARSHAD both R/O RZ-125, GOPAL NAGAR, POST OFFICE-NAJAFGARH, DICHAON KALAN, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043, have disowned, debarred their son namely ANUJ KUMAR TIWARI S/o Shri Kamta Parshad and daughter-in-law POOJA TIWARI W/o Sh. Anuj Kumar Tiwari, both resident of RZ-125, GOPAL NAGAR, POST OFFICE- NAJAFGARH, DICHAON KALAN, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043 from all their moveable and immoveable properties because both the above named persons are out of control of my clients. My clients have severed all relations with them. Anyone dealing with them may do so at his/her/their own risks, costs and consequences.

N. K. MISHRA ADVOCATE
Seat No.35, Hall No.2
Lawyers Chamber Complex
District Courts Dwarka, Sector 10,
New Delhi-110075

NAME CHANGE

I, SUNANDABAI is legally mother of No. 2810090N Rank-HAV Name-KALBANDE VISHNU TULSHIRAM, R/ VILL- ZAKALWADI, POST-TAMSHI, TEH- WASHIM, DIST-WASHIM, STATE-MAHARASHTRA, PIN-444505, have changed my name from SUNANDABAI to SUNANDA TULSHIRAM KALBANDE and date of birth from 10/02/1967 to 01/01/1969 for all future purposes. Vide affidavit dated 22.05.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, No-15714682A Rank-HAV Name-THANGJAM ROMESH SINGH Father of YOSITA THANGJAM Presently residing at LAMDING KHUMANTHEM LEIKEI, PO-WANGJING, TEH-THOUBAL, DISTT-THOUBAL, PS-THOUBAL, MANIPUR-795148, have changed my minor daughter's name from YOSITA THANGJAM to ROSHITA THANGJAM for all future purposes vide Affidavit dated 23/05/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that **Harvinder Singh** is the owner of DDA Shop no. 224, area measuring 12.34 Sq. Meters, situated at Defence Colony Fly Over Market, New Delhi through Sale Deed dated 13.09.2022 as doc no. 55573 executed by Mrs. Suruchi Bazaz in favour of Harvinder Singh in respect of said shop.

Harvinder Singh intends to transfer the ownership of above-mentioned Shop by way of Sale Deed to **Archana.** Subsequently, **Archana** is in the process of mortgaging the said Shop with **IndusInd Bank Limited.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.

If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

NAME CHANGE

I, JASVINDER S/O AMRIK SINGH R/o WARD NO-2, SOHNA, GURGAON, HARYANA-122103, HAVE CHANGED MY NAME TO JASVINDER SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSE.

PUBLIC NOTICE

My client Chander Bose S/o Sh. Ram Chander & Jagpali W/o Sh. Chander Bose both R/o House No.300, Amra Mohalla, Dera Village, New Delhi-110074, have disowned and debarred their son Vijay Pal from their all movable, immovable properties and have ?? relation with them in future. My client and other family members shall not responsible for of Criminal Act and Deeds. our son of Civil and Criminal Act and Deeds

YUDHISTER SINGH ADVOCATE
CH.NO.521, SAKET COURTS
NEW DELHI-17

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री अनुज कुमार एवं श्री अभिषेक भाटी ग्राम खेड़ा चौगानपुर, परगना एवं तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित खाता संख्या 00011, खसरा संख्या 20 से संबंधित 372.40 वर्ग मीटर (अर्थात् 445.40 वर्ग गज) क्षेत्रफल के भूखंड के स्वामी हैं। उक्त संपत्ति के प्रारंभिक स्वामी श्री कालू एवं अन्य थे, जैसा कि वर्ष 2004ङ्क2009 की दर्ज खतौनी में वर्णित है। श्री कालू ने 14.12.2021 को एक पंजीकृत सामान्य मुख्तारनामा (GPA) के माध्यम से रक्त संबंध के आधार पर श्री सुरेंद्र सिंह को अपना विधिक अभिकर्ता नियुक्त किया था। इसके पश्चात, उक्त संपत्ति को श्री अनुज कुमार एवं श्री अभिषेक भाटी को बिक्री विलेख दिनांक 19.01.2023 के माध्यम से विक्रय कर दिया गया। अब श्री अनुज कुमार एवं श्री अभिषेक भाटी उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं निर्विवाद स्वामी हैं, जो कि किसी भी प्रकार के विवाद, बंधक, दावे, ऋण या भार से मुक्त है। वर्तमान में यह संपत्ति आरबीएल बैंक, इंदिरापुरम शाखा, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश से वित्तपोषित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **लुकमान,** पुत्र रौनक अली, निवासी-मकान संख्या 761, दुर्गा अपार्टमेंट एच.ए.3, शालीमार गार्डन साहिबाबाद, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 7/2019 धारा 279/337/304ए भा.द.स थाना नंद नगरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **लुकमान** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **लुकमान** फ़रार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **लुकमान, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 7/2019 धारा 279/337/304ए भा.द.स थाना नंद नगरी, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 15.07.2025 को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
सुश्री दीपाक्षी राणा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03
कमरा नं 19, प्रथम तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/6253/NE/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **जयतन सहगल पुत्र थिलोक चंद सहगल पता डी–3/2, डीएलएफ अंकुर विहार, लोनी, देहात, राम लीला मैदान के सामने, गाजियाबाद यूपी ने एफआईआर सं. 269/2019 सीसी नं.227/2021 धारा 354डी भा.द.स. के तहत** थानाः सराय रोहिल्ला, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **जयतन सहगल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **जयतन सहगल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर सं. 269/2019 सीसी नं.227/2021 धारा 354डी भा.द.स. के तहत** थानाः सराय रोहिल्ला, दिल्ली **के उक्त जयतन सहगल** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
मान्या
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
महिला कोर्ट (केन्द्रीय–02)
कमरा नं.273, द्वितीय तल
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/6410/N/2025

NAME CHANGE

It is for general information that I, ASHOK KUMAR SHRIVASTAVA S/O VISHWANATH PRASAD SHRIVASTAVA R/O HOUSE NO-29 B-2, KH NO-330, STREET NO-3, KESHAV NAGAR MUKTI ASHRAM, BLOCK-D, IBRAHIM PUR, MUKHMELPUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110036 declare that name of mine and my father has been wrongly written as ASHOK SHRIVASTAVA and VISHWANATH PRASAD in my Driving Licence-DL-1120170406178. The actual name of mine and my father are ASHOK KUMAR SHRIVASTAVA and VISHWANATH PRASAD SHRIVASTAVA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Taranpreet Kaur w/o Jasvinder Singh r/o B-173, Upper Ground Floor, Fateh Nagar, New Delhi-110018 have changed my minor daughter's name from HARSIMAR KAUR to HARSIMAR KAUR JAGGI for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that **Mrs. Neelam Marwah** is the owner of Upper Ground Floor, without roof right, Built-Up Property Bearing no. B-387, old no. WZ/F-246/2, Built-on Portion of Plot no. G-2, Land area measuring 100 Sq. Yds, out of Khasra no. 606., situated in the area of Village Basai Darapur, Delhi State, Colony Known as Sudershan Park Extn, New Delhi through Sale Deed dated 21.09.1966 as doc. No. executed by Mr. Om Parkash in favour of Mr. Ram Lal in respect of said property. Unfortunately, Ram Chugh died on dated 15.01.1997 and his legal heirs namely, Mrs. Neelam Marwah and Anju Malhotra relinquished their share vide Relinquishment Deed dated 22.08.2002 as per Document no. 11964 in favour of Mrs. Sheela Rani in respect of said property. Later, Unfortunately, Anju Malhotra died on 08.06.2013 and Mrs. Sheela Rani died on 06.04.2020 leaving behind Only Neelam Marwah as sole legal heir who became owner of Upper Ground Floor, without roof right of Said Property by way of Succession and Indemnity bond dated 02.09.2022 as doc. No. 2205 in the Name of Mrs. Neelam Marwah in respect said Floor.

Mrs. Neelam Marwah intends to transfer the ownership of Said Floor of above-mentioned Property by way of Sale Deed to **Sheetal Kumar & Radha Devi.** Subsequently, **Sheetal Kumar & Radha Devi** is in the process of mortgaging the said Plot with **SMFG India Home Finance Co. Ltd.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

PUBLIC NOTICE

This is for information of General Public that my client Mrs. Bharti Bhatia W/o Mr. Shyam Bhatia R/o 46, Lok Sabha Flats, West Enclave Pitampura, North West Delhi-110034. who is the owner of Property as Residential Freehold Society built up MIG Flat Bearing No. 46 on Second Floor, Situated in the layout plan of "The Lok Sabha Secretartat Co-Operative Group Housing Society Ltd." built-up Plot No.2, West Enclave, Pitampura, Delhi-34. has lost Original Allotment Letter dated 01.08.1990, Possession Letter dated 21.08.1990, Share Certificate dated 25.03.1986, Will, General Power of Attorney & Agreement to Sell dated 18.10.1999 in favour of Mrs. Bharti Bhatia, in relation to the above property. In case anybody finds the above said document and any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 15 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed that there is no claim against the said property and my client may proceed with its intended object.

RAJESH K GUPTA Advocate
F - 42, Dilshad Colony,
Delhi- 110095,
011-4587 5065
rlegaloan@gmail.com

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that **Mrs. Anjum Saifi** is the GPA Holder of Built-Up Property Bearing no. 23, Land area measuring 100 Sq. Yds, out of Khasra no. 26/9 & 26/10, situated in the area of Village Hastsal, Delhi State and Colony Known as Sainik Enclave, Block-C, Vikas Nagar, New Delhi – 110059. She is Possession of Above-Mentioned Property through Notarized GPA, ATS & WILL dated 08.09.2020 executed by Mrs. Immaman in favour of Mrs. Anjum Saifi. **Mrs. Anjum Saifi** intends to transfer the ownership of above-mentioned Property by way of Gift Deed to **Sadruddin Saifi.** Subsequently, **Sadruddin Saifi** is in the process of mortgaging the said Plot with SMFG India Home Finance Co. Ltd. Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

NAME CHANGE

I, Supriya Rajindra Kaul W/O Rohit Kakroo R/O 1440,Osimo tower 14th floor Mahagun Moderne, Noida sector 78, Uttar Pradesh 201301 Have changed my name to Supriya Kaul Kakroo for all future purposes.

जनसंवाद, सीएम विंडो और एसएमजीटी पर लंबित शिकायतों को लेकर सम्बंधित अधिकारी जवाब तलब

राजस्व विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी को डिस्पलेजर नोट जारी • सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता (सीईबीडब्लयूएस) व राजस्व विभाग के एसएमजीटी के नोडल अधिकारी से मांगा गया स्पष्टीकरण

एजेंसी

चंडीगढ़। जनसंवाद, सीएम विंडो और एसएमजीटी पर प्राप्त शिकायतों के समाधान में लापरवाही बरतने पर मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार द्वारा राजस्व विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी को डिस्पलेजर नोट जारी करने के आदेश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, राजस्व विभाग के एसएमजीटी के नोडल अधिकारी से लंबित शिकायतों के निराकरण में लापरवाही के लिए यथाशीघ्र स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने को कहा गया है। राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि मुख्यालय एवं जिला स्तर पर बड़ी संख्या में शिकायतें लंबित हैं, तथा जिला स्तर पर न तो प्रभावी निगरानी हो रही है और न ही नियमित समीक्षा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉ. साकेत कुमार ने निर्देश दिए कि राजस्व विभाग की एक पृथक समीक्षा बैठक शीघ्र आयोजित की जाएगी, जिसमें लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता (सीईबीडब्लयूएस) के स्तर पर जनसंवाद पोर्टल पर लंबित 745 मामलों को लेकर स्पष्टीकरण तलब किया गया है। वहीं, सिंचाई विभाग के अंबाला एवं यमुनानगर सर्कल के अधिकारियों को जिलों से प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध समाधान हेतु सख्त चेतावनी दी गई है। बैठक के दौरान निर्माण/मरम्मत कार्यों, जल आपूर्ति और बाढ़ नियंत्रण से संबंधित विभिन्न विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई, जिनमें नहरों, ड्रेनों, माइनरों, पुलों, जल मार्गों, सड़कों के निर्माण/मरम्मत, तालाबों की सौंदर्यीकरण योजना, गांवों के तालाबों एवं जल कार्यों हेतु जल आपूर्ति, तथा रेगुलेशन संबंधी मुद्दे शामिल रहे। डॉ. साकेत कुमार गत देर सायं सीएम विंडो, जनसंवाद और एसएमजीटी पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी श्री विवेक कालिया व राकेश संधु भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव ने विभागों के नोडल अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए की सभी विभागों को आने वाली समस्याओं पर समन्वय बनाकर तुरंत समाधान करें, ताकि नागरिकों की समस्याओं का समाधान समय पर हो सके।गत सप्ताह मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार की अध्यक्षता में सीआरआईडी एवं शहरी स्थानीय निकाय विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें लंबित शिकायतों के त्वरित समाधान और अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए थे। समीक्षा के दौरान लापरवाही बरतने पर एक अधीक्षण अभियंता के विरुद्ध कार्रवाई की गई थी, एक मामले में एफआईआर दर्ज करवाई गई थी, एक अन्य प्रकरण में सतर्कता जांच के आदेश दिए गए थे और सभी अतिरिक्त उपायुक्तों को आवश्यक दिशा-निर्देशों सहित परामर्श भी जारी किया गया था।इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए, बैठक में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग तथा राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव ने राजस्व व सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग को निर्देश दिए कि वे आमजन से जुड़ी शिकायतों का तत्काल और पूरी ईमानदारी से निपटान करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का ध्येय है कि जनता को हर हाल में तय समयावधि में सभी सुविधाएं मिले, इसमें किसी स्तर पर भी किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए।

समाधान शिविर में मौके पर सुलझ रही शिकायतें, जनता को मिल रही राहत

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के दिशा-निर्देशन में जिले में प्रभावी ढंग से समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। वीरवार को लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस रूम में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। एसडीएम अश्वनी कुमार ने नागरिकों की समस्याओं को सुनते हुए उनका त्वरित व प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिविर में 21 नागरिक शिकायत लेकर पहुंचे जिनकी समस्याओं को सुनते हुए उनका समाधान करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। एसडीएम अश्वनी कुमार द्वारा नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से सुना गया व जमीनी वास्तविकताओं को समझते हुए समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए त्वरित समाधान करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि समाधान शिविर को जनता के जीवन में बदलाव लाने का एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। न केवल समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है, बल्कि जनता का प्रशासन के बीच विश्वास भी मजबूत हो रहा है। यह एक पारदर्शी और जवाबदेह प्रणाली है जिससे जनता व प्रशासन के बीच संबंध और बेहतर हुए हैं।

तावडू में भोला सांई महा कांवड संघ सातवीं बार लाएगा महा कावड़

तावडू। शहर के मुख्यमार्ग पर स्थित एक कार्यालय में गुरूवार को भोला साईं महाकांवड संघ ने एक बैठक का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता संघ के प्रधान नमन साईं ने की। बैठक में सावन माह की महा शिव रात्री पर्व की तैयारियों पर चर्चा की गई। वहीं शहर व क्षेत्र में कावडियों में कावंड लाने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। पहली बैठक में भारी संख्या में भोलों ने भाग लिया और भारी उत्साह देखने को मिला। प्रधान नमन साईं ने बताया कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 7वीं बार भोला साईं महाकांवड संघ हरिद्वार से तावडू महाकांवड लाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष महाकांवड लाने वाले भक्तों में भारी उत्साह है और महा कांवड को विशेष रूप दिया जाएगा। जिसकी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि महाकांवड के लिए बहुत से कांवडिए साथ चलने के लिए कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि भोला साईं महाकांवड संघ में जाने के लिए बहुत से कांवडियों ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। जिसको लेकर कांवडियों में उत्साह है और गुरूवार को पहली बार तैयारियों को लेकर बैठक की गई। उन्होंने बताया कि 15 जुलाई को संघ के कांवड़िए तावडू से हरिद्वार के लिए महाकांवड लेने के लिए रवाना होंगे।

जरूरतमंद लोगों व गौ माता की सेवा से अधिक पुण्य कर्म कुछ और नहीं हो सकता: सुभाष वर्मा

नारनौल । नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल के चेयरमैन सुभाष चंद वर्मा के जन्मदिन के अवसर पर रोटरी क्लब नारनौल सिटी के तत्वावधान में रेवाडी रोड स्थित श्री गोपाल गौशाला में गौ माता के लिए हरी सब्जी की सवामणी लगाई गई। जिसमे उनके परिवार के सभी सदस्यों व क्लब सदस्यों ने अपने हाथों से गौ माता को हरी सब्जियां खिलाकर पुण्य कर्म अर्जित किया। इसके उपरांत चेयरमैन सुभाष चंद वर्मा ने पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देते हुए विद्यालय परिसर में अपने हाथों से पौधारोपण किया तथा रोटरी रसोई में अपने हाथों से भोजन सेवा करते हुए जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया। चेयरमैन सुभाष चंद वर्मा ने कहा कि अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ अथवा अन्य किसी भी विशेष अवसर पर हम सभी अपने अपने ढंग से खुशियां मनाते हैं। लेकिन खुशी के किसी भी अवसर पर जरूरतमंद लोगों व गौ माता की सेवा से अधिक पुण्य कर्म कुछ और नहीं हो सकता। उनके पुत्र विद्यालय एमडी डा. हितेश वर्मा ने बताया कि पिताजी धार्मिक प्रवृत्ति के सामाजिक व्यक्ति हैं और सेवा भाव ही उनकी पहचान है। रोटरी क्लब प्रधान विनोद चौधरी ने कहा कि रोटरी क्लब द्वारा गौ माता सवामणी की मुहिम चलाई जा रही है। जिसके तहत क्षेत्र के जागरूक नागरिक अपने विशेष दिवस पर गौ माता की सेवा में सवामणी लगा रहे हैं।

पीएम श्री रावमावि नांगल दर्गू में गुड टच व बैड टच पर जागरूकता सेमिनार आयोजित

निजामपुर। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशों के अनुपालन में महेंद्रगढ़ पुलिस की महिला पुलिस टीम द्वारा बच्चों, विशेषकर बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत, पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल दर्गू में छात्राओं को गुड टच (अच्छा स्पर्श) और बैड टच (बुरा स्पर्श) के बारे में जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया गया। इस सेमिनार में महिला निरीक्षक शारदा व उनकी टीम ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को गुड टच और बैड टच के बीच के अंतर को विस्तार से समझाया। उन्होंने महिलाओं और बालिकाओं की सहायता के लिए पुलिस विभाग द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सुविधाओं और सहायता तंत्रों के बारे में भी छात्रों को अवगत कराया। निरीक्षक शारदा ने जोर देते हुए कहा कि महिला एवं बाल अपराधों की रोकथाम के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि बालिकाओं को ऐसे अनुचित व्यवहारों का विरोध करने के लिए जागरूक किया जाए और उन्हें पुलिस से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया जाए। टीम ने छात्राओं को महिलाओं से संबंधित कानूनों, उनके कानूनी संरक्षण और अधिकारों के बारे में भी जानकारी दी।

इंद्री पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, विधायक व कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

एजेंसी

इन्द्री/ करनाल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लाडवा में आयोजित तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में शिरकत करने के उपरांत दिल्ली जाते हुए इन्द्री में सिंचाई विभाग के विश्राम गृह के नजदीक कुछ देर के लिए रूके। विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने भाजपा के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर इन्द्री में पहुंचने पर मुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मौके पर मौजूद सभी भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर हालचाल पूछा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस दौरान विधायक रामकुमार कश्यप से 23 मई को लाड़वा में आयोजित राज्य स्तरीय महर्षि कश्यप जयंती समारोह की तैयारियों को लेकर भी बातचीत की। विधायक ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त करते हुए कहा कि लाडवा में आयोजित महर्षि कश्यप जयंती समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है और इस जयंती समारोह को लेकर सभी कार्यकर्ताओं एवं लोगों में उत्साह का माहौल बना है। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि महर्षि कश्यप जयंती समारोह में हरियाणा के विभिन्न स्थानों से सर्व समाज के लोग लाखों की संख्या में पहुंचेंगे। इस मौके पर एसडीएम अशोक कुमार मुंजाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय कश्यप, राममेहर व अनिल चौहान, वरिष्ठ भाजपा नेता रघुवीर बतान, महेन्द्र सिंह पंजोखरा, अमित गोयल, राजेन्द्र मिढडा, सरपंच एसोसिएशन इन्द्री के प्रधान प्रताप सिंह, विक्रम जोगी, जोनी शर्मा, विपिन कुमार, बदरपुर के सरपंच पवन कुमार,सुखबीर सिंह, जसविन्द्र सिंह, जयपाल, सुरजभान, बालक राम, सुमित सैनी, अनुज गर्ग सहित भारी संख्या में भाजपा नेता व कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

प्रवीण अत्रे पर फिर सीएम सैनी ने जताया भरोसा, बड़ी ज़िम्मेदारी देते हुए बनाया मीडिया सचिव

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा सरकार में एक और नई एंट्री हो गई है। प्रवीण अत्रे को बड़ी जिम्मेदारी देते हुए उन्हें मीडिया सचिव नियुक्त किया है। प्रवीण अत्रे पहले लोक संपर्क विभाग के मीडिया सेक्रेटरी थे। अब बड़ी ज़िम्मेदारी देते हुए प्रवीण अत्रे को सीएम का मीडिया सेक्रेटरी बनाया।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सीएम के मीडिया सचिव पद पर प्रवीण अत्रे की नियुक्ति कर उन पर अपना पूरा भरोसा जताया है। प्रवीण अत्रे ने लोकसभा व विधानसभा चुनावों में मीडिया से सामंजस्य रख कर जिस तरह अपनी बेहतरीन कार्य प्रणाली से अपने काम की प्रमाणिकता दी थी, उससे नायब सैनी व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल दोनों इनसे खुश थे। एक बार फिर से मुख्यमंत्री के मीडिया संबंधित बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा के संगठन और मुख्यमंत्री कार्यालय ने हरियाणा में तीसरी बार ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद भाजपा ने प्रवीण अत्रे को दी जाने वाली जिम्मेदारी पर अपनी अंतिम मुहर लगाई है।

पांच ग्राम पंचायतों के पंच व सरपंच के आम चुनावों की अधिसूचना जारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा राज्य चुनाव आयुक्त श्री धनपत सिंह ने चरखी दादरी जिले की बाढ़डा खंड की ग्राम पंचायत हंसावास खुर्द एवं बाढ़डा तथा झज्जर जिले के बादली खंड की ग्राम पंचायत बादली व एम.पी. माजरा तथा फैजाबाद ग्राम पचांयतों के पंचों व सरपंचों के आमचुनाव की अधिसूचना जारी की है। हरियाणा राज्य चुनाव आयुक्त द्वारा जारी इस आशय की अधिसूचना अनुसार हरियाणा पंचायती राज अधिनियम 1994 के नियम 24 (2)(1) के तहत नामांकन पत्र रविवार व राजपत्रित अवकाश के दिनों को छोड़कर 24 मई से 30 मई, 2025 तक जमा करवाए जा सकते हैं। नामांकन पत्रों की जांच 31 मई को प्रातः 10 बजे से की जाएगी। नामांकन पत्र 2 जून तक दोपहर बाद 3 बजे तक वापिस लिए जा सकते हैं। अधिसूचना अनुसार चुनाव (मतदान) 15 जून, 2025 (रविवार) को प्रातः 8 बजे से सायं 6 बजे तक के बीच होगा। मतगणना मतदान खत्म होने के उसी दिन मतदान केंद्रों पर की जाएगी और उसी दिन चुनाव परिणाम घोषित किया जाएगा। यदि किसी मतदान केंद्र पर पुनः मतदान होगा तो 17 जून को मतदान होगा और उसी दिन चुनाव परिणाम पूर्ण होने के बाद चुनाव परिणाम घोषित किया जाएगा। अधिसूचना अनुसार अनारक्षित व पिछड़े वर्ग के पंच व सरपंच के लिए उम्मीदवार को 10वीं पास होना अनिवार्य है।

पाकिस्तान इस समय गृह युद्ध के कगार पर है, सिंध व बलूचिस्तान के लोग पाकिस्तान से अलग होना चाहते हैं - अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने पाकिस्तान द्वारा अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए अंतरराष्ट्रीय बैंकों से लगभग 41 हजार करोड़ का कर्ज लेने की तैयारी पर तंज कसते हुए कहा कि पाकिस्तान ने तो बिकना ही है। अब कौन-कौन खरीदार मैदान में है वो देखने की बात है, क्योंकि पाकिस्तान बिकने की कगार पर है। आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि पाकिस्तान में महंगाई कई गुनाह ज्यादा बढ़ गई है। रोजमर्रा की चीज जैसे आलू, आटा, दाल, चावल सब महंगा हो गया है। पाकिस्तान इस समय गृह युद्ध के कागार पर है। सिंध व बलूचिस्तान के लोग पाकिस्तान से अलग होना चाहते हैं। मुझे नहीं लगता, यह उन्हें अपने साथ रख पाएंगे। वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के बयान कि भारत और पाकिस्तान के बीच यूएई या साउथ अरब में शांति वार्ता हो सकती है, पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अब पाकिस्तान वाले क्या-क्या ख्याली पुलाव बना रहे है ये नहीं पता, क्योंकि वो अपनी एक भी बात पर अडिग नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान रोज कॉन्फ्लिक्टिंग बयान दे रहे है इसलिए उनकी बातों पर कोई जवाब नहीं दिया जा सकता।कांग्रेस ने देश भर के सदस्यों की मीटिंग बुलाई है जिसमें उन्होंने मोदी सरकार को घेरने के लिए टीम 140 बनाने का ऐलान किया है, जिस पर पलटवार करते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि कांग्रेस वालों को बहुत तकलीफ है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में देश ने इतने कम समय में काफी बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत ने पाकिस्तान के नौ उग्रवादी ठिकाने तहस-नहस किए, 100 के लगभग मारे गए, कई रन-वे तबाह किए। अब ये कांग्रेस को सहन नहीं हो रहा, ये किसी की तरह पाकिस्तान की शह पर हमारे युद्ध के नायक को नीचा दिखाना चाहते है जबकि वो लोगों के दिलों में हैं। बीएसफ ने जम्मू सीमा पर पांच पाकिस्तानी चौकियां व आतंकी लॉन्च पैड भी ख़त्म किए जिस पर मंत्री अनिल विज ने कहा कि यह बिल्कुल करेंगे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने ऐलान किया है कि हमने सीजफायर किया है, लड़ाई खत्म नहीं हुई है क्योंकि लड़ाई उस दिन खत्म होगी जिस दिन एक-एक उग्रवादी खत्म होगा। श्रम मंत्री अनिल विज ने प्रदेश में 26 अलग-अलग जगह पर श्रम कोर्ट बनाने का ऐलान किया है जिसके लिए मंजूरी भी मिल गई है। इस पर श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि मजदूरों को अपने केस लेबर कोर्ट ले जाने में दिक्कत हो रही थी। हर जिले में कोर्ट नहीं थी। उन्होंने 12 (26 हो जाएंगे) लेबर कोर्ट बनाने की प्रस्तावना भेजी थी जिसे मुख्यमंत्री जी ने स्वीकार कर लिया है। जल्दी ही इस पर हम अपना काम शुरू करेंगे।

समाधान शिविर लोगों की जन समस्याओं के समाधान का सशक्त माध्यम

समाधान शिविर लोगों की जन समस्याओं के समाधान का सशक्त माध्यम

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम के एसडीएम परमजीत चहल ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार की ओर से लगाए जा रहे समाधान शिविर आमजन की शिकायतों के समाधान का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। एसडीएम वीरवार को लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतों की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के यथाशीघ्र समाधान के निर्देश दे रहे थे। एसडीएम ने कहा कि समाधान शिविरों में प्राथमिकता के आधार पर समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों का निपटारा किया जा रहा है, ताकि लोगों को मौके पर राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के निर्देशों की अनुपालना करते हुए प्रत्येक जिला और उपमंडल स्तर पर एक छत के नीचे नागरिकों की शिकायतों के यथा शीघ्र निपटारे के उद्देश्य से समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविर में संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी मौके पर उपस्थित हैं, ऐसे में शिकायत का तत्परता से समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि आज के शिविर में प्राप्त 20 शिकायतों में से अधिकांश का निपटारा मौके पर ही कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि हर नागरिक की हर शिकायत के निदान के उद्देश्य से ही समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर सोमवार और वीरवार सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर लगाकर आमजन की शिकायतों की सुनवाई करते हुए प्रभावी रूप से समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

ट्रैफिक रोड़ सेफ्टी पार्क में छात्रों व स्टॉफ को किया जागरूक

एजेंसी

गुरुग्राम। पुलिस उपायुक्त यातायात डा. राजेश मोहन के निर्देशन में कार्य करते हुए ही सहायक पुलिस आयुक्त यातायात/मुख्यालय/हाइवे सत्यपाल यादव की देखरेख में सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा के तहत क्राउन प्लाजा स्थित हीरो पार्क में यातायात नियमों की जागरूकता पाठशाला आयोजित की गई। इस ट्रैफिक पार्क में आयोजित की गई इस यातायात पाठशाला के माध्यम से 74 छात्रो व स्टॉफ को यातायात नियमों, यातायात चिन्हों के बारे जानकारी देकर जागरूक किया तथा इस जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को यह सभी जानकारियां अपने साथियों व परिवार के सदस्यों के साथ सांझा करने के लिए भी प्रेरित किया गया, ताकि भविष्य मे होने वाली सडक़ दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। इस जागरूकता पाठशाला में उपस्थित 74 छात्रो व स्टॉफ को सडक़ सुरक्षा जीवन रक्षा की शपथ भी दिलाई गई और सडक़ हादसों में घायलों की मदद के लिए सरकार द्वारा 1.50 लाख रुपए तक कैशलैस स्कीम के बारे भी जानकारी दी गई। छात्रो व स्टॉफ को एक्सीडेंट में घायल की मदद के लिए इमरजेंसी में ष्टक्कक्र की प्रकिया बारे में जानकारी देकर जागरूक किया गया। इस प्रकार के यातायात नियमों के जागरूकता पाठशाला अभियान यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा निरंतर जारी रहेंगे।

पीएम किसान सम्मान निधि किसानों के लिए लाभकारी कदम : विश्राम कुमार मीणा

एजेंसी

नूंह। जिला उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों के आर्थिक विकास में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को लागू करते हुए लाभकारी कदम उठा रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को खेती करने के लिए आर्थिक सहायता दी जा रही है। योजना का लाभ निर्बाध रूप से जारी रहे इसके लिए सभी पंजीकृत किसान ई- केवाईसी का कार्य समय पर करवाएं ।उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने वीरवार को लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की प्रगति की समीक्षात्मक बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि अभी तक जिला के 104833 किसानों का प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि योजना के तहत रजिस्ट्रेशन हो चुका है । खंड फिरोजपुर झिरका में 17212 किसानों का पंजीकरण हुआ है। खंड नगीना में 14224 किसानों का पंजीकरण हुआ है। खंड नूंह में 27707 किसानों का पंजीकरण हुआ है तथा खंड पुनहाना में 33595 किसानों का पंजीकरण हो चुका है व खंड तावडू के 12095 किसानों का प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पंजीकरण हो चुका है। जिला उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने जिला के किसानों से आह्वान किया है कि वे अनिवार्य रूप से ई-केवाईसी का कार्य पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें। यह कार्य पीएम-किसान पोर्टल तथा संबंधित ऐप के माध्यम से निशुल्क रूप में किया जा रहा है। साथ ही कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से भी वैरिफिकेशन का कार्य किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जिला के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत सालाना 6,000 रुपये दिए जाते हैं। इसका भुगतान 2000-2000 रुपये की तीन किस्तों में किया जाता है। ये पैसा सरकार द्वारा सीधा किसानों के खाते में ट्रांसफर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा अभी तक इस योजना के तहत 19 किश्तें जारी की जा चुकी हैं। कृषि विभाग के उपनिदेशक वीरेंद्र देव आर्य का कहना है कि अगर किसान के खाते में अभी तक पीएम किसान योजना की 19 वीं किश्त का पैसा नहीं आया है।

राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्यों ने राजकीय कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय नियामतपुर मौरुंड का किया दौरा

एजेंसी

नांगल चौधरी। जिला बाल संरक्षण इकाई कार्यालय की ओर से आज राजकीय कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय नियामतपुर (मोरुंड) में बाल यौन शोषण एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य सुमन राणा और गणेश कुमार ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य सुमन राणा ने स्कूल स्टाफ के साथ विचार सांझा करते हुए कहा कि स्कूल में हर महीने पेरेंट्स मीटिंग का आयोजन किया जाना चाहिए तथा बच्चों को हर तरीके से मोटिवेट करना चाहिए। उन्होंने बच्चों की क्लासों में जाकर बच्चों को मोटिवेट करते हुए कहा कि हमें कम उम्र में विवाह नहीं करना चाहिए। कम आयु में विवाह किया जाता है तो यह संज्ञेय और गैर जमानती अपराध है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार प्रदेश भर में बच्चों को जागरूक करने के लिए बाल यौन शोषण व पॉक्सो एक्ट को लेकर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य गणेश कुमार ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बाल यौन शोषण के विरुद्ध जन जागरूकता बढ़ाना और बच्चों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने की दिशा में सार्थक पहल करना है। उन्होंने बच्चों को बच्चों को बाल यौन शोषण के विरुद्ध जागरूक रहने, गुड टच-बैड टच, अपने अधिकारों की जानकारी रखने और पॉक्सो एक्ट की उपयोगिता को समझने का संदेश दिया। बच्चों को बैड टच के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अगर कोई गलत स्पर्श करता है तो अपने अभिभावक या अध्यापकों को अवश्य बताएं। अगर किसी बच्चे को किसी भी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न होती है तो उसे चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर संपर्क करना चाहिए। इस मौके पर उन्होंने विद्यालय लाइब्रेरी, रसोई घर के अलावा साफ सफाई की सुविधाओं का निरीक्षण किया।

शहरी सहकारी बैंकों के लिए पूंजी जुटाने का रास्ता साफ, आरबीआई ने जारी किया चर्चा पत्र

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्रामीण और शहरी निम्न आय वर्ग के लिए वित्तीय सेवाओं की पहुंच में सुधार करने और सहकारी बैंकिंग क्षेत्र की विश्वसनीयता एवं प्रतिस्पर्द्धा बढ़ाने के उद्देश्य से आज प्राथमिक (शहरी) सहकारी बैंकों (यूसीबी) के लिए पूंजी जुटाने के नए अवसरों पर एक चर्चा पत्र जारी किया। आरबीआई ने बयान जारी कर बताया कि यह पहल बैंकिंग विनियमन (संशोधन) अधिनियम, 2020 में किए गए प्रावधानों को अमल में लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे सहकारी बैंकों को विशेष शेयर जारी करने, प्रीमियम पर शेयर निर्गम और अन्य नए पूंजी साधनों के माध्यम से संसाधन जुटाने की अनुमति मिल सकेगी। इस दिशा में पहल की नींव उस समय रखी गई जब आरबीआई ने पूर्व डिप्टी गवर्नर एन.एस. विश्वनाथन की अध्यक्षता में यूसीबी पर एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट में सहकारी बैंकों की वित्तीय मजबूती के लिए पूंजी जुटाने को लेकर व्यापक मार्गदर्शक सिद्धांत सुझाए थे। आरबीआई ने इन सिफारिशों के आधार पर एक आंतरिक कार्य समूह का गठन किया, जिसने व्यवहारिक पहलुओं का मूल्यांकन किया और जरूरी सुधारों पर अपनी रिपोर्ट सौंपी। आरबीआई ने 09 अक्टूबर, 2024 को विकासात्मक और विनियामक नीतियों के वक्तव्य में संकेत दिया था कि वह कार्य समूह की सिफारिशों के आधार पर एक चर्चा पत्र जारी करेगा ताकि सभी हितधारकों से राय लेकर एक ठोस नीति तैयार की जा सके।

रुपया 36 पैसे लुढ़का

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर आई तेजी और स्थानीय स्तर पर शेयर बाजार में आए भूचाल के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 36 पैसे लुढ़ककर 85.95 रुपये प्रति डॉलर रह गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 85.59 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया चार पैसे की बढ़त लेकर 85.55 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान यही इसका दिवस का उच्चतम स्तर भी रहा। वहीं, आयातकों एवं बैंकरों की डॉलर लिवाली के दबाव में 86.10 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 85.59 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 36 पैसे लुढ़ककर 85.95 रुपये प्रति डॉलर रह गया।

इस वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमानः केयरएज रिपोर्ट

मुंबई। बाजार अनुसंधान एवं परामर्श सेवा फर्म केयरएज का अनुमान है कि 31 मार्च को समाप्त पिछले वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वार्षिक आधार पर 6.8 प्रतिशत रह सकती है। इसी आधार पर रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी की वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के लिए जारी केयरएज इकोनॉमिक मीटर (सीईएम) रिपोर्ट में कहा गया है कि आलोच्य तिमाही में सीईएम में सालाना आधार पर 3.0 प्रतिशत ऊंचा रहा, जबकि तीसरी तमाही (अक्टूबर-दिसंबर, 2024) में सीईएम में 2.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी थी। इस आधार पर रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर जीडीपी की वृद्धि 6.8 प्रतिशत तथा पूरे वित्त वर्ष के जीडीपी वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह केयरएज के पहले के अनुमान से कम है। पहले इसने चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। सरकार के दूसरे अग्रिम अनुमान में चौथी तिमाही की जीडीपी वृद्धि 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। केयरएज का अनुमान है कि मार्च, 2025 की तिमाही में सकल मूल्य वर्धन (जीडीपी में से उत्पादों पर लगे शुद्ध कर को निकाल कर प्राप्त माल एवं सेवाओं का कुल मूल्य) सालाना आधार पर 6.5 प्रतिशत रह सकता है।

खाद्य तेलों में टिकाव, चावल महंगा

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों की गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर मांग सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि आवक कमजोर पड़ने से चावल महंगा हो गया वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 69 रिंगिट की गिरावट के साथ 3822 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.37 सेंट लुढ़ककर 48.46 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और पिछले स्तर पर पड़े रहे।

गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टीके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में अरहर दाल में 100 रुपये प्रति क्विंटल तक की तेजी को छोड़कर अन्य दालों में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अनाज : अनाज मंडी में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान चावल 50 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि गेहूं के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

भारत-अमेरिका ने पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते पर की प्रगति : पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण की बातचीत चल रही है। इस बातचीत में केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा है कि दोनों देश एक पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते पर पहुंचने के लिए काम कर रहे हैं। भारत ने विकास और जनसांख्यिकी के दृष्टिकोण को देखते हुए द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए अमेरिका के सामने अपने महत्व को उजागर करते हुए एक अहम भागीदार के रूप में खुद की छवि पेश की है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने गुरुवार (अमेरिकी समय) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते के लिए सचिव हॉवर्ड लुटनिक के साथ एक सकारात्मक और उपयोगी बैठक हुई। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि

दोनों देश अपने व्यवसायों और लोगों के लिए अवसरों को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत और अमेरिका 2025 की शरद ऋतु की सहमत समयसीमा से पहले टैरिफ को कम करने के लिए बीटीए के पहले चरण पर हस्ताक्षर करने के लिए काम कर रहे हैं, क्योंकि समझौते के लिए संदर्भ की शर्तें पहले ही अंतिम रूप दे दी गई हैं। इससे पहले केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा था कि अमेरिका के साथ सकारात्मक बातचीत चल रही है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने संवाददाताओं से कहा, भारत की विकास दर को देखते हुए, अगले 25-30 वर्षों में एक बड़ी, महत्वाकांक्षी, युवा आबादी वस्तुओं और सेवाओं की मांग में इजाफा करेगी। हमारा मानना है कि अमेरिका के साथ एक अच्छा समझौता करने के लिए भारत एक आकर्षक अवसर पेश करता है। अगर दोनों देश टैरिफ कम करने पर एक समझौते करते हैं, तो इससे अमेरिका और भारत के बीच व्यापार में वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय प्रधानमंत्री की हाल ही में वाशिंगटन डीसी की यात्रा के दौरान एक संयुक्त बयान में 2030 तक 500 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने हाल ही में दावा किया था कि भारत ने अमेरिकी वस्तुओं पर सभी टैरिफ हटाने की पेशकश की है, लेकिन उन्होंने साथ ही यह भी कहा था कि सफलता के बावजूद वे व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने को लेकर जल्दी में नहीं हैं।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक अब आदित्य बिड़ला कैपिटल के ऋण उत्पाद भी कराएगा उपलब्ध

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार के उपक्रम इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने देश भर में लोगों को कर्ज सुविधाएं बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र की प्रमुख वित्तीय सेवा कंपनी आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड (एबीसीएल) के साथ रणनीतिक भागीदारी की घोषणा की है जिसके तहत उसके नेटवर्क पर एबीसीएल की ऋण योजनाएं (उत्पाद) उपलब्ध होंगी। यहां जारी एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार यह भागीदारी आदित्य बिड़ला कैपिटल के विविध ऋण उत्पादों को आईपीपीबी के व्यापक नेटवर्क और डिजिटल बुनियादी ढांचे के साथ एकीकृत करती है। इसका उद्देश्य देश भर में आईपीपीबी ग्राहकों को निर्बाध ऋण पहुंच प्रदान करना है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इससे आईपीपीबी के ग्राहक आदित्य बिड़ला कैपिटल के अत्याधुनिक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से ऋण सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। इसमें ग्राहकों को ऋण की त्वरित स्वीकृति, न्यूनतम दस्तावेज और परेशानी मुक्त सुव्यवस्थित प्रक्रिया का लाभ मिलेगा। आईपीपीबी के एमडी और सीईओ आर. विश्वेश्वरन ने कहा, 'यह भागीदारी सुनिश्चित करेगी कि हमारे ग्राहकों की सरल विकल्पों के साथ सरलीकृत डिजिटल ऋण आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से ऋण तक सरल पहुंच हो। यह सहयोग हमारे इस दृष्टिकोण के अनुरूप है कि भारत में हर आम आदमी को सर्वश्रेष्ठ श्रेणी के बैंकिंग उत्पाद और सेवाएं उपलब्ध हों।' एबीसीएल के कार्यकारी निदेशक राकेश सिंह ने कहा, 'इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की व्यापक पहुंच और हमारी सरलीकृत डिजिटल ऋण आवेदन प्रक्रिया का लाभ उठाते हुए।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में आज मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 97,530 रुपये से लेकर 97,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,400 रुपये से लेकर 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 100 रुपये की कमजोरी के साथ 1 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 97,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक

रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,530 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण शेयर बाजार में बड़ी गिरावट, निवेशकों को 2.09 लाख करोड़ का घाटा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज एक बार फिर बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से शेयर बाजार लगातार गिरता चला गया। बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि सेंसेक्स इंट्रा-डे में 1,106 अंक टूट गया। इसी तरह निफ्टी ने भी इंट्रा-डे में 351 अंक का गोता लगा दिया। हालांकि कारोबार के आखिरी एक घंटे में हुई खरीदारी के सपोर्ट से ये दोनों सूचकांक निचले स्तर से कुछ हद तक रिकवरी करने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.79 प्रतिशत और निफ्टी 0.82 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, आईटी और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज दिन भर दबाव में कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, छोटे शेयरों में आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के कारण स्मॉलकैप इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 439.09 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 441.18 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.09 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,095 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,767 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,165 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 163 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,567 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,109 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,458 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 3 शेयर बढ़त के साथ और 27 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 8 शेयर हरे निशान में और 42 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 273.58 अंक की कमजोरी के साथ 81,323.05 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इस सूचकांक की गिरावट लगातार बढ़ती चली गई।

भारत को मिलिट्री हार्डवेयर और स्पेस टेक्नोलॉजी में निवेश बढ़ाने की जरूरत : रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। बदले वैश्विक परिदृश्य में भारत को मिलिट्री हार्डवेयर, स्पेस टेक्नोलॉजी, ड्रोन, एयर डिफेंस सिस्टम, विमान वाहक, स्मार्ट ग्रिड और पावर इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश बढ़ाने की जरूरत है।जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। 'मेक इन इंडिया' पहल के रणनीतिक महत्व को उजागर करते हुए ऑपरेशन सिंदूर ने भारत के एडवांस एयर वॉरफेयर, मिसाइल सिस्टम और ड्रोन टेक्नोलॉजी को प्रदर्शित किया। पीएल कैपिटल की रिपोर्ट के अनुसार, 'जैसे-जैसे वैश्विक शक्तियां दक्षिण पूर्व एशिया में अपने पदचिह्न का विस्तार कर रही हैं, वैसे-वैसे भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बढ़ने के आसार हैं।' इसके अलावा, सिंधु जल संधि के सस्पेंशन से इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी), पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट (पीएसपी) और

हाइड्रोइलेक्ट्रिक इक्विपमेंट में नए अवसर खुलने की संभावना है। पीएल कैपिटल का मानना है कि भू-राजनीतिक जटिलताएं बढ़ रही हैं और निकट भविष्य में इनके और बढ़ने की संभावना है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत के पड़ोसी क्षेत्रों में वैश्विक शक्तियों की बढ़ती भागीदारी से अलग-अलग मोर्चों पर तनाव बढ़ने, संभावित रूप से मौजूदा गठबंधनों को नया रूप देने और आर्थिक अस्थिरता को बढ़ावा देने की संभावना है। इसके अलावा, संघर्ष, आतंकवाद और क्षेत्रीय अस्थिरता के जोखिम बढ़ सकते हैं। भारत के लिए एक वैश्विक सैन्य शक्ति के रूप में उभरने को लेकर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर हालिया घटनाक्रम बड़ा और महत्वपूर्ण कदम है। 'इंडिया स्ट्रैटजी रिपोर्ट' में बताया गया है कि यह भारत के लिए बदलती भू-राजनीतिक गतिशीलता को लेकर अपनी तकनीकी उन्नति और आर्थिक विकास को तेज करने की तत्काल जरूरत को भी दिखाता है। इसके अलावा, भारतीय बाजार, जो हाल के महीनों में एफआईआई की बिक्री के कारण दबाव में थे, ने पिछले छह हफ्तों में निफ्टी पर 10 प्रतिशत रिटर्न देते हुए तेज रिकवरी की है। वित्त वर्ष 2025 के चौथी तिमाही के नतीजे अब तक उम्मीदों से बेहतर रहे हैं। साथ ही, शहरी खपत में सुधार के शुरुआती संकेत उभर रहे हैं, जिसमें आने वाली तिमाहियों में धीमा लेकिन निरंतर सुधार रहेगा।

आईटीसी का चौथी तिमाही में मुनाफा साढ़े तीन गुना से अधिक बढ़ा

एजेंसी

मुंबई। एफएमसीजी समेत विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली प्रमुख कंपनी आईटीसी लिमिटेड का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में सकल शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 5013.18 करोड़ रुपये के मुकाबले साढ़े तीन गुना से अधिक की बढ़ोतरी लेकर 19807.88 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसे 19807.88 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही के 5013.18 करोड़ रुपये से 295.1 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में उसकी कुल आय 20945.82 करोड़ रुपये से 0.33 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 21016.62 करोड़ रुपये हो गई। हालांकि इस दौरान उसके कुल व्यय में 0.93 प्रतिशत की कमी हुई और यह 14413.86 करोड़ रुपये से घटकर 14278.91 करोड़ रुपये पर आ गया।

आईटीसी ने बताया कि 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 में उसे 35052.48 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 20751.36 करोड़ रुपये के मुकाबले 68.9 प्रतिशत अधिक है। आलोच्य अवधि में उसकी कुल आय 76584.65 करोड़ रुपये से 9.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 84142.47 करोड़ रुपये हो गई। इसी तरह उसका कुल व्यय भी 50198.80 करोड़ रुपये से 14.2 प्रतिशत बढ़कर 57325.95 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

क्रिप्टो करेंसी मार्केट में जबरदस्त तेजी, बिटकॉइन ने बनाया ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया भर के स्टॉक मार्केट में आज बिकवाली का दबाव नजर आ रहा है। इसके विपरीत क्रिप्टो करेंसी मार्केट में उत्साह का माहौल बना हुआ है। इस तेजी के कारण दुनिया की सबसे बड़ी और लोकप्रिय क्रिप्टोकरंसी बिटकॉइन ने आज एक बार फिर ऑल टाइम हाई का नया रिकार्ड बनाया है। आज के कारोबार में बिटकॉइन अभी तक सर्वोच्च स्तर 1,11,861.22 डॉलर के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, भारतीय समय के मुताबिक शाम 7 बजे बिटकॉइन अपने सर्वोच्च स्तर से थोड़ा नीचे फिसल कर 4.60 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,11,361.46 डॉलर के स्तर पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चुनावी जीत के बाद से ही क्रिप्टोकरंसी मार्केट में तेजी का रुख

बन गया था। इस तेजी के कारण बिटकॉइन एक लाख डॉलर के स्तर को पार करने में सफल रहा था। हालांकि, डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ वॉर का ऐलान करने के बाद क्रिप्टोकरंसी मार्केट भी बुरी तरह से प्रभावित हुआ। इसकी वजह से बिटकॉइन गिर कर 74 हजार डॉलर के स्तर तक आ गया था। हालांकि, बाद में टैरिफ पॉलिसी पर 90 दिनों की रोक के फैसले के बाद क्रिप्टोकरंसी मार्केट में तेजी लौटने लगी थी। अब अमेरिकी अर्थव्यवस्था की चिंता, अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग में आई गिरावट और बॉन्ड यील्ड में हुई बढ़ोतरी के कारण निवेशकों ने क्रिप्टोकरंसी मार्केट में अपना निवेश बढ़ा दिया है। कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि आने वाले दिनों में रेगुलेटरी सपोर्ट और कंपनियों की खरीदारी से बिटकॉइन की कीमत में मजबूती आ सकती है, जिसके कारण ये क्रिप्टो करेंसी आने वाले दिनों में 1.25 लाख डॉलर के स्तर को भी पार कर सकती है। क्रिप्टोकरंसी मार्केट को रेगुलेटरी सपोर्ट देने यानी अमेरिका का पहला रेगुलेटरी फ्रेमवर्क बनाने के लिए इसी सप्ताह अमेरिकी सीनेट ने मतदान किया है। इसके पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी कह चुके हैं कि वो अगस्त के पहले क्रिप्टो से जुड़े नियमों को लागू करना चाहते हैं।

झारखंड की आर्थिक स्थिति और वित्तीय प्रबंधन से रू-ब-रू होगा 16वां वित्त आयोग

एजेंसी

रांची। झारखंड की आर्थिक स्थिति और वित्तीय प्रबंधन की वास्तविकता को जानने के लिए ऑडिट की प्रधान महालेखाकार की टीम को 16वें वित्त आयोग ने दिल्ली बुलाया है। प्रिंसिपल आकाउन्टेंट जनरल (पीएजी) (ऑडिट) इंदू अग्रवाल के नेतृत्व में टीम गुरुवार की शाम दिल्ली पहुंचेगी। अगले दिन शुक्रवार को यह टीम एक प्रजेंटेशन के माध्यम से आयोग की ओर से मांगी गई समेकित जानकारी उपलब्ध कराएगी। टीम में पीएजी के अलावा उनके सचिव चंपक राय और सीनियर ऑडिट ऑफिसर अजय झा शामिल हैं। 28 मई को 16वें वित्त आयोग का अध्ययन दल झारखंड आ रहा है। इससे पूर्व आयोग, राज्य की आर्थिक स्थिति और वित्तीय प्रबंधन को समझना चाह रहा है। आयोग ने झारखंड के प्रधान महालेखाकार से पिछले चार वर्ष के राज्य संसाधन

और उसमें टैक्स और नॉन टैक्स राजस्व की स्थिति पर विस्तृत जानकारी मांगी है। इसके अलावा पिछले चार साल की वर्षवार खर्च की स्थिति, एक्सपेंडीचर मैनेजमेंट सिस्टम, सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थिति और उस पर हुए खर्च का ब्योरा भी दिया जाएगा। पब्लिक मैनेजमेंट सिस्टम की स्थिति और राज्य सरकार की ओर से जो लोकल बॉडी को राशि दी गई है, यह जानकारी भी मांगी है।अधिकारियों के मुताबिक राज्य सरकार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में 30 मई को आयोग को आगामी पांच साल की मांगों को लेकर मेमोरेंडम सौंपेगी। इसमें राज्य की जरूरत और आर्थिक सहायता की जरूरत की तस्वीर पेश करेगी।

अमेरिकी ऋण में बढ़ोतरी होने की चिंता से बाजार में भूचाल

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कर और व्यय विधेयक से अमेरिका के सार्वजनिक ऋण में भारी बढ़ोतरी होने तथा ईरान और इजराइल के बीच तनाव बढ़ने की आशंका से विश्व बाजार में आई गिरावट से हतोत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से आज शेयर बाजार में भूचाल आ गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 644.64 अंक यानी 0.79 प्रतिशत का गोता लगाकर नौ कारोबारी सत्र के बाद 81 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे 80,951.99 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 203.75 अंक अर्थात 0.82 प्रतिशत की गिरावट लेकर 25 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 24609.70 अंक पर बंद हुआ। हालांकि बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में मिलाजुला रुख रहा। इससे मिडकैप 0.33 प्रतिशत उतरकर 44,638.43 अंक रह गया जबकि स्मॉलकैप 0.17 प्रतिशत बढ़कर 51,289.32 अंक हो गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4086 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2178 में गिरावट जबकि 1741 में तेजी रही वहीं 167 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में फिर तेजी का रुख, कॉमेक्स पर 3,350 डॉलर के करीब गोल्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में एक बार फिर तेजी का रुख बन गया है। शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज के कमोडिटी एक्सचेंज (कॉमेक्स) पर सोने की कीमत आज उछल कर 3,350 डॉलर प्रति औंस के काफी करीब पहुंच गई। माना जा रहा है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर बनी अनिश्चितता, डॉलर इंडेक्स की कमजोरी और बॉन्ड यील्ड में हो रही बढ़ोतरी के कारण वैश्विक बाजार में निवेशकों के बीच फिलहाल डर का माहौल बन गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई तेजी के कारण घरेलू सर्राफा बाजार और वायदा बाजार में भी सोना लगातार मजबूती की ओर बढ़ता हुआ दिखने लगा है। अप्रैल के महीने में ही सोना अंतरराष्ट्रीय बाजार में 3,500 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक पहुंच गया था, लेकिन उसके बाद इसकी कीमत में गिरावट आने लगी, जिसके कारण इस चमकीली धातु की कीमत 3,270 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक गिर गई। सोने के भाव में आई गिरावट के कारण इसकी कीमत 3,100 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच जाने की भी अटकलें लगने लगी थी। हालांकि, अब इस चमकीली धातु की कीमत में तेजी आ जाने के कारण गिरावट की अटकलें थम गई हैं।

भारत में भी मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में आज 24 कैरेट सोना 97,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 89,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट सोना 73,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह घरेलू बाजार में चांदी की कीमत भी पिछले तीन सप्ताह के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। चांदी आज एक लाख रुपये के स्तर को पार करके कारोबार कर रहा है। माना जा रहा है कि ग्लोबल मार्केट की अनिश्चितता के कारण चांदी की डिमांड में तेजी आई है, जिससे उसकी कीमत एक बार फिर एक लाख रुपये के ऊपर पहुंच गई है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि अमेरिका में बढ़ती बॉन्ड यील्ड और 20 साल के बॉन्ड ऑक्शन की फीकी डिमांड के कारण निवेशकों का रुझान गोल्ड की ओर बढ़ा है। इसके अलावा रेटिंग एजेंसी मूडीज द्वारा अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग में कटौती किए जाने के कारण भी निवेशक सेफ इन्वेस्टमेंट के रूप में सोने के प्रति अपना आकर्षण दिखा रहे हैं। कमोडिटी मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और अमेरिका-चीन व्यापार संबंधों की अनिश्चितता के कारण भी निवेशकों का रुझान सोने की ओर बढ़ा है। मयंक मोहन के अनुसार अगर ग्लोबल लेवल पर आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता बनी रही, तो सोने की कीमत में भी तेजी का रुख बना रहेगा। हालांकि, चीन और अमेरिका के बीच यदि व्यापार समझौता हो जाता है, तो सोने के भाव में एक बार फिर गिरावट आने की उम्मीद की जा सकती है।

गर्मियों के फेवरेट फ्रूट लीची को खाने से पहले जान लें इसके नुकसान

गर्मियों में मार्केट में कई तरह के फल मिलते हैं उनमें से एक है लीची. जो स्वाद में लाजवाब होती है. सबसे खास बात ये है कि ये फल केवल एक महीने के लिए ही मार्केट में आता है और लोग इसे इतना पसंद करते हैं कि जरूरत से ज्यादा खा लेते हैं. तो चलिए इस आर्टिकल में जानतें हैं कि ज्यादा लीची खाने के क्या नुकसान हो सकते हैं.

गर्मियों में आने वाले फ्रूट लीची का स्वाद बेहद शानदार होता है. इसलिए ये हर उम्र के लोगों को पसंद भी बहुत आती है. बेहतरीन टेस्ट के अलावा ये न्यूट्रिएंट्स से भी भरपूर होती है. लीची जैसे मीठे फल में विटामिन सी, पोटैशियम, कॉपर, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स समेत कई तत्व होते हैं. वैसे बड़ों के मुकाबले ये बच्चों की ज्यादा फेवरेट होती है. भारतीयों में मिथक है कि फल हर तरह से सेहत के लिए वरदान हैं पर ऐसा जरूरी नहीं है. जहां लीची के फायदे हैं तो इसके कई नुसकान भी हैं. देखा गया है कि लोग स्वाद स्वाद में ज्यादा लीची खा लेते हैं.बच्चों को तो गर्मियों का इंतजार सिर्फ लीची की वजह से ही होता है. लीची उनके फेवरेट फ्रूट्स में से एक होती है. इसलिए वो अक्सर उसे खाते वक्त भूल जाते हैं कि उन्होंने एक बार में कितनी लीची खा ली हैं. तो चलिए जानते हैं इसे ज्यादा मात्रा में खाने से नुकसान हो सकता है. हालांकि लीची में करीब 82 प्रतिशत पानी होता है जिस वजह से ये डिहाइड्रेशन की समस्या को कम करती है. लीची को हमेशा पानी में भिगोकर ही खाना चाहिए. वरना आपकी सेहत को नुकसान पहुंच सकता है.

लीची से सेहत को हो सकते हैं कई नुकसान

ज्यादा लीची खाने से बढ़ सकता है मोटापा

लीची में वैसे तो कई पोषक तत्व होते हैं जैसे फाइबर और सोडियम पर इसमें शुगर लेवल ज्यादा होता है जिस वजह से अगर इसे ज्यादा खा लिया जाए तो ये पेट की चर्बी को बढ़ाती है और फिर मोटापे का कारण बन जाती है.

एलर्जी के होने पर

अगर आपको पहले से एलर्जी है तो लीची खाने से बचें. क्योंकि ऐसे में लीची खाने से आपको त्वचा पर दाने और खुजली की समस्या हो सकती है. एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर इसे खाने के बाद स्किन में जरा भी बदलाव हो तो तुरंत इलाज करवाना चाहिए और इसे खाने से पहले विशेषज्ञ की राय जरूर लेनी चाहिए.

लो ब्लड प्रेशर वाले ज्यादा न खाएं लीची

रिपोर्ट्स के मुताबिक अगर कोई लो ब्लड प्रेशर का मरीज है तो उसे लीची खाने से परहेज करना चाहिए. ऐसे लोगों को एक्सपर्ट की सलाह पर एक दिन में सिर्फ 4-5 लीची ही खानी चाहिए. ज्यादा लीची खाने से आपका ब्लड प्रेशर कम हो सकता है.

पाचन तंत्र हो सकता है खराब

लीची के वैसे तो कई फायदे हैं पर जरूरत से ज्यादा लीची खाना आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है. अधिक मात्रा में लीची को खाने पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे कब्ज, एसिडिटी और अपच हो सकती है जिससे पाचन तंत्र कमजोर हो सकता है.

आमिर पठान के लिए दो मिनट का मौन!

वैसे पूरे मुल्क में पसर रहे इस उन्माद में क्या कभी कोई कमी आएगी? ताकि किसी भी सामाजिक या धार्मिक अल्पसंख्यक के लिए इस बात की गारंटी होगी कि वह भी इस गणतंत्र का बराबर का नागरिक है, यह मसला अब विचारणीय हो चला है। फिलवक्त इस बात की भविष्यवाणी मुश्किल जान पड़ती है! यह कह सकते हैं कि समूचे समाज को एक अजीब किस्म की जड़ता, संज्ञाहीनता ने जकड़ लिया है, गोया समूचा समाज सुन्न हो चला है।लातूर, सूबा महाराष्ट के मराठवाडा इलाके के शहर- जो अपनी ऐतिहासिक इमारतों के लिए मशहूर है- की जिन्दगी अब बदस्तूर सामान्य हो गयी होगी।

बमुश्किल दो सप्ताह पहले शहर के एक हिस्से में कुछ अधिक सरगर्मी थी, जिसकी फौरी वजह एक टेलिकॉम कम्पनी के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी द्वारा अचानक की गयी खुदकुशी थी, गौरतलब था कि इस वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने कथित तौर पर रोड रेज की एक घटना के बाद- जिसमें उसे सांप्रदायिक गालियों का शिकार होना पड़ा था- दूसरे दिन खुदकुशी की थी।हुआ यही था कि एक कारचालक जो कथित तौर पर पत्रकार था उसकी गाड़ी एक टू व्हीलर वाले से टकरा गयी। आम तौर पर जैसे होता है कारचालक उतरा और उसने उस मसले को वही %निपटाना% चाहा और दुपहिया चालक को धमकाने की कोशिश की। सड़क पर बढ़ते इस विवाद में जब उसे पता चला कि दुपहिया चालक आमिर पठान नामक शख्स है तो वह कथित तौर पर अधिक आक्रामक हो चला और उसने उसे यह तक पूछ डाला कि क्या वह %पाकिस्तानी है या कश्मीरी है%। कारचालक इतना दबंग था कि वह उस पूरे विवाद को रेकार्ड भी करता रहा और उसने दुपहिया चालक को यह कहते हुए भी धमकाया कि वह इस पूरे विवाद को इंटरनेट पर अपलोड कर देगा। टेलिकॉम कम्पनी का वह उच्च अधिकारी इस पूरे प्रसंग से इतना हताश हो चला कि डिप्रेशन में चला गया और इस बात की डर से कि उसे सड़क पर प्रताड़ित करने का विडियो आनलाइन हो जाएगा, उसने दूसरे दिन शाम को आत्महत्या की।

जाहिरा तौर पर सड़कों पर होने वाली रोजमर्रा की तमाम घटनाओं की तरह जहां लोगों की असभ्यता और दबंगई खुल कर सामने आती है , यह घटना भी भुला दी जाती लेकिन सड़क पर सांप्रदायिक गालीगलौज और प्रताड़ित करने के इस प्रसंग का एक किस्म से अप्रत्यक्ष गवाह आमिर की पत्नी बनी, जब धाराशिव के प्राइवेट बैंक में कार्यरत आमिर की पत्नी समरीन ने इस घटना के दौरान ही उसे कॉल किया था, यह बताने के लिए कि वह अगले संविधान चैक पर खड़ी है और दोनों वहीं से साथ घर चलेंगे। फोन पर इसी संभाषण के दौरान उसने एक अजनबी आवाज़ को सुना था जो उसके पति को धमका रहा था.

आमिर पठान की मृत्यु हुए दो सप्ताह हो गए है।

स पूरे प्रसंग में आखिरी बात यही सुनने को मिली थी कि समरीन ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है, जिसमें प्रताड़ित करने वाले व्यक्ति का नाम और गाड़ी नम्बर में लिखा है, मगर पुलिस ने एक तरह से बिना किसी व्यक्ति का नाम दर्ज किए रिपोर्ट दर्ज की है। उसका यह भी कहना है कि घटना को लेकर कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है कि फलां व्यक्ति के चलते मुझे आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ा और घटना का कोई गवाह भी सामने नहीं आया है।

इस बात की भविष्यवाणी करने मे कोई मुश्किल नहीं होगी कि समरीन के सामने न्याय पाने का एक बेहद लम्बा और लगभग अकेला रास्ता पड़ा है, क्या उसे न्याय मिल सकेगा?गौरतलब है कि आमिर पठान को सड़क पर सरेआम जिस प्रताड़ना से गुजरना पड़ा भारत की सड़कों की आम परिघटना हो चली है, जहां अक्सर हम यह भी सुनते हैं कि ऐसे घटना की परिणति आपसी मारपीट यहां तक कि कई बार हत्या तक पहुंचती है। आमिर के साथ उसकी धार्मिक पहचान का पहलू भी जुड़ गया।ढेर सारी रिपोर्टें प्रकाशित हुई हैं कि 21 वीं सदी की इस तीसरी दहाई में धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के लिए हिन्दोस्तां के अंदर एक सम्मान का जीवन जीना और समान नागरिक के तौर पर अपनी जिन्दगी बिताना अधिकाधिक मुश्किल हो चला है। विश्लेषकों ने इस बात को भी रेखांकित किया है कि सत्ता के उच्चपदस्थ लोग भी अपने वक्तव्यों और मौन से ऐसी कार्रवाइयों को हवा देते हैं। कुछ साल पहले सत्ता पर बैठे ऐसे ही व्यक्तियों द्वारा उन्हें कपड़ों से पहचाने जाने वाले, चार-चार शादियां करने वाले के तौर पर लांछन लगाते सुना गया था।आमिर के साथ जिस दिन यह हादसा हुआ, वह वही दौर था जब पहलगाम आतंकी हमला हो चुका था और देश भर से यह ख़बरें भी आ रही थीं कि किस तरह भारत में कश्मीरियों और मुसलमानों पर हमले की घटनाओं में उछाल आया था।

विभिन्न नागरिक अधिकार संगठनों ने ऐसी घटनाओं का बाकायदा दस्तावेजीकरण भी किया है और ऐसे मामलों की सूची तक पेश की है कि किस तरह देशभर में नफरती हमले हुए, लोगों को मारा पीटा गया, कहीं-कही हत्याएं भी हुई।एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन आफ सिविल राइटस ने अपनी रिपोर्ट में ऐसे 184 मामलों की सूची बनायी है जहां देश भर में मुस्लिमों के खिलाफ नफरती हिंसा हुई, उन्होंने 22 अप्रैल 2025 से 8 मई 2025 में मीडिया में प्रकाशित ऐसी रिपोर्टों को अपना आधार बनाया है। उनके मुताबिक ऐसी घटनाओं में 84 घटनाएं नफरती वक्तव्यों की थी, 39 हमले की घटनाएं थी, 19 घटनाओं में अल्पसंख्यकों के मकानों या दुकानों को आग के हवाले किया गया और हत्या की तीन घटनाएं थीं।हम यह भी पाते हैं कि %पहलगाम की प्रतिक्रिया% के नाम पर मुसलमानों पर ऐसे व्यक्तिगत, स्वतःस्फूर्त हमलों के अलावा, धर्मांध ताकतों ने- जो हिन्दुत्व वर्चस्ववादी संगठनों से ताल्लुक रखती हैं या उनके निर्देश पर काम करती है , उन्होंने देश भर ऐसे कारनामे किए ताकि देश का सांप्रदायिक माहौल और बिगड़ जाए, आपसी दंगे शुरू हो, गनीमत यही थी कि आम लोग उनके बहकावे में नहीं आए।

आमिर पठान की मौत की ख़बर जल्द ही भुला दी जाएगी।चिर बैरी पाकिस्तान के साथ युद्ध के अधबीच में ही समाप्त हो जाने और जिसके लिए राष्ट्रपति ट्रम्प की कथित मध्यस्थता की ख़बर से आहत प्रबुद्ध समाज के एक बड़े हिस्से के लिए लातूर की यह अदद मौत क्या मायने रखती है?

मुमकिन है कि नागरिक अधिकारों के प्रेमी चंद लोग इस मौत को लेकर अभी भी शोकमग्न हो तथा भविष्य की पीढ़ियों के लिए उसे दस्तावेजीकृत कर दें।

धाराशिव के प्राइवेट बैंक में कार्यरत समरिन को न्याय पाने की लड़ाई में नैतिक बल प्रदान कर दें।

वैसे पूरे मुल्क में पसर रहे इस उन्माद में क्या कभी कोई कमी आएगी? ताकि किसी भी सामाजिक या धार्मिक अल्पसंख्यक के लिए इस बात की गारंटी होगी कि वह भी इस गणतंत्र का बराबर का नागरिक है, यह मसला अब विचारणीय हो चला है। फिलवक्त इस बात की भविष्यवाणी मुश्किल जान पड़ती है!

यह कह सकते हैं कि समूचे समाज को एक अजीब किस्म की जड़ता, संज्ञाहीनता ने जकड़ लिया है, गोया समूचा समाज सुन्न हो चला है।

हमारे हुक्मरान अक्सर बताते रहते हैं कि यह एक नया भारत है, लेकिन क्या पूछा जा सकता है कि क्या इसी भारत का हमें इन्तज़ार था, जहां संविधान की कसमें खाकर पद संभाले लोग मुल्क के नागरिकों के एक हिस्से को घुसपैठिया कहते हैं या दीमक के तौर पर सम्बोधित करते हैं। क्या यह कहना मुनासिब होगा कि उम्मीदों का हमारा गणतंत्र रफता-रफता डर के गणतंत्र में तब्दील हो चला है।हम चाहें ना चाहें इतिहास ने हमारे कंधे पर एक बड़ी जिम्मेदारी डाली है। आईंदा किसी आमिर पठान को अपनी जान नाहक ना देनी पड़े इसलिए यही चुनौती हमारे सामने है कि हम हमारे गणतंत्र को नए सिरे से उम्मीदों के गणतंत्र में रूपांतरित करने के लिए प्रतिबद्ध हो।

संपादकीय

तब क्या होगा, हम देखेंगे...

हम देखेंगे.. लाज़िम है कि हम भी देखेंगे... मशहूर शायर फैज़ अहमद फ़ैज ने ये नज़्म साढ़े चार दशक पहले तब लिखी थी जब पाकिस्तान में जनरल जिया उल हक़ ने हुकूमत की बागडोर संभाली थी। लेकिन इस नज़्म को लोकप्रियता हासिल हुई 1986 में इकबाल बानो के ज़रिए। दरअसल, ज़िया-उल-हक़ की सरकार ने साड़ी को गैर इस्लामिक बताकर उस पर रोक लगा दी थी, जिसके विरोध में इक़बाल बानो ने सफ़ेद साड़ी पहनकर एक बड़े जनसमूह के सामने यह नज़्म गायी थी। इसकी एक पंक्ति %सब ताज उछाले जायेंगे, सब तख़्त गिराए जायेंगे% गाते ही भीड़ ने %इंक़लाब ज़िंदाबाद% नारे लगाने शुरू कर दिये। उसी वक़्त से यह नज़्म सरकार और उसके तंत्र के प्रति असंतोष व्यक्त करने, प्रतिकार करने का माध्यम बन गई। भारत में भी जनवादी-प्रगतिशील संगठनों और जन आंदोलनों ने इसे हाथों-हाथ ले लिया और इस नज़्म ने जनगीत की शक्ल अख्तियार कर ली।बरसों-बरस यह नज़्म जलसों-जुलूसों, धरने-प्रदर्शनों, बैठकों-सभाओं में गायी जाती रही। सरकारें आती-जाती रहीं, इस रचना में किसी को कोई बुराई नज़र नहीं आई। लेकिन फिर 2019 आया जब बाकी देश की तरह आईआईटी कानपुर के छात्र नागरिकता संशोधन कानून (सीएए-एनआरसी) के विरोध में इकट्ठा हुए और यह नज़्म गायी। दूसरे पक्ष के कुछ छात्रों ने इस नज़्म को हिन्दू विरोधी बताते हुए बवाल खड़ा कर दिया। उन्होंने संस्थान के निदेशक को शिकायत की कि यह नज़्म से उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली है। इस पर संस्थान ने एक जांच समिति का गठन कर दिया। समिति ने अपनी जांच में पाया कि फ़ैज़ की यह नज़्म हिंदू विरोधी नहीं, बल्कि सत्ता के विरोध का प्रतीक है। हालांकि यह तथ्य, साहित्य की सामान्य समझ रखने वाला कोई भी व्यक्ति बता सकता था।लेकिन जब किसी विचारधारा के प्रति विद्वेष सामान्य बुद्धि पर हावी हो जाये तो कानपुर की घटना का दोहराव होना ही होता है। हाल ही में यह हुआ भी। 2015 की अत्यधिक चर्चित और पुरस्कृत मराठी फ़िल्म कोर्ट के अभिनेता वीरा साथीदार की स्मृति में नागपुर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। वीरा एक लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता थे। 2021 में महज 61 साल की उम्र में उनकी मृत्यु हो गई। फ़िल्म %कोर्ट% में उन्होंने नारायण कांबले का किरदार निभाया था। इस फ़िल्म ने दुनियाभर में लगभग 60 करोड़ की कमाई की थी। वीरा के स्मृति आयोजन में %हम देखेंगे...% नज़्म गायी गयी। किसी दक्षिणपंथी संगठन के सदस्य ने इसकी शिकायत पुलिस को कर दी। पुलिस ने भी आनन-फानन में मामला दर्ज कर लिया। उसने स्व. साथीदार की पत्नी पुष्पा समेत अन्य के खिलाफ देश की एकता-अखंडता को नुकसान पहुंचाने, धार्मिक भावना भड़काने और अशांति फैलाने के आरोप में एफ़आईआर दर्ज की है।शिकायत में कहा गया है कि फैज़ की कविता में सिंहासन हिलाने और तानाशाही के दौर जैसी बातें कही गई हैं। वह भी ऐसे समय में जब पहलगाम हादसे के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चल रहा है। अब यह कोई लाल बुझक्कड़ ही बता सकता है कि सालों से गायी जा रही एक नज़्म या कविता का दो देशों के बीच उपजे तनाव से क्या वास्
हो सकता है- खासतौर से तब, जब वह नज़्म किस
देश, समाज या धर्म के विरोध में नहीं, बल्कि तानाशाह
और अन्याय के विरुद्ध लिखी गई हो। यहां ये बता
लाज़िमी है कि अटल बिहारी वाजपेयी जैसे कद्दावर नेत
भी फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ के प्रशंसक थे और जिस नज़्म प
इस वक़्त सवाल खड़े किये जा रहे हैं, वह भी अटल
जी को बेहद पसंद थी। लेकिन न जाने क्यों दुनिया क
सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी और मजबूती का दाव
करने वाली उसकी सरकार को अपने इस पुरखे क
आचरण-व्यवहार से सबक लेना चाहिये।फ़ैज़ की बा
चली है तो यह बताना ज़रूरी है कि 2022 में सीबीएस
ने 10वीं कक्षा सामाजिक विज्ञान की किताब से उनक
कुछ कविताएं और लोकतंत्र से संबंधित अध्याय ह
दिये थे। इधर हाल ही में अशोका यूनिवर्सिटी के प्र
अली ख़ान महमूदाबाद को सोशल मीडिया पर उनक
एक पोस्ट के बहाने गिरफ्तार किया गया, अब सुप्री
कोर्ट के आदेश पर उन्हें अंतरिम जमानत मिल गई है।

अंधेर नगरी : फंदे के लिए गर्दन

इस सारे प्रकरण में ध्यान गुनहगारों को पकड़ने से ज्यादा फंदे के लिए गर्दन तलाशने पर था और गर्दन अल्पसंख्यक की हो तो इंसाफ का ज़ोर ज़रा ज्यादा दिखाई देगा। प्रो. अली खान महमूदाबाद की बड़ी सी पोस्ट में पाकिस्तान के आतंकवाद पोषण की आलोचना की गई है, फिर ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना की तारीफ है कि उसने नागरिकों को निशाना नहीं बनाया। इसके बाद युद्ध की मुखालफत की गई है।

अंधेर नगरी चौपट राजा नाटक में फांसी का फंदा बड़ा और कोतवाल की गर्दन छोटी होने के कारण मोटे-तगड़े गोर्वधन दास को फांसी पर चढ़ाने की तैयारी कर ली जाती है। क्योंकि राजा को तो बकरी के मरने पर इंसाफ करना है। इसलिए जिसकी गर्दन फंदे के नाप की हो, उसे ही सिपाही ढूंढ कर ले आए। हालांकि गुरुजी ऐन मौके पर आकर अपने चेले गोर्वधन दास को बचा लेते हैं और मूर्ख राजा स्वर्ग जाने की इच्छा लिए खुद फांसी चढ़ जाता है, इस तरह अंधेर राज समाप्त होता है। मगर क्या वाकई अंधेरगर्दी खत्म हुई है। विवेकहीन शासक और निरंकुश प्रशासन की पोल खोलते इस व्यंग्यात्मक प्रहसन को भारतेंदु हरिश्चंद्र ने एक ही दिन में लिख दिया था। वे उच्च कोटि के लेखक थे, लेकिन इस रचना और आज के वक्त को देखकर लगता है कि उनकी दूरदृष्टि भी गजब की थी। 1881 में जब यह नाटक लिखा गया, तब अंग्रेजी हुकूमत थी और भारत आजादी की लड़ाई के लिए पहला बिगुल फूंक चुका था। इस लड़ाई में हिंदू-मुसलमान सब साथ थे और मुकाबला अंग्रेजों से था।

अब अंग्रेजों को गए सात दशक से अधिक वक्त बीत चुका है। भारत आजाद हो गया है, उससे अलग होकर पाकिस्तान बन गया, दोनों देशों के बीच चार युद्ध हो गए हैं, लेकिन सीमा के आर-पार आम जनता अब भी विवेकहीन शासन की अंधेरगर्दी देख रही है। पाकिस्तान में तो अब फिर से सैन्य शासन की आहट सुनाई दे रही है।

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को मात मिली है, लेकिन दुनिया में वह अलग कहानी सुनाने में लगा है। शाहबाज शरीफ ने जिस तरह युद्धविराम के बाद लगभग डींग हांकने के अंदाज में अपनी विजयगाथा दुनिया को बताई और भर-भर के अपनी सेना की तारीफ की, उससे समझ आता है कि पूरा भाषण पहले से लिखकर उन्हें पढ़ने दिया गया। अब पाक सेनाप्रमुख जनरल आसिम मुनीर की तरक्की कर उन्हें फील्ड मार्शल बना दिया गया है। इससे पहले पाकिस्तान में एक ही फील्ड मार्शल थे, जनरल अयूब खान। अयूब खान की वजह से पाकिस्तान में सैन्य तानाशाही आई। अब क्या पाकिस्तान फिर सैन्य तानाशाही की तरफ बढ़ रहा है, यह सवाल उठ रहे हैं। इधर पाकिस्तान से अलग हुए बांग्लादेश में भी सेना का दबदबा बढ़ रहा है। शेख हसीना से सत्ता छीनने के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया बने मोहम्मद यूनुस और देश के सेना प्रमुख जनरल वकार उज-जमान के बीच दरार बढ़ती जा रही है। जनरल जमान चुनावों की तारीख जल्द घोषित करवाना चाहते हैं, और मो.युनूस इसे टाल रहे हैं। ऐसे में जनरल जमान ने कमांडरों की बैठक बुलाई है और माना जा रहा है कि फिर से तख्तापलट हो सकता है।लोकतंत्र को नकारने, बहुलतावाद की उपेक्षा करने और कट्टरपंथ पर चलने का क्या अंजाम होता है, इसे पाकिस्तान और बांग्लादेश की जनता से बेहतर कौन जानता होगा। लेकिन क्या भारत की जनता जानती है कि उसकी बेहतरी किसमें है। क्योंकि अभी जो माहौल बन चुका है, वह बिल्कुल वैसा ही है, जिसका वर्णन 1881 में भारतेंदुजी ने किया था।पहलगाम में आतंकी हमला हुआ, निर्दोष लोग मारे गए। सरकार से इंसाफ की गुहार लगाई गई। 14 दिन बाद ऑपरेशन सिंदूर हुआ। उसमें सफलता मिल ही रही थी कि अचानक अमेरिका के कहने पर युद्धविराम हो गया। सेना ने बताया पाक के आतंकी ठिकाने ध्वस्त किए गए। जनता ने इस पर खुशी जताई कि इतनी जांबाज सेना उसकी हिफाज़त के लिए है। फिर भी सरकार से सवाल हुए कि पाक में बैठे आतंकियों को तो मारा गया, लेकिन उन चार आतंकियों का क्या हुआ, जो पहलगाम तक चले आए। इसका कोई जवाब सरकार ने नहीं दिया, लेकिन अचानक अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. अली खान महमूदाबाद को गिरफ्तार कर लिया गया, क्योंकि अंग्रेजी में लिखी उनकी फेसबुक पोस्ट में हरियाणा महिला आयोग को सांप्रदायिक और महिला विरोधी विचार नजर आए। प्रो.महमूदाबाद पूछते रहे कि आखिर किस जगह ऐसा लगा कि उन्होंने महिलाओं का अपमान किया है, लेकिन उन्हें जवाब नहीं मिला। उनकी गर्दन फंदे के अनुरूप दिखी होगी, तो इंसाफ की राह में उन्हें धकेल दिया गया। गनीमत है कि देश में गोर्वधनदास के गुरु जैसा विद्वान, सम्मानीय सुप्रीम कोर्ट है, जिसने प्रो. महमूदाबाद को अंतरिम जमानत दे दी। लेकिन इससे अंधेरगर्दी खत्म हो जाएगी, ऐसा लगता नहीं है।क्योंकि इस सारे प्रकरण में ध्यान गुनहगारों को पकड़ने से ज्यादा फंदे के लिए गर्दन तलाशने पर था और गर्दन अल्पसंख्यक की हो तो इंसाफ का ज़ोर ज़रा ज्यादा दिखाई देगा। प्रो. अली खान महमूदाबाद की बड़ी सी पोस्ट में पाकिस्तान के आतंकवाद पोषण की आलोचना की गई है, फिर ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना की तारीफ है कि उसने नागरिकों को निशाना नहीं बनाया। इसके बाद युद्ध की

मुखालफत की गई है, लिखा है- कुछ लोग बिना सोचे-समझे युद्ध की वकालत कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने (असल में) कभी युद्ध देखा नहीं है, संघर्ष क्षेत्र में रहना या वहां जाना तो दूर की बात है। किसी छद्म नागरिक सुरक्षा अभ्यास गतिविधि का हिस्सा बनने से आप सैनिक नहीं बन जाते और न ही आप कभी किसी ऐसे व्यक्ति का दर्द जान पाएंगे जो संघर्ष के कारण नुकसान उठाता है। युद्ध क्रूर होता है। और गरीब लोग इसका सबसे ज़्यादा ख़ामियाज़ा भुगतते हैं, केवल राजनेता और रक्षा कम्पनियां ही इसका फ़ायदा उठाती हैं। आगे उन्होंने उम्मीद जताई कि कर्नल सोफिया कुरैशी की तारीफ जो दक्षिणपंथी टिप्पणीकार कर रहे हैं, वे भाजपा द्वारा फैलाई नफरत के शिकार लोगों का भी बचाव करेंगे। मॉब लिंचिंग और बुलडोजर न्याय में जिस तरह मुस्लिमों को बीते समय में निशाने पर लिया गया है, डॉ. महमूदाबाद ने वही लिखा है। उन्होंने आखिरी में लिखा कि दो महिला सैनिकों द्वारा जानकारियों को प्रस्तुत करने का दिखावा अहम है, लेकिन यह दिखावा ज़मीनी हक़ीक़त में भी बदलना चाहिए नहीं तो यह केवल पाखंड है। इसके बाद सांप्रदायिकता से संक्रमित भारतीय राजनीति का जिक्र करते हुए उनकी पोस्ट खत्म होती है।सोशल मीडिया पर पूरी पोस्ट हिंदी में भी उपलब्ध है, पाठक चाहें तो वहां इसे पढ़ सकते हैं। लेकिन यहां भी जितना हिस्सा दिया गया है, उसमें ऐसी कोई बात नजर नहीं आती जिसकी वजह से एक प्रोफेसर और समाज के सम्मानित नागरिक पर न केवल मामला दर्ज हुआ, बल्कि गिरफ्तार भी किया गया। जबकि असल में महिला और सेना का अपमान करने वाली टिप्पणी मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह ने की, लेकिन उन पर मामला दर्ज करवाने के लिए भी हाईकोर्ट को आदेश देना पड़ा। हरियाणा और मध्यप्रदेश दोनों जगह भाजपा की ही सरकारें हैं, लेकिन यह कैसी पार्टी है, जिसके इंसाफ के मापदंड दो राज्यों में अलग-अलग हैं।हालांकि महिला उत्पीड़न की बात हो तो मध्यप्रदेश और हरियाणा में कुछ खास अंतर नहीं है। 2024 में राष्ट्रीय महिला आयोग ने महिलाओं पर अत्याचार की शिकायतों के जो आंकड़े प्रस्तुत किए, उसमें 6,470 शिकायतों के साथ उत्तरप्रदेश सबसे आगे रहा, दिल्ली में1,113 महाराष्ट्र में 762 शिकायतें दर्ज हुई, ये सभी भाजपा शासित राज्य हैं। भाजपा शासित मध्यप्रदेश में 514 और हरियाणा में 509 शिकायतें महिला उत्पीड़न की दर्ज हुई हैं। हमें नहीं मालूम कि हरियाणा राज्य महिला आयोग इन शिकायतों को कम करने और इनका निदान करने के लिए कितना सक्रिय है। मगर बलात्कार और हत्या का आरोपी राम रहीम इसी हरियाणा में बार-बार पैरोल पर बाहर आता है, यह सब देखते हैं। हरियाणा से ही नरेन्द्र मोदी ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत की थी और इसी राज्य में 2019 में प्रति 1,000 लड़कों पर 923 लड़कियां थीं, और 2024 में हजार लड़कों पर केवल 910 लड़कियों का लिंगानुपात रहा। कन्या भ्रूण हत्या के लिए बने अवैध केंद्र यहां की बड़ी समस्या है।इन आंकड़ों को देने का मकसद यही बताना है कि हरियाणा महिला आयोग के पास अपना काम करके दिखाने और उपयोगिता साबित करने के ढेरों मौके और कारण हैं। लेकिन यह सब छोड़कर उसने क्यों फंदे के लिए गर्दन तलाशनी शुरु की, यह समझ से परे है।इधर भाजपा जो ऑपरेशन सिंदूर के बाद तिरंगा यात्रा निकाल रही है, उसमें कई जगहों पर महिलाएं लाल वस्त्रों में सिंदूर लगाकर हिस्सा ले रही हैं, और पहलगाम हमले के लिए मुसलमानों को गलत बता रही हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो देखा, जिसमें एक पत्रकार पूछ रही है कि आप लोग किसलिए हिस्सा ले रही हैं, तो कई महिलाओं के पास जवाब नहीं है। वे सोफिया कुरैशी की परवरिश को हिंदू बता रही हैं और कह रही हैं कि सब मुसलमान ही करते हैं, इसलिए सजा मिलनी चाहिए। इधर छत्तीसगढ़ में ऑपरेशन सिंदूर के बाद कुछ महिलाओं ने सिंदूर खेला किया, जिससे जाहिर होता है कि सैन्य कार्रवाई तो अपनी जगह है, लेकिन देश में व्यापक समाज इसे हिंदुत्व के नजरिए से देख रहा है। ऐसे में प्रो. महमूदाबाद जैसे लोगों की लिखी बात न समझ आई हो तो किसका कसूर माना जाए। अंधेर नगरी का चौपट राजा कल्लू बनिया, चूने वाला, भिश्ती, कसाई, कोतवाल सबको एक-एक कर दरबार में हाजिर करवाता है। क्या समाज ऐसी हाजिरी लगाने के लिए तैयार है, सोचिए जरा।

प्राथमिकता के आधार पर तैयार करें अपनी कार्य-सूची

आज आप जितना कर सकती हैं, उससे अधिक करने की कोशिश न करें। अपनी गतिविधियों की छंटनी शुरू कर दीजिए और फिर अपनी कार्य-सूची पर पुनर्विचार कीजिए। जो चीजें बेकार एवं महत्वहीन हैं, उन्हें बाहर कर दीजिए। आप जो भी कर सकती हैं या करना चाहती हैं, उन तमाम चीजों को एक ही दिन में करने का प्रयास न करें। सबसे जरूरी चीज पर नजर रखें एवं प्राथमिकता के आधार पर उन्हें करें। व्यक्तिगत रिश्ते बनाएं, ताकि काम एवं जीवन में सहजता आए।

एक समय में एक ही काम

अपना समय केवल उन्हीं चीजों पर खर्च करें, जो आपके लिए महत्वपूर्ण हो। दो या उससे अधिक काम एक साथ करने से तौबा करें, तब भी जब चीजें आसान लगती हों या लगता हो कि आप कर लेंगी। जब आप एक से अधिक काम एक ही बार में करती हैं तो आपका ध्यान बंट जाता है। आप एकाग्रता खो देती हैं, जो कि बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है।

कुछ उदाहरण

यदि आप एक साथ खाती एवं पढ़ती हैं तो आपका कुछ ध्यान पढ़ने पर और कुछ खाने पर होता है। आप कोई भी चीज ढंग से नहीं कर पाती हैं। जब आप टहलती हैं तो टहलें, जब आप बैठती हैं तो बैठें। भटकें नहीं। जब ड्राइव करें तो पूरा ध्यान रोप पर रखें। काफी ऊंची आवाज में संगीत सुनना या चालक एवं यात्री के बीच की बातचीत कई सड़क हादसों का कारण होती है। यदि आप यात्री हैं तो चालक को गाड़ी चलानें दें न कि उससे बातचीत करें।

पांच गुण होना महत्वपूर्ण

किसी भी स्त्री या पुरुष में पांच गुण होना चाहिए। वे हैं- शिष्टाचार, उदारता, लगन, संकल्प एवं दया भाव। शिष्टाचार से आप बेइज्जती को अनदेखा कर सकती हैं, उदारता से सबको जीत सकती हैं। लगन से लोग आप पर विश्वास करेंगे और संकल्प एवं दया भाव से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। अच्छी संगत, अच्छी किताबें एवं प्रार्थना- ये तीन चीजें किसी मनुष्य को तीनों लोकों का सम्राट बनाती हैं।

सफलता नैसर्गिक नहीं होती

सफलता प्राप्त करने की प्रक्रिया नैसर्गिक नहीं है। सफलता हमें विरासत में नहीं मिलती। इसे हम अपने प्रयासों से पैदा करते हैं। यह हमारे कठिन परिश्रम एवं क्रियाओं की पुनरावृत्ति का काल होता है। संघर्ष जीवन है और जीवन की क्रियाएं ही इसे कर सकती हैं। हमें केवल सपने देखने वाला नहीं बल्कि आगे बढ़कर उसे करने वाला बनना चाहिए।

सेमिनारों में कुछ नहीं

हम समय-समय पर प्रेरित करने वाले लोगों से मिलते रहते हैं या सेमिनारों में ऐसे भाषण सुनते रहते हैं। इस प्रकार के पारस्परिक क्रिया से हमें अपने तरीकों को सुधारने एवं काम करने की शैली की और बेहतर करने के उपाय मिलते हैं। हम उनको अपनाते हैं और महसूस करते हैं कि अपने आप को और बेहतर करें एवं जीवन में बदलाव लाने का रहस्य पा लिया है। यह पूरी गहमागहमी दो-चार दिनों में खत्म हो जाती है और हम फिर वहीं होते हैं जहां हम थे।

ऊर्जा, समय व पैसे बचायें

याद रखिये सेमिनार एवं कार्यशाला में भाग लेना समय, ऊर्जा और पैसे की बर्बादी है, यदि हम उन चीजों को नहीं अपनाते, जो वे हम तक पहुंचाना चाहते हैं। यदि आपको कोई बेहतरीन आइडिया मिलता है तो आप अपने आप से पूछिए कि आप इससे क्या करने जा रहे हैं और आप इसे कैसे करेंगे। सभी बातों को लिखिए और फिर निर्णय लीजिए कि आप क्या करने जा रहे हैं। किन उपायों को लागू करना है, उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए और सब कुछ करने के लिए समय सीमा तय करनी चाहिए।

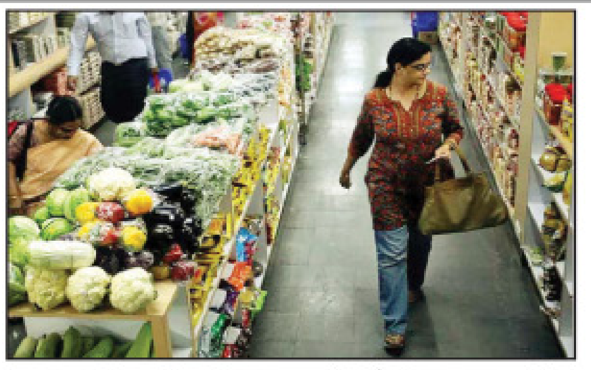

बार-बार बिगड़ जाता है घर का बजट तो ना करें पैसों से जुड़ी ये गलतियां

अक्सर महिलाओं की ये समस्या होती है कि घर का खर्च ज्यादा हो रहा है और पैसों से जुड़ी बचत नहीं हो पा रही है। यहां निवेश और बचत की नहीं खर्च की बात हो रही है। घरों में आजकल की व्यस्त लाइफस्टाइल कुछ ऐसी हो गई है कि लोगों को ये समझ ही नहीं आता कि उनका इतना खर्च आखिर कैसे बढ़ गया है। ये सब कुछ पैसे से जुड़ी कुछ गलतियों के कारण होता है।

पैसे के बारे में बात नहीं करना

आम तौर पर यही देखा जाता है कि पति और पत्नी एक दूसरे से इसके बारे में बात नहीं करते। पत्नी घर संभाल रही हो या फिर बाहर काम कर रही हो तो भी इसके बारे में बातें नहीं की जातीं। बच्चे अगर पढ़ने की उम्र में हैं या टीनएज हो गए हैं तो उन्हें भी अक्सर घर पर ये नहीं बताया जाता है कि निवेश और बचत की जरूरत क्या है। हफ्ते में कम से कम एक बार सभी को बैठकर घर और पैसे के खर्च से जुड़ी बातें करनी चाहिए। इससे वो खर्च भी सामने आ जाता है जिसका शायद अंदाजा भी नहीं होता। ये घर का बजट बनाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

पहले खर्च फिर जो बचा वो निवेश

हमारी भारतीय संस्कृति में एक आम कहावत है कि, 'जितनी चादर है उतना ही पैर पसारो'। ये बहुत अच्छा कथन है, लेकिन इसे हमें थोड़ा सा बदलना होगा क्योंकि हम हमेशा जितना खर्च है उतना कर लो और उसके बाद जो बचा वो बचत। इससे समस्या ये होती है कि जरूरत से अधिक खर्च भी हो जाता है और बचत कम रह जाती है। इसे थोड़ा सा बदलने की जरूरत है और कमाई के बाद एक निश्चित बचत और उसके बाद जितना बचा उसे खर्च करना चाहिए। ये बजट आसानी से बन सकता है कि महीने में कितनी बचत की जा सकती है।

बचत और निवेश का अंतर न समझना

मान लीजिए आप हर महीने की आय में से कुछ पैसे बचा लेते हैं, लेकिन क्या इन पैसों को बचाने से सिर्फ काम हो जाता है? जी नहीं, बचत और निवेश में काफी अंतर है जिसे समझने की जरूरत है। पैसे ड्रॉअर में पड़े रहें या फिर वो बैंक के सेविंग्स अकाउंट में रखा है तो उससे हमारे भविष्य के लिए कोई फायदा हो रहा है? बिलकुल नहीं। तन्वी जी का कहना है कि उनके पास बहुत से लोग आते हैं और वो यहीं मात खा जाते हैं। उन्हें निवेश इस बारे में सोचकर करना चाहिए कि भविष्य में ये कितना रिटर्न देगा।

अपनी बचत और निवेश को ऑटोमैटिक मोड पर नहीं डालना

बैंक की आरडी या एफडी जिसका ऑटोमैटिक पैसा कटता है वो ज्यादा सही है। भले ही बचत और निवेश का कोई भी मोड हो पैसा ऑटोमैटिक हर महीने कटना चाहिए। कारण ये है कि अगर बचत हर वक्त नहीं होगी तो हम उस कमाई को खर्च करने के लिए उत्सुक रहेंगे। अकाउंट में या जेब में ज्यादा पैसा होने का मतलब है कि उसे खर्च करने का लालच भी बढ़ जाएगा। अगर सैलरी आते ही एक अच्छे फाइनेंशियल एक्सपर्ट की मदद से पैसे निवेश कर देंगे तो हमारा भविष्य सुरक्षित होगा।

अपने पैसे को अलग-अलग जगह न निवेश करना

पैसा है आपके पास तो क्या हर बार वो एक ही तरह से निवेश किया जाएगा? कई लोग सिर्फ FD बनाते रहते हैं, कुछ को पोस्ट ऑफिस की NSC अच्छी लगती है, लेकिन इसका सीधा सा मतलब ये होता है कि पैसे के साथ कोई एक्सपेरिमेंट नहीं किया जाता। कारण ये है कि अगर एक ही तरह से पैसा निवेश होगा तो खतरे की स्थिति में एक ही साथ उसके खर्च होने या फिर डूब जाने की गुंजाइश भी होती है।

फाइनेंशियल भाषा से डरना और रिस्क न लेना

इंसान का दिमाग जो चीज समझ नहीं पाता वो उससे हमेशा डरता रहता है और ये बहुत आम घटना है कि लोग खुद को फाइनेंशियल भाषा सिखा नहीं पाते। ऐसे में उन्हें जानकारी न के बराबर रहती है। होता ये है कि ऐसी स्थिति में निवेश के समय हम बहुत ज्यादा सोच विचार में लग जाते हैं और कई बार डर के कारण रिस्क नही ले पाते। इससे बाद में नुकसान होने की गुंजाइश है।

कर्ज को न समझना

बहुत से लोगों के पास होम लोन होता है, कार का लोन होता है, क्रेडिट कार्ड से खर्च होता है। अर्थव्यवस्था में कर्ज की दरें लगातार बढ़ती और घटती रहती है। ऐसे में हमारे कर्ज पर भी असर पड़ता है। किसी भी तरह के लोन को हमेशा फाइनेंशियल एक्सपर्ट से हर साल रिव्यू करवाना चाहिए। क्या पता ब्याज की दर इससे कम हो सके। इसी तरह से क्रेडिट कार्ड सबसे महंगा तरीका है ऐसे में कई बार वो बहुत महंगा पड़ जाता है। कोशिश करें कि हर वक्त क्रेडिट कार्ड निकालने से बचें।

क्या आपके वार्डरोब में है जींस के ये ट्रैंडी कलेक्शन

जींस एक ऐसी कॉमन ड्रैस है, जो हर लड़की के वार्डरोब में जरूर मौजूद होती है। बाजार में कई स्टाइलिश जींस आ चुकी हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीद सकती हैं। जींस खरीदने से पहले आपको यह जानना जरूरी हैं कि आजकल किस पैटर्न की जींस का चलन ज्यादा है। आज हम आपको जींस की इन्हीं वैरायटी के बारे में बता रहे हैं जिनके बारे में जानकर आपको अपनी पसंद की जींस खरीदने में आसानी होगी.

रिप्ड जींस

रिप्ड जींस एक दशक से फैशन ट्रैंड में बनी हुई है। कॉमन यंग गर्ल्स से लेकर बॉलीवुड एक्ट्रैस सभी में इसका क्रेज है। शायद ही कोई लड़की होगी जिसके वार्डरोब में रिप्ड जींस न हो। एक दशक पहले ट्रैंड में आई ये जींस आज भी लड़कियों की पहली पसंद बनी हुई है। इसमें जींस के कई हिस्से में कुछ स्लिट्स या कट्स बने होते हैं। कॉमन लैंग्वेज में इसे फटी जींस भी कहते हैं। अगर आपके पास कोई पुरानी जींस है, जिसे आप नहीं पहनतीं तो उसे ब्लेड से कट करके रिप्ड जींस का लुक दें सकती हैं। रिप्ड जींस को आप लॉन्ग कुर्ती या फिर किसी भी टॉप के साथ वियर कर सकती हैं। ये आपको कूल और स्टाइलिश लुक देगी।

बैगी जींस

बैगी जींस अपने लूज साइज की वजह से काफी कंफर्टेबल होती है। दो से तीन दशक पहले इस पैटर्न की जींस का काफी चलन था। एक बार फिर से इसका ट्रैंड लौट आया है। यही वजह है कि सैलेब्स में भी ये जींस काफी पॉपुलर है। ट्रैवलिंग के दौरान या कहीं आने-जाने के लिए एक्ट्रैस इसे कैरी किए नजर आती रही हैं।

पैच वर्क जींस

इन दिनों पैच वर्क जींस भी काफी पॉपुलर हैं। यंग गर्ल्स से लेकर सैलेब्स इसे पहने नजर आती रहती हैं। ये जींस अलग-अलग रंग के जींस के चौकोर टुकड़ों को एक साथ पैच करके बनाई जाती है, जो देखने में काफी युनीक और कूल लगती हैं।

बेल बॉटम जींस

पुराने जमाने में आपने हीरो-हीरोइन को फिल्मों में नीचे से खुली पैंट या जींस पहने देखा होगा। इस स्टाइल को बेल बॉटम स्टाइल कहते हैं। आजकल बेल बॉटम जींस का फैशन फिर से लौट आया है। ये जींस काफी कंफर्टेबल होती हैं। यंग गर्ल्स से लेकर वर्किंग वुमन बेल बॉटम जींस पहनना पसंद कर रही हैं।

स्किन फिट जींस

इसके नाम से ही क्लियर है कि ये जींस कैसी होगा। ये पूरी तरह स्किन टाइट होती है। ज्यादातर लड़कियां स्किन फिट जींस पहनना पसंद करती हैं, लेकिन अगर कंफर्ट की बात करें तो ये उतनी आरामदायक नहीं होती। तब भी इस जींस का क्रेज लड़कियों में बना हुआ है। इसे आप अपनी मनपसंद कुर्ती या फिर टॉप के साथ कैरी कर सकती हैं।

कलर आईलाइनर लगाने से पहले जरूरी टिप्स मिलेगा स्टाइलिश लुक

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लड़कियां मेकअप करना पसंद करती है। वहीं आंखों को बड़ा, आकर्षित दिखाने के लिए आईलाइनर लगाती है। बात अगर आईलाइनर की करें तो आमतौर पर लड़कियां इसमें ब्लैक कलर पसंद करती है। मगर आजकल लड़कियों में कलरफुल आईलाइनर का क्रेज भी बढ़ रहा है। इससे लुक और भी स्टाइलिश नजर आता है। मगर इसे लगाने से पहले कुछ बातों का ध्यान देने की जरूरत होती है। कलर आईलाइनर लगाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

मेकअप ना करें

कलर आईलाइनर अक्सर आंखों को हाइलाइट करने के लिए लगाया जाता है। इसलिए इसे लगाने के बाद अपना रेगुलर मेकअप ना करें। नहीं तो इससे आपका मेकअप अधिक लगेगा।

सही कलर चुनें

अगर आप पहली बार कलर आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए रंग चुनें। इसके लिए आप पिंक, लैवेंडर, बैंगनी, सुनहरा या अपनी ड्रेस से मैचिंग रंग चुन सकती है।

आंखों पर ध्यान दें

कलर आईलाइनर लगाने के लिए बस अपनी आंखों पर फोकस करें। इसके साथ हैवी व बोल्ड मेकअप करने की गलती ना करें। ऐसा करने से आपकी आंखों पर ध्यान नहीं जाएगा।

डार्क कलर अप्लाई करें

अगर आप पहली बार आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए डार्क कलर यूज करें। असल में, इससे आपका लुक एकदम बदल जाएगा। ऐसे में आप पहली बार के लिए ब्राउन या ब्लू कलर चुन सकती है। मस्कारा ब्लैक कलर का लगाएं आप भले ही आईलाइनर कलर्ड चुन रही है मगर इसके साथ मस्कारा ब्लैक ही लगाएं। इससे आपकी आंखों को ग्रेसफुल लुक मिलेगा। इसके साथ ही फेक आईलैशेज लगाने की गलती ना करें।

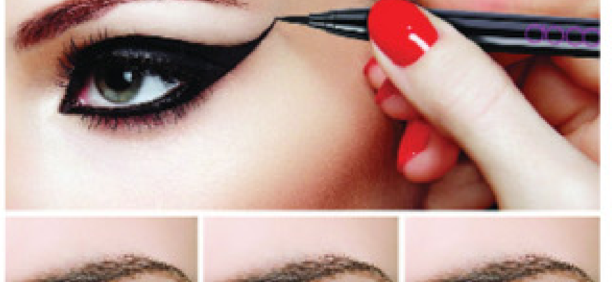

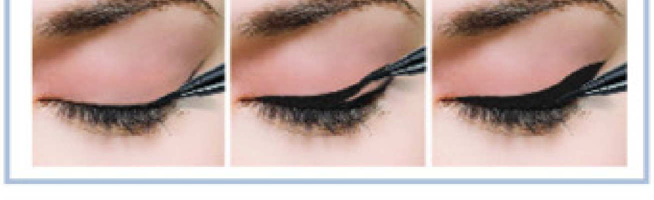

अच्छा दिखने के लिए मेकअप कर के घर से बाहर निकलना अब जरूरत सा बन गया है, लेकिन मेकअप के सभी उत्पाद आपके लिए अच्छे हो ये कतई जरूरी नहीं है। कुछ ऐसे उत्पाद भी है जो आपको कुछ समय तक सुंदर तो दिखा देते है लेकिन आपकी त्वचा और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते है। आइए, जानते हैं ऐसी ही 5 मेकअप सामग्री के बारे में जिनका इस्तेमाल आपको कम से कम ही करना चाहिए

इन मेकअप प्रोडक्ट्स से रहें दूर

टेलकम पाउडर

टेलकम पाउडर सामान्य तौर पर आपमें से कई लोगों के जीवन का एक अहम हिस्सा होगा। भले ही आप इसे सुरक्षित मानते हों, लेकिन इसमें मौजूद सिलेकेट्स नामक तत्व आपको एलर्जी, फेफड़ों में इंफेक्शन या फिर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का शिकार बना सकता है।

ब्लीच क्रीम

अधिकांश ब्लीच क्रीम में पाया जाने वाला हाइड्रोक्विनोन त्वचा के निकलने, लालिमा या लाल रैशेस अथवा त्वचा के रूखेपन के लिए जिम्मेदार होता है। इसकी जगह त्वचा प्रभावशाली घरेलू उत्पादों का प्रयोग करना बेहतर होगा।

लिप ग्लॉस

होंठों पर चमकदार नमी लाने के लिए प्रयोग किया जाने वाला लिपग्लॉस कुछ ऐसे केमिकल्स से युक्त होता है, जो आपके होंठों की त्वचा को अंदर से रूखा कर सकते हैं साथ ही रोमछिद्रों को ब्लॉक कर सकते हैं।

हेयर कलर

इसमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स आपके सिर की त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा त्वचा का लाल होना और खुजली जैसी समस्याएं भी हो सकती है जो अन्य गंभीर समस्याओं को जन्म देती हैं।

नेल पॉलिश

भले ही अपको रंगीन, चमकीले नेल पॉलिश का शौक हो, लेकिन इनमें मौजूद एसीटोन आपके नाखूनों को दाग या धब्बों से युक्त बनाने के साथ ही कमजोर बनाने में सहायक होता है। इसके लिए हमेशा नेल पॉलिश का इस्तेमाल करने से बचें।

भारत में दिल के रोगियों की उम्र कम होने की धारणा गलत

नई दिल्ली। भारत में हृदय रोग को लेकर कराए गए एक अध्ययन में कहा गया है कि देश में पश्चिमी देशों के मुकाबले ''एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम' (एसीएस) के रोगियों की उम्र कम होने की धारणा मिथक है और अधिक आयु वाले लोगों को ही दिल की बीमारी का खतरा अधिक देखा गया है।फोर्टिस हेल्थकेयर ने हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. उपेंद्र कौल के नेतृत्व में यह अध्ययन किया। इसके मुख्य निष्कर्षों में सामने आया है कि हृदय रोगों के तीन प्रमुख कारणों में हाई लिपिड स्तर 58.1 फीसदी, उच्च रक्तचाप 53.2 फीसदी और धूम्रपान 45 फीसदी हैं। एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम (एसीएस) से युवा आबादी के प्रभावित होने को लेकर कोई खास बात सामने नहीं आई है। फोर्टिस द्वारा जनवरी 2011 से दिसम्बर 2015 के बीच कुल 12,152 रोगियों पर अध्ययन किया गया। इसमें 18 से 100 साल तक की उम्र के मरीज शामिल रहे। इसमें 5850 रोगी ऐसे थे जिन्हें दिल का दौरा पड़ा था। इनमें हृदय रोग के जोखिम के कारकों में क्र मशः अत्यधिक कोलेस्ट्रोल 58.1 फीसदी, उच्च रक्तचाप 53.2 फीसदी, धूम्रपान 45 फीसदी, डायबिटीज 36.9 फीसद और मोटापा 33.6 फीसद बताए गए हैं। अध्ययन में शामिल मरीजों में 30 साल से कम उम्र के मरीजों की संख्या केवल 33 यानी 0.3 फीसद थी। 30 से 40 साल के बीच के 304 (2.8 फीसद), 40 से 50 साल के 1298 (10.7 फीसद), 50 से 60 साल के 3445 (28.3 फीसद) और 60 साल से अधिक उम्र के सर्वाधिक 7075 (58.2 फीसदी) मरीज थे। अध्ययन के अनुसार यह दिखाता है कि कम आयुवर्ग के लोगों में दिल के रोगों का जोखिम उतना अधिक नहीं है और यह उम्रदराज लोगों को ही अधिक परेशान करता है। डॉ. उपेंद्र कौल के अनुसार, ''आमतौर पर माना जाता है कि एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम के साथ आए भारतीय रोगियों की उम्र पश्चिमी देशों में इस रोग के मरीजों से अपेक्षाकृत कम होती है। यह मिथक है जिसे हमारे अध्ययन ने साबित किया है। हमारी जनसंख्या में आयु वर्ग और जोखिम का स्तर दोनों वैसे ही हैं जैसा पश्चिमी देशों में है। इस अध्ययन में 30 फीसद रोगी दक्षिण एशियाई देशों के भी थे।'

> कम आयुवर्ग के लोगों में दिल के रोगों का जोखिम उतना अधिक नहीं है और यह उम्रदराज लोगों को ही अधिक परेशान करता है : डॉ. उपेंद्र कौल

हृदयाघात अथवा सीने में जलन

नई दिल्ली। भारत में हृदय संबंधी बीमारियों से होने वाली मौतों की सर्वाधिक संख्या होने के बावजूद शायद यह बहुत आश्र्चयजनक नहीं है कि यहां बहुत से लोग सीने में किसी भी प्रकार के दर्द को हृद्याघात ही समझ लेते हैं।

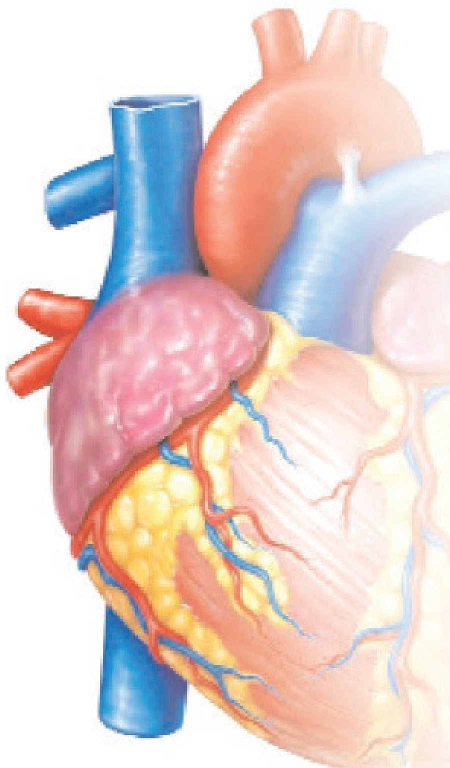

इसके परिणाम स्वरूप बहुत से लोगों को केवल सीने में दर्द की शिकायत या सीने में जलन की शिकायत के साथ अस्पताल जाया जाता है। हृदयाघात की संभावना से बचने के लिए बीमार और उसके आस-पास के लोगों को उपलब्ध संसाधनों के इस्तेमाल से हृदयाघात अथवा इसकी संभावना से उत्पन्न हुये तनाव के बीच भेद करने में सक्षम बनाना चाहिये।

जीएमसी, जम्मू के मेडिसिन विभाग प्रमुख डाक्टर विजय कुंडल ने कहा, अस्पताल लाये जाने वाले बहुत से बीमारों में पाया गया कि उनमें हृदय-संबंधी बीमारी नहीं थी। तनाव अथवा हृदयाघात के शुरुआती लक्षणों के परीक्षण पर डाक्टरों ने कहा, बाद में दोनों ही बीमारियों में सांस लेने में दिक्कत होती है।

फोर्टिस एस्कार्ट इंस्टीट्यूट में प्रीवेंटिव कार्डियोलॉजी के प्रमुख डाक्टर पीयूष जैन ने बताया, कि सीने में जलन के कारण सांस लेने में तकलीफ नहीं होती है, वहीं दूसरी ओर हृदयाघात में सूजन और उलटी के लक्षण भी नहीं पाये जाते। इनका संबंध आमतौर पर सीने की जलन के मामले में होता है। जैन ने बताया कि सीने में जलन के कारण होने वाली बेचैनी का इलाज दवाओं से किया जा सकता है और इसे पेट में एसिड के स्तर को नियंत्रित करके किया जा सकता है। जैने ने बताया कि सीने में जलन के कारण बेचैनी होना और हृदयाघात के लक्षणों में हालांकि काफी समानतायें हैं, लेकिन चिकित्सा के संदर्भ में दोनों बीमरियों में कोई समानता नहीं है। उन्होंने बताया कि हृदयाघात निश्चित ही एक बीमारी है, जबकि सीने में जलन होना उसका एकमात्र लक्षण है।

बच्चों में डायरिया के मामले काफी घटाकर पेश किए गए

नई दिल्ली। एक नए अध्ययन में बताया गया है कि भारत समेत सात एशियाई एवं अफ्रीकी देशों में बच्चों के डायरिया की चपेट में आने के मामले बहुत कम करके पेश किए गए हैं तथा पिछले आकलन की तुलना में उनकी संख्या दोगुनी हो सकती है। इन देशों में हर घंटे पांच साल की उम्र तक के 13 बच्चे डायरिया के चलते मर जाते हैं। ''लांसेट' में प्रकाशित नए शोध में कहा गया है, ''बैक्टीरिया, परजीवी, विषाणु एवं अन्य संक्र मणों की वजह से बच्चों के डायरिया की चपेट में आने के मामले काफी घटाकर पेश किए गए और वह पिछले आकलन की तुलना में करीब दोगुना हो सकते हैं।'' 'बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान, गांबिया, केन्या, माली और मोजाम्बिक के 10,000 से अधिक नमूनों के विश्लेषण से पता चलता है कि शिगेला और रोटावायरस पांच साल तक के बच्चों में सबसे आम संक्रमण है, उसके बाद एडिनोवायरस, आंत में विष पैदा करने वाले ई.कोलाई, क्रिप्टोसपोरडियम और कैंपीलोबैक्टर का नंबर आता है।' डायरिया के संक्रामक कारकों के पिछले अनुमान विभिन्न अन्वेषण पद्धतियों पर आधारित थे जबकि इस अध्ययन में पहली बार 32 रोगाणुओं का परीक्षण करने के लिए मालीक्यूलर डायगोनास्टिक पद्धति का इस्तेमाल किया गया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

लॉफिंग ज़ोन

नई दुल्हन के हाथ का खाना पति ने पहली बार खाया। मिर्चे अधिक तेज थीं फिर भी वह बात बिगाडना नहीं चाहता था।

पति- 'खाना बहुत अच्छा बनाया है।'

पत्नी-'लेकिन आप रो क्यों रहे हैं?'

पति-'खुशी के कारण।'

पत्नी-'और दूं?'

पति-'नहीं, मैं ज्यादा खुशी बर्दाश्त नहीं कर पाऊंगा।'

▯ ▯ ▯

गृहणी ने कहा- 'रामू,आज तुमने बहुत कीमती फूलदान तोड दिया। आज के बाद ऐसी गलती की तो मार मार कर सिर गंजा कर दूंगी। समझे?

'जी समझ गया।'

'क्या समझे?'

यही कि मालिक भी किसी ऐसी ही गलती का अंजाम भुगत रहे हैं।'

▯ ▯ ▯

एक युवती ने अपनी सहेली की मृत्यु का दु:ख व्यक्त करते हुए कहा, तीन महीने हो गए मेरी सहेली का देहांत हुए, पर मेरा दिल ही नही लगता। आप उसकी कोई प्रिय वस्तु मुझे दे दीजिए, उसे ही सीने से लगाकर मन बहला लिया करूंगी।

मृतक के पति का जवाब था, जी उसकी प्रिय वस्तु मैं ही हूं।

काकुरो पहेली - 4063

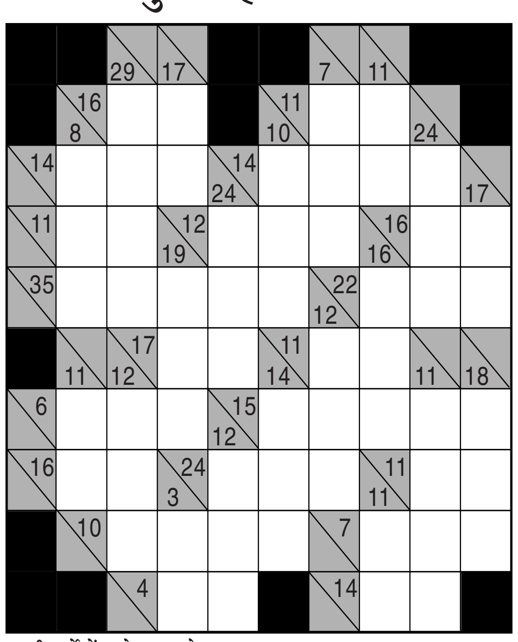

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

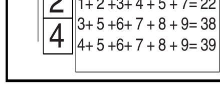

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 4062 हल

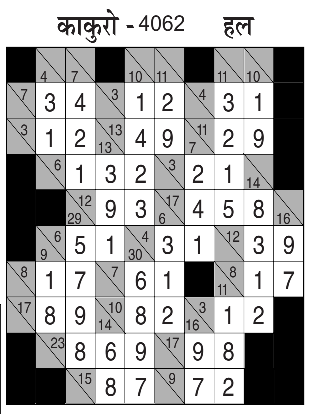

फिल्म वर्ग पहेली- 4063

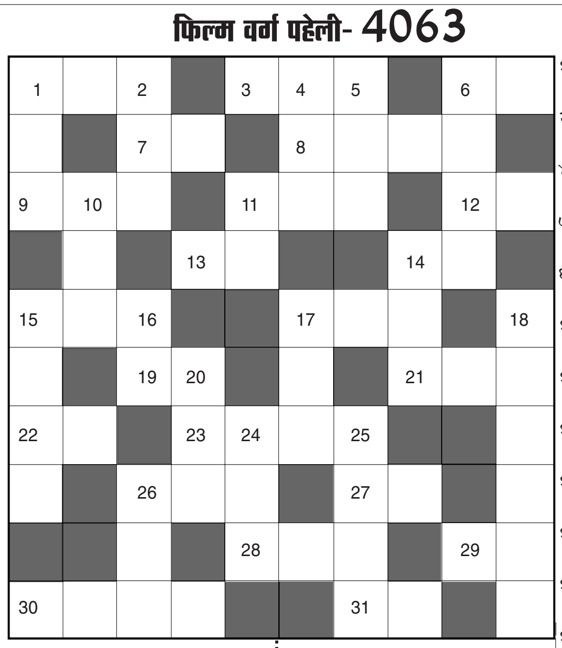

ऊपर से नीचे:-

१.'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधूरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगूं' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अष्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4062

सूडोकु -4063

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4062 हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली 4063

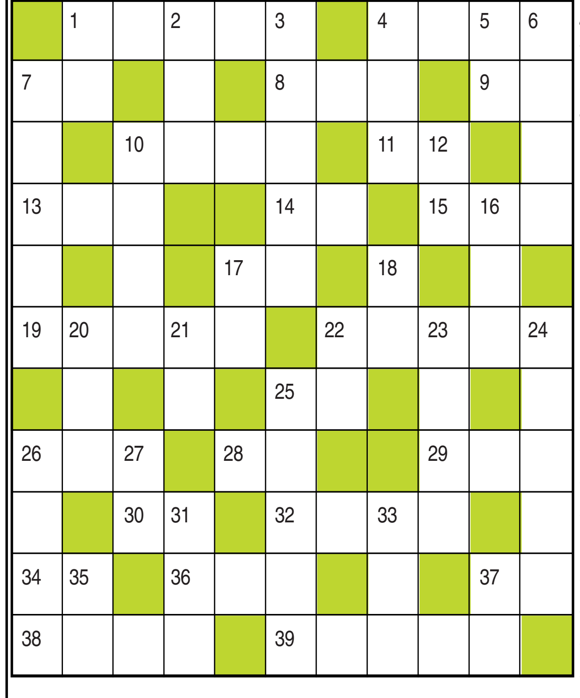

बाएँ से दाएँ

1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पदार्थ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे

1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली '4062 का हल

ल	गा	म		अ		त	र	ब	त	र
ल		त	म	स		ह	म	ला		खै
क	श			ल		ल			का	ल
	ही		क	हा	नी	का	र		र	
ब	द	मा	श		र		च	म	क	ना
			ल	क्ष		सी	ना			
र	त	ज	गा		आ		का	म	या	ब
	र		ना	ना	स	सु	र		च	
रा	ह			म		रा			क	म
ह		त	ना	व		पा	य	ल		हु
त	ल	ब	गा	र		न		ब	ल	वा

अशोका विवि के प्रो. खान के विवाद की जांच के लिए एसआईटी गठित

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस महानिदेशक ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई करते हुए सोनीपत की अशोका विश्वविद्यालय के प्रो. अली खान महमूदाबाद के मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन कर दिया है। इस एसआईटी का नेतृत्व सोनीपत की पुलिस आयुक्त व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ममता सिंह करेंगी। पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने गुरुवार को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) ममता सिंह की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर दिया है। करनाल के पुलिस अधीक्षक गंगा राम पुनिया और गुरुग्राम एसटीएफ के पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण को इस एसआईटी का सदस्य बनाया गया है। ममता सिंह सोनीपत की पुलिस आयुक्त भी हैं। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने बुधवार को प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को अंतरिम जमानत देते हुए हरियाणा के पुलिस महानिदेशक को दर्ज एफआईआर की जांच के लिए 24 घंटे के भीतर महानिरीक्षक रैंक के अधिकारी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय एसआईटी गठित करने का आदेश दिया था, जिसमें एक पुलिस अधीक्षक रैंक की महिला अधिकारी शामिल हो। पुलिस महानिदेशक ने एसआईटी गठन के आदेश जारी करते हुए कहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने 21 मई को पारित एक आदेश के अनुपालन में आइपीएस ममता सिंह की अगुवाई में बनाया गया विशेष जांच दल 17 मई को दर्ज एफआईआर के मामले में जांच करेगा।

छत्तीसगढ़ के तुमरेल मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर, एक जवान बलिदान

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा-बीजापुर जिले की सीमा पर तुमरेल के जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया है। मुठभेड़ स्थल का सर्च करने पर अब तक एक नक्सली का शव हथियार एवं अन्य नक्सल सामग्री बरामद हुई है। मारे गये नक्सली के शव की शिनाख्त की जा रही है। वहीं मुठभेड़ में 210 वाहिनी कोबरा के 3 जवान घायल हो गए। उन्हें प्राथमिक उपचार के उपरांत बेहतर इलाज के लिये रायपुर रवाना करते समय घायल एक जवान का बलिदान हो गया। अन्य घायल दो जवानों को रायपुर रवाना कर दिया गया है। सुकमा एसपी किरण चौहान ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि सुकमा डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा की संयुक्त पुलिस पार्टी इलाके की सर्चिंग पर निकली थी। आज सुबह जंगल में छिपे नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक नक्सली मारा गया। वहीं कोबरा का एक जवान बलिदान हो गया है।

भाखड़ा बांध पर सीआईएसएफ की तैनाती का पंजाब सरकार ने किया विरोध

चंडीगढ़। भाखड़ा डैम की सुरक्षा में सीआईएसएफ की तैनाती के फैसले का पंजाब सरकार ने विरोध शुरू कर दिया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्र सरकार को फैसला वापस लेने की मांग करते हुए परोक्ष रूप से चेतावनी भी दी है। उन्होंने कहा कि भाखड़ा डैम पर सीआईएसएफ को तैनात किये जाने के बावजूद पंजाब पुलिस का पहरा रहेगा। केंद्रीय बलों की तैनाती के खर्च के तौर पर पंजाब सरकार केंद्र को कोई पैसा नहीं देगी। संगरूर में पत्रकारों से बातचीत में भगवंत मान ने कहा कि हमारे पास किसी अन्य राज्य को देने के लिए एक बूंद अतिरिक्त पानी है और न ही जबरन तैनात की जा रही सीआईएसएफ के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को देने के लिए कोई पैसा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार यह रकम कभी भी अदा नहीं करेगी, क्योंकि केंद्र सरकार बांध पर केंद्रीय बलों को तैनात करके राज्य के पानी को चुराने की नीयत से यह घटिया चाल चल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे आने वाले शनिवार को होने वाली नीति आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री के सामने इस मुद्दे को जोरदार ढंग से उठाएंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि भाजपा राज्य के सख्त खिलाफ है, क्योंकि पंजाब के लोगों ने उन्हें कभी वोट नहीं दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाखड़ा बांध पर सीआईएसएफ के 296 पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे, जिस पर राज्य को 8.58 करोड़ रुपये का खर्च देना पड़ेगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि जब पंजाब पुलिस पहले ही बांध की सुरक्षा को मुफ्त में सुनिश्चित कर रही है, तो हम यह पैसा बीबीएमबी को क्यों दें।

श्री हेमकुंड साहिब के लिए पहला जत्था रवाना, राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

देहरादून। राज्यपाल सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकेश से पंज प्यारों की अगुवाई में श्री हेमकुंड साहिब यात्रा के लिए जाने वाले प्रथम जत्थे को रवाना किया। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने यात्रा के लिए जाने वाले संगतों के प्रथम जत्थे को शुभकामनाएं दीं और उनके सुगम-सुरक्षित यात्रा की कामना की। राज्यपाल ने कहा कि श्री हेमकुंड साहिब की यह यात्रा आस्था, भक्ति और विश्वास की प्रतीक है। 15 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित यह तीर्थ स्थल तक की लगभग 18 किलोमीटर की कठिन पैदल यात्रा हर श्रद्धालु की धैर्य, साहस और आस्था की परीक्षा है। उन्होंने सिख गुरुओं के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि ''स्वाभिमान, साहस, बलिदान, परिश्रम और सेवा'' सिख परंपरा के मूल स्तंभ हैं। उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह जी की वाणी ''निश्चय कर अपनी जीत करौं'' को आत्मसात करते हुए श्रद्धालुओं से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि सरकार श्री हेमकुण्ट साहिब यात्रा को अधिक सरल, सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

एक देश,एक चुनाव पर छह माह में राज्य देंगे विस्तृत रिपोर्ट : पीपी चौधरी

एजेंसी

देहरादून। संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने एक देश,एक चुनाव पर जोर देते हुए कहा है कि यह मुद्दा देश हित का है। इसलिए, जो भी फैसला आने वाले दिनों में किया जाएगा, उसमें देशहित ही सर्वोपरि रहेगा। समिति ने उत्तराखंड समेत सभी राज्यों से एक साथ चुनाव के नफा-नुकसान पर विस्तृत रिपोर्ट देने के लिए कहा है। राज्यों से अपेक्षा की गई है कि वे छह महीने के भीतर यह रिपोर्ट समिति को सौंप देंगे। संपूर्ण देश में एक साथ चुनाव कराने के संबंध में संविधान (129 वां संशोधन) विधेयक 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून(संशोधन) विधेयक 2024 पर फीडबैक लेने के लिए संयुक्त संसदीय समिति की बैठक का सिलसिला 21 मई को शुरू हुआ था।

कई चरणों में आयोजित दो दिनी बैठक का गुरुवार को समापन हो गया। आज मीडिया से बातचीत में समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने दो दिन के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि समिति ने अभी तक महाराष्ट्र और उत्तराखंड राज्य से एक देश एक चुनाव पर फीडबैक लिया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1967 तक लोकसभा व विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होते थे। मगर इसके बाद सर्कल बिगड़ गया। वर्ष 1994 से एक साथ चुनाव के लिए कोशिशें हुईं थीं, लेकिन यह परवान नहीं चढ़ पाई। उन्होंने कहा कि इस वक्त फिर से चुनाव व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन के लिए यह कवायद की जा रही है। उन्होंने कहा कि समिति अपने स्तर से तो फीडबैक ले ही रही है। सभी राज्यों से कहा गया है कि एक साथ चुनाव के प्रत्यक्ष व परोक्ष लाभ-हानि पर विस्तृत अध्ययन कर रिपोर्ट प्रेषित करें,ताकि समिति को अपनी रिपोर्ट और बेहतर बनाने में सहयोग मिल पाए। संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी का कहना है कि रिपोर्ट तैयार करने के मामले में समिति के सामने कोई टाइमलाइन फिक्स नहीं है। समिति किसी भी तरह की जल्दबाजी में नहीं है।

उप्रः आंधी के बाद झांसी के मंदिर परिसर में मृत पड़े मिले एक हजार करीब तोते

एजेंसी

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में भीषण आंधी तूफान से मंदिर प्रांगण में लगे पीपल के पेड़ पर बैठे सैकड़ों की तादाद में तोतों की मौत हो गयी। वन विभाग की टीम द्वारा कुछ जीवित बचे घायल तोतों का इलाज कराया गया। आशंका है कि देर रात चली आंधी और आकाशीय बिजली कौंधने की वजह से तोते एक दूसरे से टकरा गए होंगे। इस कारण उनकी मौत हो गयी। दूसरी ओर बर्ड फ्लू का अंदेशा भी जताया जा रहा है। पशु चिकित्साधिकारी चंद्रप्रकाश ने कहा कि पोस्टमार्टम के बाद तोतों का बिसरा और सैंपल जांच के लिए भोपाल लैब भेजे गये हैं। इससे मौत की वजह स्पष्ट हो जाएगी। उधर एक साथ भारी संख्या में तोतों की मौत से क्षेत्र में खलबली का आलम हैं।झांसी जिले में गुरसराए ब्लॉक स्थित सिंगार गांव में एक मंदिर में एक प्राचीन पीपल का पेड़ लगा हुआ है। इस पर बड़ी संख्या में तोते रहते हैं। आई आंधी तूफान के बाद जब सुबह लोग मंदिर पूजा में लिए पहुंचे तो मंदिर के आंगन में सैकड़ों की तादाद में तोते जमीन पर मरे हुए पड़े दिखाई दिए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पीपल के नीचे करीब 50 मीटर के क्षेत्र में सिर्फ तोते ही पडे थे।

क्षेत्रीय वन अधिकारी अवधेश प्रताप सिंह बुंदेला के नेतृत्व में एक टीम मौके पर पहुंची जो जीवित जख्मी तोतों को इलाज के लिए ले गई। इसके अलावा कुछ मृत तोतों को पोस्टमार्टम के लिए बांमौर पशु चिकित्सालय भेजा गया। तोतों के इतनी बड़ी संख्या में मरने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है, लेकिन आश्चर्य इस बात का है कि केवल एक पेड़ के सिवाय किसी पास के अन्य पेड़ पर किसी तोते या फिर किसी दूसरे पक्षी की मौत नहीं हुई।

प्रतिनिधिमंडल में विदेश जाने वाले राजनैतिक दल के सदस्य नहीं, सभी भारतवासी : दुष्यंत गौतम

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रभारी और राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत कुमार गौतम ने गुरुवार को विपक्ष की कांग्रेस पार्टी पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि विदेश जाने वाले प्रतिनिधिमंडल में सभी भारतवासी होते हैं, राजनैतिक दल के सदस्य नहीं। प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम आज तिरंगा शौर्य यात्रा में शामिल होने के लिए देहरादून पहुंचे हैं। इस दौरान प्रदेश प्रभारी गौतम ने पार्टी मुख्यालय में विभिन्न मुद्दों पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए यह बातें कहीं। उन्होंने विदेश जाने वाले प्रतिनिधिमंडल को लेकर कांग्रेस की अपत्ति पर पलटवार करते हुए कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है, हम देश में अलग-अलग पार्टी हो सकते हैं लेकिन विदेश में पार्टी नहीं एक देश के प्रतिनिधि हैं। इसी तरह नरसिम्हा राव की सरकार में अटल बिहारी वाजपेई भी प्रतिदिधिमंडल में प्रतिनिधि बनकर विदेश गए थे। तब भी उन पर प्रश्नचिन्ह लगाए गए, खासकर विदेश में। तब अटल जी ने भी कहा था कि मैं देश के अन्दर राजनैतिक विरोधी दल की भूमिका में हूं, लेकिन बाहर में भारतवासी हूं। इसलिए जो विरोधी दल हम पर प्रश्न उठा रहे हैं उनको भी एकता दिखानी चाहिए। आज पाकिस्तान घबराया हुआ और परेशान है, ऐसे में उनका मनोबल बढ़ाने वाली बयानबाजियों से बचना चाहिए। अन्यथा देश की जनता समय-समय पर उनको माकूल जवाब देती रहेगी। प्रदेश प्रभारी गौतम ने तिरंगा यात्रा को लेकर कहा कि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने जो गौरवशाली कार्य किया है, उससे देश के सम्मान में वृद्धि हुई है। हमारी माताओं, बहनों का सिंदूर उजाड़ा गया और पाकिस्तान का उसमें सीधा-सीधा हाथ दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि विश्व ने देखा है जिन आतंकवादियों को हमारी सेना ने मारा, उनके जनाजे पर कलमा पढ़ने वालों में पाकिस्तान सरकार के मंत्री,बड़े बड़े सेना अधिकारी और आतंकवादी नजर आए। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्ग डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, लेक्चर, अधिवक्ता और उसके साथ-साथ अर्ध सैनिक बल, व्यापारी वर्ग, आम नागरिक तिरंगा यात्रा में शामिल हो रहे हैं। हम जनता के इसी उत्साह को बूथ लेवल तक जनता के मध्य पहुंच रहे हैं। प्रदेश प्रभारी ने प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर पूछे सवाल का जवाब देते हुए कहा कि संगठन चुनाव की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। चौदह राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं और शेष के कार्यक्रम की जानकारी शीघ्र जारी कर दी जाएगी। चूंकि पहलगाम में हुई आतंकवादी घटना का ज़बाब देना बहुत आवश्यक था। इस दौरान संगठन कार्य को कुछ समय के लिए स्थगित किया गया था और अब शेष प्रक्रिया की जल्दी घोषणा हो जाएगी।

अहिल्याबाई होल्कर के योगदान और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ताः योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कार्यकर्ता महारानी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा समाज के प्रति किए योगदान और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाएं। महापुरुषों को जाति, मत या मजहब के आधार पर बांटा नहीं जा सकता। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अगले 10 दिनों तक जन-जन तक जाकर माता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन और योगदान के बारे में बताएं। देशभर में 21 से 31 मई तक अहिल्याबाई होल्कर के सम्मान में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वह गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित पुण्यश्लोक महारानी अहिल्याबाई होल्कर की जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान के अंतर्गत एक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछ्ली सरकारों ने महापुरुषों को जाति, मत व मजहब के आधार विभाजित करने का प्रयास किया। विशेष रूप से समाजवादी पार्टी के शासनकाल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि औरैया में माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर स्थापित डिग्री कॉलेज का नाम बदल दिया गया। उन्होंने घोषणा की कि वर्तमान सरकार ने औरैया के मेडिकल कॉलेज का नाम माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर रखने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने माता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन और योगदान पर विस्तार से प्रकाश

डाला। उन्होंने बताया कि अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को हुआ था। छोटी उम्र में विवाह के बावजूद उन्होंने अपनी शिक्षा जारी रखी और 1725 से 1795 तक अपने 70 वर्ष के जीवनकाल में आदर्श शासन व्यवस्था स्थापित की। उन्होंने किसानों, नौजवानों, कारीगरों, हस्तशिल्पियों और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उल्लेखनीय कार्य किए।

गुजरात के रेल परिदृश्य में बदलाव, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत डाकोर स्टेशन का पुनर्विकास

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुनर्विकसित 103 अमृत स्टेशनों का उद्घाटन किया। ये स्टेशन देश के 18 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 86 जिलों में स्थित हैं। इन 103 अमृत रेलवे स्टेशनों में से एक है गुजरात का डाकोर स्टेशन। द्व इसके विकास से अब श्री रणछोड़राय मंदिर में आने वाले भक्तों को काफी सुविधा मिलेगी।प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतीय रेलवे ने एक और मील का पत्थर हासिल किया है। पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के डाकोर स्टेशन का पुनर्विकास अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत किया गया है। इस योजना का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं और क्षेत्रीय वास्तुकला के साथ विकसित करना है। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर कहा कि इन स्टेशनों का पुनर्विकास देश के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह योजना न केवल रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाएगी, बल्कि क्षेत्रीय विकास को भी बढ़ावा देगी। अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत 1,300 से अधिक स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्विकसित किया जा रहा है, जिन्हें क्षेत्रीय वास्तुकला को दर्शाने और यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इन स्टेशनों के विकास से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में सुधार होगा। साथ ही, इससे पर्यटन और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। डाकोर स्टेशन का पुनर्विकास 5.88 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। इस स्टेशन को अब एक आधुनिक और समावेशी ट्रांजिट पॉइंट में बदल दिया गया है। स्टेशन के प्लेटफॉर्म को पुनर्निर्मित किया गया है और दिव्यांग यात्रियों के लिए आराम और पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्पर्शनीय मार्गदर्शन टाइल, चेतावनी टाइल और कम ऊंचाई वाले पानी के नल लगाए गए हैं।

मध्य प्रदेश में अब आधुनिक रेल कोच भी बनाए जाएंगेः मुख्यमंत्री

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को दुनिया का अग्रणी देश बनाने का संकल्प लिया है। बदलते दौर में उनके नेतृत्व में भारत तेजी से बदल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी सोच की बदौलत भारतीय रेल को नया स्वरूप मिला है। भारतीय रेलवे के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। देशभर में नई रेलवे लाइन बिछाई जा रही है। आजादी के बाद नैरोगेज से ब्रॉडगेज तक आने में रेलवे को 100 साल लग गए। लेकिन पिछले 11 साल में देशभर में हजारों किलोमीटर लंबे ट्रैक को तीन और चार लेन रेलवे लाइन बनाया गया है। मध्य

प्रदेश सरकार ने बीईएमएल को रेल कोच निर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए जमीन उपलब्ध कराई है। अब मध्य प्रदेश में आधुनिक रेल कोच भी बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को नर्मदापुरम अमृत स्टेशन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के बीकानेर में आयोजित कार्यक्रम से देश के 103 अमृत स्टेशनों के वर्चुअल उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन पर उपस्थित होकर उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रदेश के नर्मदापुरम, कटनी, ओरछा, सिवनी, शाजापुर और श्रीधाम अमृत स्टेशनों का उद्घाटन हुआ। सभी स्टेशन अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे। इन स्टेशनों में भारतीय संस्कृति, विरासत और यात्री सुविधाओं का समावेश किया गया है। नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन के उद्घाटन समारोह में प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री डॉ. राकेश सिंह, सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीताशरण शर्मा तथा स्थानीय विधायक उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत भारत के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 86 जिलों में स्थित 103 अमृत स्टेशनों को 1100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है।

बिहार के रामजी ने नासा की वेबसाइट को हैंकिंग से बचाया, 'हॉल ऑफ फेम' से हुये सम्मानित

एजेंसी

पटना। बिहार के समस्तीपुर जिले के रामजी राज ने कुछ ऐसा कर दिखाया है कि उनकी चर्चा विदेशों में हो रही है। रामजी ने नासा की वेबसाइट में एक गंभीर तकनीकी खामी (बग) का पता लगाकर न केवल उसे हैकिंग से बचाया, बल्कि उसे सुधारने की प्रक्रिया में भी सक्रिय योगदान दिया। इसके बदले में नासा ने उन्हें 'हॉल ऑफ फेम' में स्थान देकर सम्मानित किया है।

रामजी ने बताया कि उन्होंने 14 मई की रात लगभग 2 बजे साइबर सिक्योरिटी संबंधित अपनी खोज शुरू की। इस दौरान उन्होंने लगभग 50 वेबसाइटों को स्कैन किया, जिनमें नासा की आधिकारिक वेबसाइट भी शामिल थी। उन्हें इसमें एक खामी दिखी, जिसे उन्होंने तुरंत न केवल हैक करके परखा, बल्कि मेल के जरिए नासा को रिपोर्ट भी

भेजी। उनकी रिपोर्ट को नासा ने 19 मई की दोपहर को आधिकारिक रूप से स्वीकार करते हुए वेबसाइट की सुरक्षा में सुधार किया। इसके बाद रामजी का नाम उन चुनिंदा हैकर्स की सूची में दर्ज किया गया, जो हैकर के रूप में इंटरनेट की दुनिया को सुरक्षित बनाने के लिए कार्य करते हैं।

सबसे पहले स्कूल की पेमेंट वेबसाइट को किया था हैक

रामजी बताते हैं कि वे बचपन से ही वीडियो गेम के शौकीन रहे हैं। गेम खेलते हुए ही उन्हें गेम डेवलपमेंट में रुचि जगी और यहीं से उनकी तकनीकी यात्रा की शुरुआत हुई। उन्होंने स्कूल की पढ़ाई के साथ-साथ इंटरनेट से कोडिंग सीखी और स्व-शिक्षा के माध्यम से खुद को विकसित किया। अपने शुरुआती प्रयासों में उन्होंने अपने स्कूल की पेमेंट वेबसाइट को सफलतापूर्वक हैक किया था। जब उन्होंने इसकी जानकारी अपने शिक्षक को दी, तो उन्हें सराहना और प्रोत्साहन मिला, जिससे उनका आत्मविश्वास और बढ़ा।

कृषि क्षेत्र के विकास के लिए स्टार्टअप पर कर रहे है काम

रामजी वर्तमान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के माध्यम से कृषि क्षेत्र के विकास के लिए एक स्टार्टअप पर काम कर रहे हैं। वे मानते हैं कि एआई ही भविष्य है और देश को इसमें अग्रणी बनने के लिए सुरक्षित साइबर स्पेस की जरूरत है। रामजी ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यमों से देशभर के छात्रों, छात्राओं और पुलिस अधिकारियों को साइबर सुरक्षा से संबंधित ट्रेनिंग दे रहे हैं। हाल ही में उन्होंने गुजरात पुलिस को साइबर सुरक्षा का प्रशिक्षण दिया। इसके अलावा, भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने उनके जीवन पर एक फिल्म भी बनाई है।

प्रत्येक ग्रामीण परिवार की एक महिला को बनाएं स्वयं सहायता समूह का सदस्य : अनुप्रिया पटेल

एजेंसी

मीरजापुर। केन्द्रीय राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक, अनुप्रिया पटेल ने इंजीनियरिंग कालेज में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें जनपद में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में उन्होंने मनरेगा के तहत कराए जा रहे कार्यों, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित समूहों की प्रगति, और बिजली कटौती के मुद्दों पर चर्चा की। केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि प्रत्येक ग्रामीण परिवार की कम से कम एक महिला को स्वयं सहायता समूह का सदस्य बनाना चाहिए ताकि वे अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निष्क्रिय समूहों को सक्रिय किया जाए और उन्हें रोजगार से जोड़ा जाए। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने जानकारी दी कि जिले में 15,400

स्वयं सहायता समूह गठित किए गए हैं, जिसमें 1,84,800 परिवार शामिल हैं और 13,201 समूहों को रिवॉल्विंग फंड प्राप्त हुआ है। उन्होंने बनारसी साड़ी की बुनाई जैसे पारंपरिक कारीगरी को बढ़ावा देने की बात भी की, जिससे महिलाएं रोजगार से जुड़ सकें। इसके अलावा मंत्री ने इंजीनियरिंग कालेज और मेडिकल कालेज में प्रेरणा कैण्टीन खोलने का सुझाव दिया ताकि महिलाएं रोजगार से जुड़कर अपनी आजीविका चला सकें।राज्यमंत्री ने जल संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि क्लस्टर में तालाबों को जोड़ने और खेत तालाबों का निर्माण कराया जाए। उन्होंने कहा कि जल संचयन और जल संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। मनरेगा के तहत इस तरह के कार्यों को प्राथमिकता दी जाए, जिससे रोजगार के अवसर भी बढ़ें और जल संकट की समस्या का समाधान हो सके। नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती बिजली कटौती पर मंत्री ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में बिजली की समस्या को तत्काल हल किया जाए। मुख्य अभियन्ता विद्युत को निर्देश देते हुए कहा कि 48 घंटे के भीतर इस समस्या को सुलझाया जाए। मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि बिजली विभाग के अधिकारी जनता की समस्याओं का समाधान करें और किसी भी जनप्रतिनिधि के फोन का तुरंत उत्तर दें।

वाराणसी से गिरफ्तार पाकिस्तानी जासूस तुफैल 600 पाकिस्तानियों से था संपर्क में

एजेंसी

वाराणसी। जैतपुरा थाना क्षेत्र के दोषीपुरा से गिरफ्तार तुफैल, जो पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रहा था, के संपर्क में 600 से अधिक पाकिस्तानी नागरिक थे। इनमें एक नफीसा नाम की महिला भी शामिल है, जिसके पति का संबंध पाकिस्तानी सेना से है। उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) द्वारा गिरफ्तार तुफैल आतंकी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक के नेता मौलाना शाद रिजवी के वीडियो और भड़काऊ संदेशों को नियमित रूप से सोशल मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुपों में साझा करता था। वह भारत में शरीयत कानून लागू करने, 'गजवा-ए-हिंद' और बाबरी मस्जिद का बदला लेने जैसे उग्र विचारधारा से जुड़े संदेश भी प्रसारित करता रहा।

संवेदनशील स्थलों की जानकारी साझा की

तुफैल ने वाराणसी के राजघाट, नमो घाट, ज्ञानवापी मस्जिद, रेलवे स्टेशन और जामा मस्जिद जैसे महत्वपूर्ण स्थलों की तस्वीरें और जानकारियां पाकिस्तानी नंबरों पर भेजी थीं। वह पाकिस्तान से संचालित व्हाट्सएप ग्रुपों में भी सक्रिय रूप से शामिल था और भारत की आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी सूचनाएं साझा करता था। एटीएस की वाराणसी यूनिट तुफैल पर लंबे समय से निगरानी रख रही थी। पुख्ता सबूत मिलने के बाद ही उसे गिरफ्तार किया गया। उसके पास से मोबाइल फोन, सिम कार्ड और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त कर लिए गए हैं।

धुले कैश कांड की जांच के लिए एसआईटी गठित करने का फैसला : सीएम फडणवीस

एजेंसी

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि धुले में विधानमंडल की समिति पर लगे रिश्वतखोरी के आरोपों की जांच के लिए एसआईटी गठित की जाएगी, क्योंकि यह एक गंभीर घटना है। उन्होंने कहा कि इस बात की जांच की जाएगी कि पैसे कहां से आए और क्या किसी ने इसकी मांग की थी।महाराष्ट्र विधानमंडल के प्रवक्ता नीलेश मदाने ने बताया कि विधानपरिषद के सभापति राम शिंदे ने विधानमंडल की प्राक्कलन समिति पर रिश्वतखोरी के आरोप लगने के बाद आरोपित अधिकारी किशोर पाटील को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इस मामले की जांच की जा रही है। दरअसल, शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि जब विधानमंडल की प्राक्कलन समिति ने बुधवार को धुले जिले का दौरा किया, तब समिति को रिश्वत देने के लिए धुले के सरकारी विश्राम गृह गुलमोहर के कमरा नंबर 102 में लगभग साढ़े पांच करोड़ रुपये रखे गए थे। उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने धुले जिले के दौरे के दौरान राज्य विधानमंडल की प्राक्कलन समिति को 'रिश्वत' देने की कोशिश को नाकाम कर दिया। राउत ने कहा कि शिवसेना के पूर्व विधायक अनिल अन्ना गोटे और स्थानीय शिवसेना (उबाठा) नेताओं ने कमरे को बंद कर दिया और बाहर पहरा देने लगे। उन्होंने आरोप लगाया कि जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को सूचित करने के बावजूद चार से पांच घंटे बीत गए और कोई नहीं आया। प्रशासन की ओर से कोई सहयोग नहीं मिला। रिश्वत का उद्देश्य विकास कार्यों में भ्रष्टाचार और इसमें अधिकारियों की संलिप्तता की बात को दबाना था। अनिल गोटे ने संवाददाताओं से कहा कि धुले अतिथि गृह में कमरा 102 खोतकर के पीए किशोर पाटिल के नाम पर बुक किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि समिति के सदस्यों को वितरित करने के लिए कमरे में रुपया रखा गया था। इस बीच धुले के पुलिस अधीक्षक श्रीकांत धीवरे ने पत्रकारों को बताया कि इस मामले की जांच की जा रही है। हालांकि, विधानमंडल प्राक्कलन समिति के अध्यक्ष अर्जुन खोतकर ने इस घटना को खारिज कर दिया है। खोतकर ने संवाददाताओं से कहा कि धुले अतिथि गृह में मिले पैसे का समिति से कोई लेना-देना नहीं है। राउत ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि जिस व्यक्ति के नाम पर कमरा (102) बुक किया गया था, उसकी जांच होनी चाहिए। इसके बाद मुख्यमंत्री ने इस मामले की एसआईटी जांच की घोषणा की है।

कसौटी जीवनसाथी की

हम सभी चाहते हैं हमें मिले एक ऐसा जीवनसाथी जिसके साथ जिंदगी एक खूबसूरत सफर बन जाए। अब सवाल यह उठता है कि सही जीवनसाथी का पैमाना क्या है। एक ऐसा हमसफर तलाश करना, जो आपके हर सुख-दुख का साथी बने, अंतर्मन को समझे और जिंदगी में आपकी ताकत बन सके, आसान नहीं होता। किसी भी शख्स को समझने में समय लगता है। यद्यपि इस मामले में हम अपने दिल की सुनते हैं, पर अंतिम निर्णय पर पहुंचने से पहले भली प्रकार सोच-विचार करना आवश्यक है। कोई शख्स आपके लिए सही जीवनसाथी है, इस संबंध में फैसला लेने के लिए कुछ बातों पर अवश्य गौर करें:

आप दोनों एक-दूसरे का सम्मान करते हैं

आप दोनों की नजर में एक-दूसरे के लिए सम्मान का भाव होना जरूरी है। वह आपकी इज्जत करें और आप उनकी, तभी सफल हो सकता है

आपका दांपत्य।

उनके मन में आपके लिए कितनी इज्जत है, इसका निर्णय आप स्वयं कर सकती हैं, यदि

- वह समझौता करने के लिए तैयार हैं
- उन्हें आपकी भावनाओं की फिक्र है
- अगर आपके साथ कुछ गलत होता है तो वह आपसे इस बारे में पूछते हैं
- आपकी राय को महत्त्व देते हैं
- आपके प्रति प्रशंसा का भाव रखते हैं
- जब आपको किसी प्रकार की सफलता मिलती हैं तो उन्हें खुशी मिलती है

अगर एक-दूसरे की सफलता को देखकर आपके मन में उत्साह और सहयोग की भावना उत्पन्न होने के बजाय ईर्ष्या का भाव पैदा होता है तो आपको कुछ क्षणों के लिए रुककर यह विचार करने की आवश्यकता है कि क्या वास्तव में आपके हृदय में एक-दूसरे के लिए सम्मान है।

उनमें वे गुण हैं,

जिनकी आपको तलाश है

आपको पूर्व में ही भली प्रकार यह पता होना चाहिए कि अपने हमसफर में आप कौन से गुण देखना चाहती हैं। अगर आपको यह पता होगा कि आप किन गुणों की तलाश में हैं तो आपको यह फैसला लेने में मदद मिलेगी कि वह शख्स आपके लिए सही है। इस संबंध में आप एक लिस्ट भी तैयार कर सकती हैं। अपने होने वाले जीवनसाथी में जिन दस गुणों को देखना चाहती हैं, उन्हें सूचीबद्ध करें। जो गुण आपके लिए अधिक मायने रखते हैं, उन्हें इस सूची में क्रम से ऊपर रखें। इस सूची पर एक बार पुनः निगाह डालें और जो गुण आपके लिए बहुत अधिक मायने नहीं रखते उन्हें काट दें। कुछ गुणों को लेकर समझौता भी किया जा सकता है। यदि ऐसा है तो उन्हें आप लिस्ट से हटा भी सकती हैं। इस तरह आप उन पांच अहम् गुणों को चिन्हित कर पाएंगी, जिनको लेकर किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता।

यह सब करने के दरम्यान आपको दो अहम् बातें ध्यान में रखनी होंगी। पहला, कोई भी इंसान संपूर्ण नहीं है। अगर आप अपने लिए मिस्टर परफेक्ट की तलाश में हैं तो आपको इस तलाश पर विराम लगाना होगा और यह समझना होगा कि परफेक्शन जैसी कोई चीज है ही नहीं। इसके साथ ही आपके मन मस्तिष्क में यह स्पष्ट होना चाहिए कि किसी भी स्थिति में आपको कोई समझौता नहीं करना है। चूंकि वह शख्स एक अच्छा विकल्प है, इसलिए आपने उसे हमसफर के रूप में स्वीकार किया, इस सोच के साथ आगे बढ़ना ठीक नहीं है। आपके भीतर इस बात का विश्वास होना चाहिए कि आपने उन्हें सिर्फ अच्छा विकल्प मानकर अपना हमसफर नहीं चुना है, बल्कि वह वास्तव में आपके लिए सही शख्स हैं।

यह विचार करें कि जो शख्स आपके सामने है, उसमें क्या वे पांच जरूरी गुण हैं, जिन्हें लेकर आप कोई समझौता नहीं करना चाहती हैं। अगर वह आपके उस सांचे में फिट नहीं है तो इस बात की संभावना अधिक है कि वह आपके लिए सही जीवनसाथी नहीं है। कई बार ऐसा होता है कि किसी प्रभाव में आकर हम अपने मानक बदलने को तैयार हो जाते हैं, पर किसी की खातिर आपको अपने मानक कभी नहीं बदलने चाहिए। आप किसी इंसान को वह बनने पर मजबूर नहीं कर सकतीं, जो वह नहीं है। यदि वह शख्स लिस्ट में मौजूद पांच महत्वपूर्ण गुणों की कसौटी पर खरा उतरता है तो इस बात की संभावना अधिक है कि वह आपके लिए सही हमसफर साबित होगा।

आप दोनों के मूल्य एक जैसे हैं

आप अपनी जिंदगी में किन चीजों को सबसे ज्यादा महत्व देती हैं ? आप अपनी जिंदगी को किन मूल्यों और आदर्शों के अनुसार जीने का ख्वाब देखती हैं ? ये सवाल अहम् हैं। जिस तरह आप कुछ अनिवार्य गुणों के आधार पर यह परखने का प्रयास करती हैं कि कोई शख्स आपके लिए सही है, ठीक उसी प्रकार आपको सही फैसला लेने में मदद करेंगे आपके जीवन मूल्य। अगर आपके मूल्य एक जैसे नहीं हैं तो आगाह हो जाएं। वास्तव में हमारे मूल्य परिभाषित करते हैं व्यक्तित्व को। अगर किसी को खुश करने के लिए आप अपने आदर्शो और मूल्यों को बदलने को तैयार हो जाती हैं तो इसका अर्थ हुआ कि आप खुद को बदलने की कोशिश कर रही हैं। किसी भी रिश्ते में ऐसा करना ठीक नहींहै।

जीवन मूल्यों को लेकर काफी पहले ही आपस में विचार-विमर्श कर लेना चाहिए। यह कयास लगाने की कोशिश न करें कि उनके लिए जीवन में सबसे महत्वपूर्ण क्या है। बेहतर होगा कि इस संबंध में उनसे खुलकर पूछें। अगर जीवन मूल्यों को लेकर उनका कोई नजरिया ही नहीं है या वह आपको इस बारे में बता पाने में सक्षम नहीं हैं तो आपको सचेत हो जाना चाहिए। एक सशक्त व्यक्तित्व का स्वामी वही है, जो परिस्थितियों के अनुसार अपना व्यवहार ढाल सके, पर जीवन मूल्यों को लेकर उसका नजरिया स्पष्ट होना चाहिए।

तर्मन की आवाज

अपने अंतर्मन की आवाज की कभी उपेक्षा नहींकरनी चाहिए। इसके साथ ही साथ आपको इस बात का भी ख्याल रखना चाहिए कि आपके फैसले का आधार सिर्फ वही तो नहीं है। जीवनसाथी का चुनाव करते समय आप अपने अंतर्मन पर भरोसा कर सकती हैं। किसी शख्स के बाह्यं व्यक्तित्व के प्रति आकर्षण से आगे जाकर उसे समझने में मदद करता है आपका अंतर्मन। कई बार हमें आभास हो जाता है कि कोई शख्स हमारे लिए सही है या नहीं। कभी-कभी ऐसा हो सकता है कि कोई व्यक्ति स्वयं को उस रूप में पेश करने की कोशिश करे जो वह नहींहै। ऐसे में भावी जीवनसाथी के बारे में कोई फैसला लेने में अंतर्मन की आवाज काम आती है।

उनके साथ रहने पर आपको कोई दिखावा न करना पड़े

यदि कोई शख्स आपको बदलने की कोशिश करता है तो इसका अर्थ हुआ कि उसकी नजर में आपका अपना कोई महत्व नहीं है। असल में आप जैसी हैं, वैसे ही उनके साथ भी रहती हैं और उन्हें इस बात से कोई फर्क नहींपड़ता तो यह संकेत है कि वह आपके लिए सही हमसफर हो सकते हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि उन्होंने आपको न सिर्फ आपकी अच्छाईयों के साथ स्वीकार किया है, बल्कि आपकी कमजोरियों के साथ भी अपनाया है। अगर उनके साथ रहते हुए आप दिखावे से दूर व सहज रह सकें तो आपको अपने अनुसार जिंदगी जीने की आजादी महसूस होगी। आपको यह लगेगा कि उन्होंने आपको उसी रूप में स्वीकार किया है जैसी आप हैं।

सच्चे हमसफर की तलाश के दौरान उपरोक्त बातों को ध्यान में रखना आपके लिए होगा मददगार। इसमें कोई दो राय नहीं कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान, चाहत, विश्वास और जिंदगी को लेकर साझा आदर्शो और प्राथमिकताओं की मजबूत बुनियाद पर ही खड़ी होती है सफल दांपत्य की इमारत।

दिल को देखो, चेहरा न देखो

शादी एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। एक अनजान से जिंदगीभर का साथ निभाना आसान काम नहीं है। मेरे ख्याल से अपने संभावित हमसफर में यह चीज ढूंढने की कोशिश करें कि वह आपका सम्मान करता है कि नहीं। चाहे आप कामकाजी हों या हाउसवाइफ रहने वाली हों। वह आपको आपके मौजूदा रूप में स्वीकार करने की स्थिति में है तो समझें कि आप दोनों की खूब जमने वाली है। मामला थोड़ा भी आपको चेंज करने वाला हो तो समझ लें कि कुछ गड़बड़ होगी। इसलिए मुझे ऐसे साथी की तलाश है, जो मुझे मेरे रूप में स्वीकारे। मुझे पूरा सम्मान दे, मुझे समझे। मेरी कमजोरियों का इस्तेमाल मेरे खिलाफ न करे। हालांकि ऐसे लड़के का मिलना मुश्किल होता है, पर अगर परफेक्ट वन की बात करें तो मेरे ख्याल से उसमें उपरोक्त खूबी होनी चाहिए। लुक पर न जाएं। देखें कि उसका दिल सच्चा है कि नहीं। इस संदर्भ में मशहूर गाना बिल्कुल सटीक बैठता है कि दिल को देखो, चेहरा न देखो, चेहरों ने लाखों को लूटा, दिल सच्चा और चेहरा झूठा।

अनुष्का शर्मा, अभिनेत्री

जजमेंटल न हो

ठीक ही कहा गया है हर बीमारी का इलाज है, पर शक का कोई ईलाज नहीं। कहने का तात्पर्य यह कि अगर किसी को शक्की हमसफर मिल जाए तो दूसरे साथी की जिंदगी तबाह होनी ही है। सिद्धार्थ के रूप में मुझे ऐसा हमसफर मिला, जो जजमेंटल नहीं है। शक की बीमारी नहीं है, जो बहुत कम लोगों में देखा जाता है। खासकर जिसकी बीवी खूबसूरत और सोशल लाइफ में काफी सक्रिय हो। वे मेरे, दोस्तों और अपने सहकर्मियों के संग समान भाव से पेश आते हैं। हर किसी के साथ अलग-अलग अवतार नहीं लेते। वे अपनी बातें दूसरों के ऊपर नहीं थोपते। शादी के बाद भी उन्होंने मुझे पूरी आजादी दी है कि मैं शादी से पहले जैसी थी, वैसी ही रहूं। वे सामने वाले को भी अपनी बातें रखने का पूरा समय देते हैं। इस तरह का विश्वास ही किसी भी तरह की पति-पत्नी के बीच रिश्ते को गहरा करता है। देखा जाता है कि ज्यादा पढ़े लिखे लोग बात-बात पर जजमेंटल हो जाते हैं। वह गलत है। बेहतर तरीका यह है कि किसी के बारे में ठीक-ठाक अनुमान लगाने के लिए आप खुद को सामने वाली की जगह रखकर देखिए। आपको उसकी वस्तुस्थिति का पता चल जाएगा। इनसेक्योरिटी दूसरा पहलू है। यह सुनिश्चित करें कि आप जिसके साथ फेरे लेने वाली हों वह इनसेक्योर शख्स न हो तो आप की शादीशुदा जिंदगी आसानी से चलती रहेगी।

घर सजाने के दस नियम

अपने सपनों का घर आप से बेहतर भला कौन सजा सकता है। अगर आप अपने घर को अपने तरीके से सजाना चाहते हैं तो कुछ साधारण नियमों को अपना सकते हैं। जब आप उसे सजाएंगे तो उसका अहसास ही अलग होगा और आपको संतोष भी मिलेगा। यहां दिए गए कुछ नियमों को अपनाकर घर के इंटीरियर को नया अंदाज दे सकते हैं-

पहला नियम

इंटीरियर डेकोरेशन के तमाम तरीके हैं लेकिन घर की सजावट आपको अपनी पसंद के अनुरूप करनी चाहिए। पहला नियम यह है कि आपको घर में आपकी छवि/व्यक्तित्व दिखनी चाहिए। यह हमेशा ध्यान रखें कि घर आपका है न कि मेहमानों का। अपनी सुविधा को प्राथमिकता दें, दूसरों से राय लें, लेकिन उसे उतना ही मानें जितनी की जरूरत हो।

दूसरा नियम

जल्दबाजी में घर की सज्जा न करें। पहले सोचें कि आपको क्या और कैसा सामान चाहिए। आपका बजट चेक करें कि आप किन चीजों पर अधिक और कम खर्च कर सकते हैं।

तीसरा नियम

ज्यादातर चीजें 90 डिग्री कोण के हिसाब से रखें मसलन रग्स, टेबल, चेयर व पिक्चर्स आदि। रूम को सजाने का एक खास तरीका है- कोने का सॉफ्ट होना या अगर आप शार्प कॉर्नर नहीं चाहते तो कुछ गोलाकार चीजों का संयोजन भी कर सकते हैं। एक राउंड कॉफी टेबल या रग आपके कमरे को अधिक आकर्षक बना सकता है।

चौथा नियम

स्टोर जाकर हर चीज का सेट न खरीदें। इससे ऐसा लगेगा जैसे सब कुछ आपने एक ही दिन में किया है। वह गड़बड़ और बिखरा हुआ दिखेगा। ब्लेंडिंग ज्यादा बेहतर होती है। आपको कॉम्बिनेशन पर ध्यान देना है। कौन सी चीजें किसके साथ व कैसे अच्छी लगेंगी इस ओर ध्यान दें। मसलन रूम के कलर्स के साथ फर्नीचर व एक्सेसरीज का कॉम्बिनेशन बनाएं। सब कुछ मैचिंग का न रखें। यह तभी संभव होगा जब आप अलग-अलग जगह से चीजें जुटाई जाएंगी।

पांचवां नियम

आप रूम को सफेद रखना चाहते हैं तो सही रंग चुनें। बाजार में तमाम तरह के सफेद रंग उपलब्ध हैं, जो पिंक, ब्ल्यू या यलो टोन में भी दिख सकते हैं। आपको सही सफेद यानी व्हाइट डायमंड कलर, कूल इफेक्ट देने के लिए प्योर व्हाइट और वार्मर इंटीरियर के लिए व्हाइट डव कलर बेस्ट होते हैं। इसे जांचने का सही तरीका है कि आप एक छोटे बोर्ड में अपनी पसंद या सफेद रंग भरें और उसे रूम में अलग-अलग जगह और अलग रोशनी में रखकर देखें कि वह दिन व रात में कैसा लगता है।

छठा नियम

घर को सुंदर और सबसे अनूठा बनाने की चाहत के कारण अकसर हम ओवर थीम क्रिएट कर देते हैं। यह सब नॉटिकल रूम के साथ अच्छा लगता है लेकिन उसके साथ सिर्फ ब्ल्यू और व्हाइट स्ट्रिप ही अच्छी दिखती है। अब इसके साथ आप अगर रोप नॉट पिलो और पोर्थोल मिरर का इस्तेमाल करेंगे तो वह अच्छा नहीं लगेगा। किसी एक थीम पर फोकस करना बेहतर रहेगा। इससे आप खुद देखेंगे कि आपका कमरा कितना सुंदर नजर आ रहा है।

सातवां नियम

डिजाइन से पहले फ्लोर प्लान बनाएं। कमरों का डाइमेंशन, खिड़कियों, दरवाजों व अन्य फीचर्स को मापें। ताकि जो सामान आप खरीदें वह अच्छी तरह फिट हो जाए।

आठवां नियम

सबसे पहले अपने स्पेस और वातावरण पर ध्यान दें। क्लाइमेट का असर भी रंगों पर पड़ता है। रूम किस किस्म का है, यह ध्यान देना जरूरी है। मसलन अगर बच्चों का कमरा है तो उसके लिए वाइब्रेंट कलर्स चुनें। उसी तरह ड्राइंगरूम के लिए ब्राउंस और अन्य एलिगेंट डार्क शेड्स चुनें। आप चाहें तो अपनी थीम के हिसाब से भी कलर चुन सकते हैं और इसके लिए किसी इंटीरियर डिजाइनर से भी सलाह ली जा सकती है।

नौवां नियम

इंटीरियर का नया रूल यह है कि आप पूरे घर को एक थीम पर ही सजा सकते हैं। या फिर हर रूम के लिए अलग अलग थीम्स रखी जा सकती हैं। यह न सोचें कि अगर आपका किचन मॉर्डन किचन के कांसेप्ट पर है तो बेडरूम को ट्रेडिशनल अंदाज नहीं दिया जा सकता। प्रयोग का जमाना है आप प्रयोग करिये। बस इतना ध्यान रखिए कि कुछ ओवर डू ने होने पाए।

दसवां नियम

एक साथ पूरे घर में सब कुछ डिस्प्ले करना जरूरी नहीं है। इस तरह घर भरा-भरा व अजीब लगेगा। बेहतर होगा कि आप हर महीने भर में सजावटी सामानों की अदला-बदली कर लें। इससे घर में ताजगी का अहसास तो होगा ही साथ ही हर बार इंटीरियर में नयापन देखने को भी मिलेगा।

आप चाहें तो रूम में कुछ प्लांट्स भी सजा सकते हैं। इससे आपका घर नेचर के करीब दिखाई देगा और आपको ताजगी का अहसास मिलेगा। सूरज की रोशनी को घर में आने का जरिया बनाना न भूलें। सनलाइट का अपना अलग प्रभाव रहता है। ऐसे में कुछ इस तरह के पर्दे रखें कि जरूरत पड़ने पर खिड़कियां से भरपूर रोशनी घर के भीतर आ सके। सजावट में फैब्रिक और फ्लोरिंग की भूमिका बेहद अहम होती है। ऐसे में इनके को-आर्डिनेशन पर भी जरूर ध्यान दें।

व्हाइट एंड ब्लू में है मैजिक

घर की सजावट के मामले में इन दिनों टॉप पर है ब्लू एंड व्हाइट कांबिनेशन। घर को पेंट कराना हो या पर्दे, कालीन, सोफा, कुशन इत्यादि या आकर्षक एक्सेसरीज से कमरे को सजाना, यह कलर कांबिनेशन बेस्ट है। इंटीरियर डिजाइनर्स भी इस कांबिनेशन को देते हैं खास तवज्जो, क्योंकि यह न सिर्फ आपके घर को खूबसूरत बनाता है, बल्कि मानसिक सुकून भी देता है। वैसे तो व्हाइट के संग ब्लू के सभी शेड्स अच्छे लगते हैं। हां, अगर आप एक जैसे शेड्स के विभिन्न फैब्रिक में अलग-अलग पैटर्न और टेक्सचर का चुनाव करती हैं तो यह और भी खूबसूरत लगता है।

घर में विशेष महत्व रखते हैं आपका ड्राइंग रूम और लिविंग रूम। इनकी साज-सज्जा में झलकती है आपकी अभिरुचि। लिविंग रूम और ड्राइंग रूम की साज-सज्जा देखकर मेहमान आपके बारे में धारणा बनाते हैं। जब ऐसा है तो क्यों न यहीं से करें घर को सजाने की शुरुआत। सोफे का कलर बदलना भले ही मुश्किल हो, पर कुशन और सोफा बैक के जरिए आप यहां जोड़ सकती हैं व्हाइट एंड ब्लू कांबिनेशन का आकर्षण। व्हाइट एंड ब्लू में पोल्का डॉट्स प्रिंट के कुशन भी अच्छे लगेंगे। वहीं डाइनिंग टेबल पर ब्लू और व्हाइट मैट्स सेट कर सकती हैं। जहां तक टेबल क्लॉथ की बात है तो ब्लू डेनिम में व्हाइट लेस लगाकर बिछाने से कमरे की शोभा बढ़ जाएगी। अगर कमरे का रंग डार्क ब्लू है तो व्हाइट फर्निशिंग का चुनाव करें। व्हाइट कुशन, डोर मैट्स इत्यादि से कमरे को मिलेगा मॉर्डन एवं ट्रेंडी लुक। डार्क ब्लू शेड की एक खासियत है कि इससे कमरा बड़ा लगता है।

कमरे में सौंदर्य और सुकून का अहसास जगाने के लिए व्हाइट एंड ब्लू के कांबिनेशन वाले कालीन एवं रग्स का चुनाव भी है अच्छा आइडिया। यदि कमरे की दीवारें सफेद हैं तो ब्लू रंग के पर्दों का चुनाव करना बेहतर रहेगा। खिड़कियों के लिए ब्लू कलर में शिफॉन के पर्दे चुन सकती हैं। यदि कमरे की दीवारें ब्लू कलर में हैं तो व्हाइट एवं ब्लू कलर के प्रिंटेड पर्दे चुनें। यहां व्हाइट के बेस में ब्लू का प्रिंट अच्छा लगेगा।

बेडरूम के लिए भी परफेक्ट है व्हाइट एंड ब्लू कांबिनेशन। डार्क ब्लू रंग की दीवारों के साथ खूबसूरत लुक देगा व्हाइट गिलाफ से सजा बेड। वहींव्हाइट बेडशीट्स और टॉप शीट के साथ ब्लू तकिए अच्छे लगेंगे। इनके साथ व्हाइट एंड ब्लू स्ट्राइप्स वाला कालीन और रग्स डालने से इस कलर कांबिनेशन का आकर्षण और भी बढ़ जाएगा।

इस संबंध में अब न करें ज्यादा सोच-विचार, क्योंकि ब्लू एंड व्हाइट कांबिनेशन में है कुछ ऐसा जादू, जो बिखेर देगा हर ओर प्रकृति की सुरम्यता और सुकून।

आरसीबी ने टिम सीफर्ट को किया साइन, जैकब बेटल इंग्लैंड ड्यूटी के लिए होंगे रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के बचे मैचों के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने न्यूजीलैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज टिम सीफर्ट को अपनी टीम में शामिल किया है। यह फैसला टीम के खिलाड़ी जैकब बेटल के इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम से जुड़ने के चलते लिया गया है। जैकब बेटल 23 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आरसीबी का लीग चरण का आखिरी मुकाबला खेलने के बाद 24 मई को इंग्लैंड रवाना होंगे। इसके बाद से टिम सीफर्ट की टीम में एंट्री प्रभावी मानी जाएगी। न्यूजीलैंड के इस अनुभवी खिलाड़ी ने अब तक 66 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं, जिनमें उन्होंने 1540 रन बनाए हैं। सीफर्ट को आरसीबी ने 2 करोड़ रुपये में साइन किया है। प्लेऑफ की दौड़ में टीम की संभावनाओं को देखते हुए उनकी मौजूदगी से आरसीबी के बल्लेबाजी क्रम को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 की बदौलत नए पंख लगाकर उड़ान भरने को तैयार 'दीव'

दीव। दीव का नाम शायद आपने बहुत कम सुना होगा, लेकिन अब यह सब बदलने जा रहा है और इसका श्रेय जाता है खेलो इंडिया बीच गेम्स (केआईबीजी) 2025 को। यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत सरकार द्वारा आयोजित इन खेलों ने दीव को दोबारा राष्ट्रीय चेतना में ला दिया है और भारत के सबसे सुंदर समुद्र तटीय शहरों में से एक दीव अब इन खेलों की बदौलत नए पंख लगाकर उड़ान भरने को तैयार है। हालांकि इसकी पहली नींव पिछले साल स्थानीय प्रशासन ने रखी थी, जब उसने भारत में पहली बार किसी समुद्र तट पर मल्टी-स्पोर्ट्स इवेंट का आयोजन किया था। यह आयोजन उसी घोघला बीच पर हुआ था, जो खेलों इंडिया बीच गेम्स की मेजबानी कर रहा है। इस केंद्रशासित प्रदेश में एक लंबा समुद्री किनारा है और नागोआ और घोघला जैसे शानदार समुद्र तट हैं। दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव के सचिव (खेल एवं युवा मामले विभाग) डॉ. अरुण टी ने एक बयान में कहा, पर्यटन के दृष्टिकोण से, केआईबीजी दीव की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अनोखे तटीय आकर्षण को उजागर करेगा। इससे राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित होगा। देशभर से पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और हमारा संघ प्रदेश एक पसंदीदा तटीय और खेल पर्यटन स्थल के रूप में उभरेगा।

किदांबी श्रीकांत मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में, एचएस प्रणॉय हुए बाहर

बुकित जलील। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने मलेशिया मास्टर्स 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे राउंड में जीत दर्जकर अगले दौर में जगह बनाई। वहीं मिश्रित युगल में तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी ने भी क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। आज यहां एक्सियाटा एरिना केएल स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में 59 मिनट तक चले मुकाबले में किदांबी ने आयरलैंड के न्हाट गुयेन को सीधेगेम में 23-21, 21-17 हराकर अगले दौर में जगह बनाई। किदांबी ने पहले गेम की शुरुआत से ही अपना दबदबा कायम रखते हुए अपनी बढ़त बनाए रखा। न्हाट ने किदांबी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन आखिर में किदांबी ने अंक अर्जित कर पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भी किदांबी ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन जारी रखते हुए आयरलैंड के बैडमिंटन खिलाड़ी को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। क्वार्टरफाइनल में किदांबी का मुकाबला फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव से होगा। इसके अलावा विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणॉय को 23वें रैंक के खिलाड़ी जापान के युशी तनाका से सीधे गेम में 9-21, 18-21 से हार मिली। पुरुष एकल के अन्य मुकाबले में आयुष शेट्टी को फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव से 13-21, 17-21 से हार मिली, जबकि पुरुष एकल रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज सतीश करुणाकरन भी राउंड ऑफ 16 में रैंकिंग में 18वें स्थान के खिलाड़ी फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव से 13-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा।

रोमांचक मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स ने गुजरात टाइटंस को 33 रनों से हराया

अहमदाबाद। मिचेल मार्श (117) और निकोलस पूरन (नाबाद 56) की आतिशी पारियों के बाद विलियम ओरूर्क (तीन विकेट), आवेश खान और आयुष बडोनी (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 65वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 33 रनों से हरा दिया। आज यहां गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर लखनऊ सुपर जायंट्स का पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए एडन मारक्रम मिचेल मार्श की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिये 91 रन जोड़े। 10वें ओवर में साई किशोर ने मारक्रम 24 गेंदों में (36) रन को आउटकर गुजरात को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये तीसरे बल्लेबाज निकोलस पूरन ने मिचेल मार्श के साथ दूसरे विकेट लिए 121 रनों की साझेदारी की। इन दोनों बल्लेबाजों ने गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों की खूब खबर ली। 19वें ओवर की दूसरी गेंद पर अरशद खान ने शतकवीर मिचेल मार्श को आउटकर पवेलियन भेजा। मिचेल मार्श ने 64 गेंदों में 10 चौके और आठ छक्के लगाते हुए (117) रनों की पारी खेली। लखनऊ सुपर जायंट्स ने निर्धारित 20 ओवरों में दो विकेट पर 235 रन बनाकर आईपीएल का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया।

ओलंपिक मार्केटिंग के दिग्गज माइकल पेन बने वॉलीबॉल वर्ल्ड के चेयरमैन

एजेंसी

जिनेवा। ओलंपिक और खेल विपणन (स्पोर्ट्स मार्केटिंग) जगत के प्रसिद्ध विशेषज्ञ माइकल पेन को वॉलीबॉल वर्ल्ड का नया चेयरमैन नियुक्त किया गया है। अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल महासंघ (एफआईवीबी) ने उक्त घोषणा की।

ओलंपिक मार्केटिंग में दो दशक से अधिक का अनुभव

67 वर्षीय माइकल पेन 1983 से 2004 तक इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) में मार्केटिंग और ग्लोबल ब्रॉडकास्ट राइट्स के निदेशक रहे। इस दौरान उन्होंने 15 ओलंपिक खेलों के लिए मार्केटिंग कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की और उन्हें सफलतापूर्वक लागू किया।

खेल संगठनों के साथ रणनीतिक सलाहकार की भूमिकाः एथेंस 2004 ओलंपिक के बाद पेन ने 'पेन स्पोर्ट्स मीडिया

स्ट्रैटेजीज' की स्थापना की, जिसके माध्यम से उन्होंने फॉर्मूला वन, एफआईवीबी और सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स जैसे शीर्ष वैश्विक खेल संगठनों को सलाह दी।

वॉलीबॉल वर्ल्ड को वैश्विक मंच पर ले जाने का लक्ष्यः एफआईवीबी के अंतर्गत 2021 में स्थापित वॉलीबॉल वर्ल्ड अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल और बीच वॉलीबॉल इवेंट्स का वाणिज्यिक संचालन करता है। पेन ने कहा, पिछले चार वर्षों में वॉलीबॉल वर्ल्ड ने खेल को वैश्विक मनोरंजन उत्पाद के रूप में नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। मैं इस रोमांचक सफर का हिस्सा बनने और इस गर्मी होने वाली वॉलीबॉल नेशंस लीग और विश्व चैंपियनशिप जैसे बड़े इवेंट्स में योगदान देने को लेकर उत्साहित हूँ। माइकल पेन ने फर्नांडो लीमा की जगह ली है, जो वॉलीबॉल वर्ल्ड के पहले चेयरमैन रहे। हालांकि लीमा बोर्ड में बने रहेंगे और एफआईवीई में एक नई नेतृत्व भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा, मैं अपने कार्यकाल पर गर्व महसूस करता हूँ और मुझे विश्वास है कि माइकल के नेतृत्व में हमारी विकास गति और तेज़ होगी। यह बदलाव वॉलीबॉल को वैश्विक खेल बाजार में और अधिक सशक्त स्थिति में पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

हिमाचल क्रिकेट टीम का चयन 27 मई को धर्मशाला में

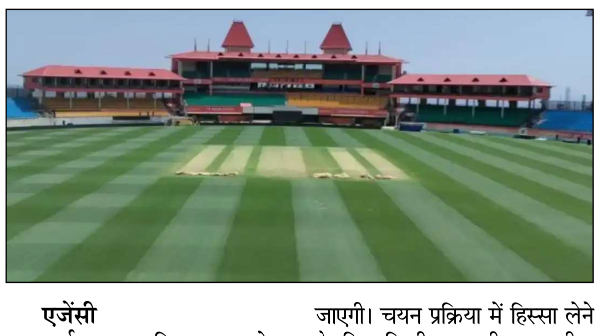

एजेंसी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा 2025-26 सीजन के लिए हिमाचल की सीनियर टीम का चयन किया जाएगा। यह चयन प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में 27 मई को आयोजित की जाएगी। टीम का चयन वनडे और T20 प्रतियोगिता के लिए किया जा रहा है। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने बताया कि 27 मई को यह चयन प्रक्रिया धर्मशाला स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। चयन प्रक्रिया में हिस्सा लेने के लिए किसी तरह की आयु सीमा की बंदिश नहीं है। इसके अलावा चयन प्रक्रिया में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को अपने साथ अपनी किट लानी होगी।

वहीं हिमाचली बोनाफाइड, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र और दसवीं का प्रमाण पत्र भी साथ लाना होगा। उन्होंने बताया कि इस चयन प्रक्रिया में सिर्फ वही खिलाड़ी हिस्सा ले सकते हैं जो एचपीसीए के साथ पंजीकृत हैं।

लुका मोड्रिच कहेंगे रियल मैड्रिड को अलविदा, क्लब वर्ल्ड कप के बाद लेंगे विदाई

एजेंसी

नई दिल्ली। फुटबॉल की दुनिया के सबसे बेहतरीन मिडफील्डरों में शुमार लुका मोड्रिच जल्द ही रियल मैड्रिड को अलविदा कहने जा रहे हैं। क्लब के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक, मोड्रिच ने पुष्टि की कि वह क्लब वर्ल्ड कप के बाद क्लब को छोड़ देंगे। 2018 के बैलन डी'ऑर विजेता मोड्रिच 2012 से क्लब से जुड़े हुए हैं और लगभग 600 मैचों में रियल के लिए मैदान में उतरे हैं।

बर्नबू में आखिरी मुकाबला 39 वर्षीय क्रोएशियाई मिडफील्डर का आखिरी घरेलू मुकाबला शनिवार को रियल सोसिएदाद के खिलाफ ला लीगा का अंतिम मैच होगा। इसके बाद वह जून में शुरू होने वाले क्लब वर्ल्ड कप में टीम का हिस्सा रहेंगे और फिर विदाई लेंगे।

इमोशनल इंस्टाग्राम पोस्ट में दी विदाई की जानकारी

मोड्रिच ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, वो पल आ गया है, जो मैं कभी नहीं चाहता था। लेकिन फुटबॉल और जिंदगी में हर चीज की एक शुरुआत होती है और एक अंत। शनिवार को मैं सैंटियागो बर्नबू में

अपना आखिरी मैच खेलूंगा। उन्होंने आगे लिखा, रियल मैड्रिड के लिए खेलना मेरी जिंदगी बदल देने वाला अनुभव रहा। इस क्लब की सबसे सफल पीढ़ी का हिस्सा बनकर मुझे गर्व है। क्लब वर्ल्ड कप के बाद भले ही मैं इस जर्सी में मैदान पर नहीं उतरूंगा, लेकिन दिल से हमेशा एक 'मेड्रिडिस्ता' रहूंगा।

रियल मैड्रिड के साथ लुका मोड्रिच की उपलब्धियांः

ला लीगाः 2016-17, 2019-20, 2021-22, 2023-24

कोपा डेल रेः 2013-14, 2022-23

सुपरकोपा डे एस्पानाः 2012, 2017, 2020, 2022, 2024

यूईएफए चैंपियंस लीगः2013-14, 2015-16, 2016-17, 2017-18, 2021-22, 2023-24

यूईएफए सुपर कपः 2014, 2016, 2017, 2022, 2024

फीफा क्लब वर्ल्ड कपः 2014, 2016, 2017, 2018, 2022

फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कपः 2024

फ्रेंच ओपन 2025 ड्रॉः जोकोविच, सिनर एक ही हाफ में, पहले मैच में अल्कराज की टक्कर निशिकोरी से

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस के रोलां गैरो में हुए ड्रॉ के अनुसार, वर्ल्ड नंबर 2 कार्लोस अल्कराज फ्रेंच ओपन 2025 में अपने खिताबी बचाव अभियान की शुरुआत जापान के अनुभवी खिलाड़ी केई निशिकोरी के खिलाफ मुकाबले से करेंगे। वहीं, विश्व के नंबर 1 खिलाड़ी जैनिक सिनर टूर्नामेंट की शुरुआत फ्रांस के आर्थर रिंडरनेश के खिलाफ करेंगे।

सिनर, जोकोविच और ज़्वेरेव एक ही हाफ में 23 वर्षीय सिनर, जिन्होंने हाल ही में इटैलियन ओपन से तीन महीने के डोपिंग प्रतिबंध के बाद वापसी की है, दूसरे दौर में फ्रेंच वाइल्डकार्ड रिचर्ड गैस्के से भिड़ सकते हैं। 38 वर्षीय गैस्के अपने करियर का आखिरी फ्रेंच ओपन खेल रहे हैं और यह उनका 22वां व अंतिम रोलां गैरो अभियान होगा।

पिछले साल के रनर-अप अलेक्जेंडर ज़्वेरेव और तीन बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच भी सिन्नर के साथ इसी हाफ में हैं। ज़्वेरेव और जोकोविच के क्वार्टरफाइनल में आमने-सामने होने की संभावना है, जहां से विजेता सिनर के खिलाफ सेमीफाइनल में

भिड़ सकता है।

पहले दौर के रोमांचक मुकाबलेः

कार्लोस अल्कराज (स्पेन) बनाम केई निशिकोरी (जापान)

अलेक्जेंडर ज़्वेरेव (जर्मनी) बनाम लर्नर टिएन (अमेरिका)

नोवाक जोकोविच (सर्बिया) बनाम मैकेंज़ी मैकडोनाल्ड (अमेरिका)

बेन शेल्टन (अमेरिका) बनाम लोरेंजो सोनेगो (इटली)

आर्थर फिस (फ्रांस) बनाम निकोलस जैरी (चिली)

ह्यूबर्ट हर्काच (पोलैंड) बनाम जोआओ फोंसेका (ब्राजील)

दानिल मेदवेदेव (रूस) बनाम कैमरन नोरी (ब्रिटेन)

न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर हेले जेनसेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास, 11 साल के करियर का अंत

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी ऑलराउंडर हेले जेनसेन ने 11 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर के बाद क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। 32 वर्षीय जेनसेन ने 35 वनडे और 53 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 2014 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। हेले जेनसेन चार टी20 वर्ल्ड कप टीमों का हिस्सा रही हैं, जिनमें 2020 में ऑस्ट्रेलिया में हुए टूर्नामेंट में वह न्यूजीलैंड की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज रहीं। इसके अलावा वह 2022 में न्यूजीलैंड में आयोजित वनडे वर्ल्ड कप में भी खेली थीं। उन्होंने 2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स में भी शानदार

प्रदर्शन किया था, जहां इंग्लैंड के खिलाफ कांस्य पदक मैच में 3 विकेट लेकर न्यूजीलैंड को जीत दिलाई थी।हालांकि, वह 2022 के अंत के बाद से वनडे टीम से बाहर चल रही थीं। मार्च 2024 में श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए उन्हें टीम में वापस बुलाया गया था, लेकिन चोट के चलते वह सीरीज नहीं खेल सकीं। संन्यास की घोषणा करते हुए जेनसेन ने कहा, जब मैं 10 साल की थी, तभी से मैंने तय कर लिया था कि मुझे वाइट फर्न्स टीम में खेलना है। इस सपने को जीने का मौका मिलना मेरे लिए बेहद खास रहा है। यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही - जिसमें चुनौतियाँ, विकास, और ढेर सारी यादगार पल शामिल हैं।न्यूजीलैंड महिला टीम के मुख्य कोच बेन सॉयर ने जेनसेन के करियर की सराहना करते हुए कहा, हेले ने मैदान पर बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया है। उनकी क्रिकेट के प्रति निष्ठा और जुनून काबिले तारीफ है। हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। हेले जेनसेन ने यह स्पष्ट किया है कि वह घरेलू क्रिकेट में खेलना जारी रखेंगी या नहीं, इस पर फैसला बाद में लेंगी।

आईसीसी ने इलिंगवर्थ को 100 वनडे मैचों में अंपायरिंग की उपलब्धि पर दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रिचर्ड इलिंगवर्थ को 100 पुरुष एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायर के रूप में कार्य करने के लिए बधाई दी है। आईसीसी अंपायर ऑफ द ईयर पुरस्कार के चार बार के विजेता इलिंगवर्थ ने बुधवार को डबलिन में आयरलैंड और वेस्टइंडीज के बीच पहले एकदिवसीय मैच में इस उपलब्धि को छुआ। 61 वर्षीय इलिंगवर्थ ने 2010 में अंपायरिंग में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से 76 पुरुष टेस्ट, 35 पुरुष टी20, एक महिला टेस्ट, छह महिला वनडे और 13 महिला टी20 मैचों में मैदानी अंपायर रह चुके हैं। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने इस उपलब्धि पर इलिंगवर्थ को बधाई दी। आईसीसी की ओर से जारी बयान में शाह ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जो पिछले कुछ वर्षों में उनके द्वारा दिखाई गई निरंतरता को दर्शाता है। हमें उम्मीद है कि रिचर्ड आने वाले वर्षों में भी इसी तरह सफल होते रहेंगे। आईसीसी की ओर से मैं उन्हें इस महत्वपूर्ण उपलब्धि तक पहुंचने के लिए बधाई देता हूं। रिचर्ड इलिंगवर्थ ने इस मुकाम को हासिल करने पर कहा कि अपने 100वें एकदिवसीय मैच में अंपायरिंग करना बहुत अच्छा लग रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अंपायरिंग करना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन मुझे इसका हर पहलू पसंद है। मैं इस सर्किट का हिस्सा बनकर बहुत भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं, क्योंकि क्रिकेट मेरे लिए आजीवन जुनून रहा है। खेल को इतने करीब से देख पाना सम्मान और सौभाग्य की बात है।

इंग्लैंड दौरे के लिए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी पटना से हुए रवाना

एजेंसी

पटना। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 22 मई 2025 को इंग्लैंड दौरे के लिए अंडर-19 क्रिकेट टीम की घोषणा की है, जिसमें बिहार के होनहार खिलाड़ी 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को भी शामिल किया गया है। टीम इंडिया अंडर-19 में चयन के बाद इंग्लैंड दौरे पर जाने के लिए वैभव पटना से बेंगलुरू के लिए रवाना हो गए।

वैभव बिहार के समस्तीपुर आए हुए थे, जहां उनका परिवार रहता है। यह दौरा 24 जून से 23 जुलाई 2025 तक होगा। बेंगलुरू के लिए फ्लाइट पकड़ने के लिए वैभव करीब 4 बजे समस्तीपुर से पटना एयरपोर्ट पहुंचे। वैभव के साथ उनके पिता और चाचा भी थे। मीडिया कर्मियों ने वैभव से बात करनी चाही, लेकिन वो थैक्यू कहकर आगे बढ़ गये। वैभव के चाचा ने मीडिया से बात की और कहा कि भतीजे की कामयाबी से वो बहुत खुश हैं। बिहार के लिए यह

गर्व की बात है। वैभव ने आईपीएल में इतना अच्छा परफॉर्मेंस किया है और आगे भी वह अच्छा करेगा। हम बहुत खुश हैं कि हमारा भतीजा भारतीय टीम का हिस्सा बनने जा रहा है।

आईपीएल 2025 में 35 गेंदों में रिकॉर्ड शतक बना चुके हैं वैभव

उल्लेखनीय है कि वैभव ने आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया। अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। वैभव ने आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए सात मैचों में 252 रन बनाए हैं, जिसमें 35 गेंदों में एक रिकॉर्ड शतक (101 रन, गुजरात टाइटंस के खिलाफ) और एक अर्धशतक (57 रन, चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ) शामिल है। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 206.55 रहा, जिसमें 18 चौके और 24 छक्के शामिल थे। 14 साल और 32 दिन की उम्र में वह पुरुष टी-20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र के शतकवीर बने और उनका 35 गेंदों का शतक क्रिस गेल के बाद आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक था।

पंजाब किंग्स का लक्ष्य शीर्ष दो में जगह बनाना

जयपुर।पंजाब किंग्स का लक्ष्य 11 साल बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के प्लेऑफ में जगह पक्की करने के बाद शीर्ष दो में जगह बनाना है। वर्तमान में, टीम तीसरे स्थान पर है और उसका लक्ष्य शीर्ष दो में जगह बनाकर क्वालिफायर 1 में खेलने और फाइनल में पहुंचने का मौका बनाना है.श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली पंजाब किंग्स टीम का सामना शनिवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 66वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स से होगा, जो पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और अपने निराशाजनक सीजन का शानदार तरीके से अंत करना चाहेगी। पंजाब इस सीजन में सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम रही है, जिसने 12 मैचों में 17 अंक प्राप्त किये हैं और दो मैच शेष रहते प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली है। अय्यर ने आईपीएल 2025 में 175 के स्ट्राइक रेट से 435 रन बनाए हैं।

तेज गेंदबाज मुकेश कुमार पर आचार संहिता उल्लंघन के लिए जुर्माना

एजेंसी

मुंबई। मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2025 के 63वें मुकाबले के दौरान दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को आचार संहिता का उल्लंघन करने के चलते मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। साथ ही, उनके नाम पर एक डिमेरिट पॉइंट भी दर्ज किया गया है। आईपीएल की ओर से जारी बयान के अनुसार, मुकेश कुमार ने लेवल 1 का उल्लंघन - अनुच्छेद 2.2 स्वीकार किया है, जो कि मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण, परिधान, मैदान के उपकरण या स्थायी ढांचे को नुकसान या दुरुपयोग से संबंधित है। मुकेश ने मैच रैफरी के निर्णय को स्वीकार कर लिया है, जिससे उन्हें आगे की सुनवाई से छूट मिल गई।

आईपीएल आचार संहिता के नियमों के तहत लेवल 1 के उल्लंघन की स्थिति में मैच रैफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होता है। यह घटना उस समय घटी जब मुकाबले के दौरान मुकेश कुमार ने अपना आपा खो दिया और क्रिकेट उपकरण पर नाराजगी जाहिर की। हालांकि, उन्होंने तुरंत अपनी गलती स्वीकार की और फैसले को मान लिया।

खेलो इंडिया बीच गेम्सः महाराष्ट्र की दीक्षा यादव का स्वर्णिम जलवा, पेंचक सिलाट में मणिपुर और नगालैंड की चमक

एजेंसी

दीव। दीव में आयोजित पहले खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 में गुरुवार का दिन उत्साह, प्रतिस्पर्धा और नई उपलब्धियों से भरा रहा। महाराष्ट्र की दीक्षा यादव ने ओपन सी स्विमिंग में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाते हुए अपने अद्भुत कौशल का प्रदर्शन किया। वहीं पेंचक सिलाट जैसे पारंपरिक खेल में मणिपुर, नगालैंड और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों ने अपने शानदार प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा।

दीक्षा यादव का गोल्डन डबल

19 वर्षीय दीक्षा ने 5 किलोमीटर ओपन सी स्विमिंग में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 01 घंटा 10 मिनट 12 सेकेंड में रेस पूरी कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बुधवार को उन्होंने 10 किलोमीटर रेस में भी पहला स्थान हासिल किया था। यह दीक्षा का इस प्रतियोगिता में दूसरा स्वर्ण पदक है। उनकी टीममेट पूर्वा गवड़े ने 13 सेकेंड के अंतर से रजत और कर्नाटक की आसरा आर. सुधीर ने कांस्य पदक जीता।

पेंचक सिलाट में उभरे पूर्वोत्तर के सितारे

इंडोनेशियाई मूल की पारंपरिक मार्शल आर्ट पेंचक सिलाट में कुल 46 स्वर्ण पदकों में से 28 पदक दांव पर थे। मणिपुर और दादरा एवं नगर हवेली और दमन दीव ने चार-चार स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। नगालैंड को भी दो स्वर्ण मिले। जबकि जम्मू-कश्मीर ने पहला स्वर्ण पदक हासिल किया,

जब सज्जाद अहमद बेग ने सीनियर पुरुष 55-60 किग्रा श्रेणी में ओडिशा के खिलाड़ी को 9-0 से हराया।

सेपक टकरॉ में हरियाणा और केरल की धाकः हरियाणा की पुरुष टीम ने गोवा को 2-0 (15-4, 15-11) से हराकर डबल्स इवेंट का स्वर्ण जीता। केरल की महिला टीम ने ओडिशा को 2-0 (15-4, 15-9) से हराकर डबल्स इवेंट में जीत दर्ज की। दिल्ली, जिसने पहले त्रयी टीम इवेंट में स्वर्ण जीता था, को डबल्स में कांस्य से संतोष करना पड़ा।

बीच सॉकः मध्य प्रदेश ने महिला वर्ग में आंध्र प्रदेश को 6-1 से हराया। पुरुष वर्ग में महाराष्ट्र ने गुजरात को 6-5 से मात दी।

बीच वॉलीबॉर्लः पुरुष और महिला वर्ग के क्वार्टर फाइनल में तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी ने दमदार प्रदर्शन किया।

पांच किलोमीटर ओपन सी स्विमिंग के पुरुष वर्ग मुकाबले में ध्रुपद रामकृष्ण (कर्नाटक) ने 1:06:46 मिनट का टाइम लेते हुए स्वर्ण पदक जीता। जबकि गुंडु विष्णु वर्धन (तेलंगाना) ने 1:06:58 समय के साथ रजत तथा हेमंत ए (तमिलनाडु) ने 1:07:41 मिनट का समय निकालते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

अरब सागर में संभावित चक्रवात की चेतावनी के कारण खेलों का समापन शुक्रवार को ही किया जाएगा। अंतिम दिन सेपक टकरॉ, कबड्डी, बीच वॉलीबॉल और सॉकर के कई रोमांचक फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे।

काजोल ने

सुहाना खान

को किया बर्थडे विश, नई फिल्म को लेकर दिया हिंट, लिखा- ये साल तुम्हारे लिए...

बॉलीवुड किंग शाहरुख खान की बेटी और एक्ट्रेस सुहाना खान भी अपने पापा की तरह ही इंडस्ट्री में अपना नाम कमाने में जुटी हैं। सुहाना आज अपना 25वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर सुहाना के फैमिली और फ्रेंड्स उन्हें जमकर विश रहे हैं। इसी कड़ी में बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल ने भी सुहाना को जन्मदिन की बधाई दी है। लेकिन उनके बर्थडे विश मैसेज ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। आइए जानते हैं आखिर काजोल ने ऐसा क्या लिखा।

ये साल तुम्हारे लिए काफी बड़ा होने वाला है...

काजोल ने सुहाना खान को उनके जन्मदिन पर खास अंदाज में विश किया। काजोल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर सुहाना की एक प्यारी सी मुस्कुराते हुए तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में सुहाना का अंदाज देखने लायक है। इस फोटो के साथ काजोल ने लिखा, जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई सुहाना। मुझे पता है ये साल तुम्हारे लिए काफी बड़ा होने वाला है। काजोल की ये बात उनकी अपकमिंग मूवी की ओर इशारा कर रही है।

अनन्या पांडे ने भी किया विश

बता दें कि काजोल के अलावा सुहाना को उनकी बेस्ट फ्रेंड अनन्या पांडे ने भी विश किया है। अनन्या ने एक पुरानी तस्वीर शेयर की है, जिसमें सुहाना के साथ उनके छोटे भाई अबराम और शनाया कपूर भी नजर आ रहे हैं। इसके साथ अनन्या ने सुहाना को सुजी पाई कहकर बुलाया और लिखा कि दुनिया में कोई और सुहाना जैसा नहीं है।

किंग में आएंगी नजर

सुहाना खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' के साथ एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा है। ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हुई है। इसमें सुहाना ने वेरोनिका का किरदार निभाया था। वहीं अब वो जल्द ही अपने पापा शाहरुख खान के साथ फिल्म किंग में नजर आने वाली हैं। इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म में दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभय वर्मा, जयदीप अहलावत जैसे कई दूसरे दिग्गज सितारे भी नजर आएंगे।

मजे के नाम पर उसे..., कनिका कपूर ने पार्टी में उड़ाया

उर्वशी रौतेला

का मजाक, वीडियो देख भड़के यूजर्स

बॉलीवुड एक्ट्रेस और मॉडल उर्वशी रौतेला हमेशा ही अपने किसी न किसी बयान को लेकर खबरों में बनी रहती हैं। बीते दिनों उर्वशी कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी ड्रेस को लेकर काफी सुर्खियों में रहीं। कान के रेड कारपेट पर उर्वशी फटी ड्रेस पहनकर पहुंची थीं, जिसकी वजह से उन्हें काफी ट्रोल किया गया। वहीं, अब उनका एक नया वीडियो सामने आया है, जिसमें उनके साथ सिंगर कनिका कपूर, ओरी और कई अन्य लोग उर्वशी के साथ नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में उर्वशी के साथ कनिका जिस तरह से बात कर रही हैं उसे देख यूजर्स काफी नाराज दिख रहे हैं। ये वीडियो काफी चर्चा में बना हुआ है।

कनिका ने उड़ाया उर्वशी का मजाक

उर्वशी रौतेला का वायरल हो रहा वीडियो एक पार्टी के दौरान का है। इस वीडियो में सिंगर कनिका कपूर उर्वशी से जिस तरह बात कर रही हैं, उसे देखकर यूजर्स को लग रहा है कि वो उन्हें इनडायरेक्टली ट्रोल कर रही हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं कि कनिका, उर्वशी को कहती हैं, भारत की पहली माननीय महिला। ये बात कनिका पार्टी में सभी लोगों के सामने कहती हैं। सिंगर की ये बात सुनकर उर्वशी काफी असहज दिख रही हैं, क्योंकि ओरी और अन्य लोग ये सुनकर जोर-जोर से चिल्लाने लगते हैं।

गाया डाबिडी डिबिडी गाना

कनिका कपूर यहीं पर ही नहीं रुकती हैं। वो उर्वशी से उनकी फिल्म डाकू महाराज का गाना डाबिडी डिबिडी गाने के लिए कहा। उर्वशी ने न चाहते हुए भी कनिका की बात को मनाकर ये गाना गाया। इस गाने को सुनकर भी वहां मौजूद लोग हूटिंग करते दिख।वहीं, वीडियो में गाना गाने के लिए उर्वशी को कनिका से माइक लेने की कोशिश करते हुए भी देखा गया, लेकिन वो माइक नहीं ले सकीं।

लोगों ने कनिका को किया ट्रोल

इस वीडियो के सामने आते ही यूजर्स कनिका कपूर और बाकी लोगों पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।वहीं, नेटिजेंस ने उर्वशी की भावना की सराहना की। एक यूजर ने वीडियो कमेंट करते हुए लिखा, यह सीधे तौर पर बुलिंग है। मुझे उसके लिए बुरा लग रहा है।जबकि एक अन्य ने लिखा, वे मजे के नाम पर उसे धमका रहे हैं और उसका मजाक उड़ा रहे हैं...यह अच्छा नहीं है। ऐसे कई और कमेंट्स इस वीडियो पर आ रहे हैं।

केएल राहुल के बच्चे की मां बनने के बाद अथिया ने छोड़ा बॉलीवुड, पापा सुनील शेट्टी ने दिया फैंस को झटका

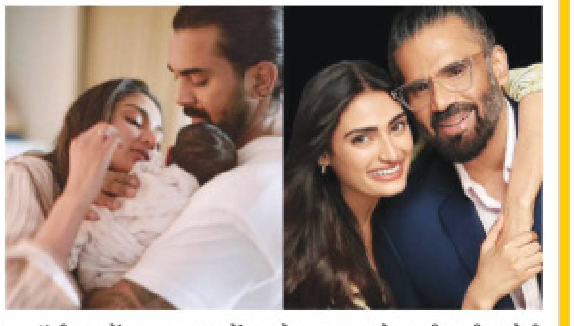

बॉलीवुड में साल 2015 में अपने कदम रखने वाली सुनील शेट्टी की बेटी अथिया शेट्टी का करियर सिर्फ चार फिल्मों में ही सिमट कर रह गया. वो आखिरी बार 2019 में आई फिल्म 'मोतीचूर चकनाचूर' में नजर आई थीं. इसके बाद से एक्ट्रेस ने फिल्मों से दूरी बना ली. वहीं अब सुनील शेट्टी ने खुलासा किया है कि उनकी बेटी बॉलीवुड से दूर हो गई हैं. उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री को छोड़ने का फैसला लिया है वो भी उस समय जब उन्हें आखिरी रिलीज के बाद भी लगातार ऑफर मिल रहे थे.

अथिया ने मां बनने के बाद छोड़ा बॉलीवुड

सुनील शेट्टी ने अपनी बेटी के फिल्मों से दूरी बनाने के कारण को लेकर भी बात की. सुनील के मुताबिक, अथिया को मोतीचूर चकनाचूर के बाद भी फिल्मों के ऑफर मिल रहे थे, लेकिन उसकी दिलचस्पी नहीं थी. हाल ही में अथिया और उनके पति एवं भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल ने अपने पहले बच्चे का वेलकम किया था. सुनील ने इस पर बताया कि मां बनने के बाद उन्होंने इंडस्ट्री से दूर रहना उचित समझा.

सुनील ने की बेटी की तारीफ

अभिनेता ने टाइम्स नाउ को दिए इंटरव्यू में बताया कि अथिया ने उनसे कहा था, बाबा, मैं नहीं करना चाहती. उसने फैसला लिया और मैंने भी उसे नहीं रोका. मैं उसकी इस चीज के लिए तारीफ करता हूं कि उसने अपने मन की बात सुनी न की किसी और की या समाज की उम्मीदों की.

24 मार्च को पैरेंट्स बने थे राहुल-अथिया

राहुल और अथिया ने साल 2023 में सुनील शेट्टी के बंगले पर धूमधाम से शादी रचाई थी. इससे पहले दोनों ने एक दूसरे को डेट किया था. इसी साल दोनों के घर बेटी का जन्म हुआ है. सुनील और अथिया ने 24 मार्च 2025 को अपने इंस्टाग्राम हैंडल से पैरेंट्स बनने की जानकारी शेयर की थी. कपल ने बेटी का नाम इवारा रखा है.

अथिया ने की सिर्फ ये 4 फिल्में

32 साल की अथिया ने अपने पिता सुनील शेट्टी की राह पर चलते हुए साल 2015 में डेब्यू किया था. उनकी पहली फिल्म 'हीरो' थी जो सलमान खान के प्रोडक्शन के तहत बनी थी. इसके बाद उन्होंने 'मुबारकां' और 'मोतीचूर चकनाचूर' में काम किया और फिर एक्टिंग करियर को अलविदा कह दिया.

दो शादी, चार बच्चे, अब पांचवीं बार पिता बनेंगे अरमान मलिक? सौतन के साथ हुआ बड़ा मजाक

फेमस यूट्यूबर अरमान मलिक कई दिनों से चर्चा में हैं. हाल ही में उन्होंने दावा किया था कि उन्हें लगातार कोई जान से मारने की धमकी दे रहा है, जिसकी वजह से उनका परिवार बहुत परेशान है. अब ऐसी धमकी वाली खबरों के बीच एक गुड न्यूज भी सामने आई कि अरमान फिर से पिता बनने वाले हैं. एक वीडियो सामने आया, जिसमें कृतिका मलिक ने बताया कि वो फिर से प्रेग्नेंट हैं और ये बात उन्होंने अपनी सौतन प्रिया को बताई जिससे वो भी खुश हुईं. लेकिन इसके पीछे की सच्चाई कुछ और ही है, इसके पीछे की सच्चाई क्या है, आइए जानते हैं.

क्या सच में पिता बनने वाले हैं अरमान मलिक ?

अरमान मलिक ने दूसरी वाइफ कृतिका मलिक के साथ एक प्रैंक वीडियो बनाया जो उनकी पहली वाइफ प्रिया के लिए था. इसमें दिखाया गया कि कृतिका प्रेग्नेंसी टेस्ट करती हैं जो पॉजिटिव आता है और ये खबर वो लोग प्रिया को देते हैं. लेकिन सच ये है कि कृतिका प्रेग्नेंट नहीं हैं, बल्कि उन्होंने पति अरमान मलिक के साथ मिलकर एक मजाक किया था.

व्लॉग में कृतिका ने जो पॉजिटिव प्रेग्नेंसी किट दिखाई थी वो उनकी पहली प्रेग्नेंसी की थी और शुरुआत में तो फैंस काफी कंफ्यूज हो गए थे लेकिन ये व्लॉग जैसे-जैसे आगे बढ़ता है सच्चाई सामने आती है. इस वीडियो के अंत में काफी मस्ती-मजाक देखने को मिला. अरमान मलिक और कृतिका का ये प्रैंक वीडियो वाला व्लॉग काफी पसंद किया जा रहा है.

अरमान मलिक के कितने बच्चे हैं ?

अरमान मलिक ने पहले पायल मलिक से शादी की थी, जिनसे उन्हें एक बेटा चिरायु मलिक है. वहीं अरमान ने कृतिका से दूसरी शादी की. जब कृतिका प्रेग्नेंट हुईं उसी दौरान प्रिया भी फिर से प्रेग्नेंट हुईं. कृतिका को एक बेटी और एक बेटा हुआ वहीं प्रिया को एक बेटी हुई. इस तरह से अरमान मलिक की दोनों वाइफ से चार बच्चे हैं और फिलहाल उनकी दोनों वाइफ में कोई भी प्रेग्नेंट नहीं है.

अरमान मलिक को मिली धमकी ?

अरमान मलिक ने पिछले दिनों एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने बताया था कि किस तरह से लगातार उन्हें कोई जान से मारने की धमकी दे रहा है. इसके बाद भी उन्हें कानून पर भरोसा है कि वो उन्हें, उनकी फैमिली को इस परेशानी से बाहर निकालेंगे. बाद में अरमान ने वो वीडियो डिलीट कर दिया था, लेकिन ये खबर सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गई थी. उस वीडियो में अरमान ने ये भी कहा था कि वो फैमिली का अच्छा कंटेंट वीडियो या व्लॉग के तौर पर डालते हैं फिर भी कोई उनसे क्यों दुश्मनी रख रहा है.